वर्ष-31, अंक- 258, पृष्ठ-12 | असाढ़ शुक्ल पक्ष 10, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
शनिवार
05 जुलाई 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹2.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 12

एक नजर

नेशनल हाइवे पर काम कर रहे मजदूर पर अज्ञात अपराधियों ने चलाई गोली, एक घायल

मेदिनीनगर। सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंगर खुर्द में बना रहे नेशनल हाईवे 39 पर काम कर रहे मजदूर पर शुक्रवार की सुबह लगभग 5:30 बजे अज्ञात अपराधियों के द्वारा गोली चलायी गयी। गाली लगने से एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल मजदूर विक्रम सिंह सतबरवा थाना के रजडेरवा गांव का रहने वाला है। गोली लगने के बाद स्थानीय निवासियों के द्वारा मजदूर को एमएमसीएच में इलाज के लिए भेजा गया, जहां चिकित्सकों के द्वारा प्राथमिक उपचार कर घायल को निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया । गोली मजदूर के पीठ में लगी है। देर रात तक गोली नहीं निकाली जा सकी है। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना की टीम घटनास्थल पर पहुंचे कर जांच में जुट हुई थी । सदर थाना प्रभारी संतोष कुमार गुप्ता ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

पिकअप पलटने से तीन मजदूर की मौत, 30 घायल

- मजदूरी के लिए जा रहे थे रोहतास

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। छतरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कौवल ओवर ब्रिज के पास शुक्रवार शाम सड़क दुर्घटना में तीन मजदूर की मौत हो गयी जबकि 30 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायल मजदूरों को आननफानन में छत्तरपुर अनुमंडल अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद मरीजों की स्थिति को देखते हुए उन्हें मेदिनीनगर एमएमसीएच में भर्ती करवाया गया। मिली जानकारी के अनुसार गढ़वा जिला अंतर्गत रंका से 40 मजदूर सासाराम के रोहतास स्थित खरहरी गांव में मजदूरी करने के लिए जा रहे थे, इसी बीच छतरपुर थाना अंतर्गत कौवल ओवरब्रिज के पास पिकअप का स्टेयरिंग फेल हो जाने के कारण पिकअप दुर्घटनाग्रस्त हो गया।। जिससे पिकअप में सवार लगभग 30 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।। जिसमें दो युवकों ने अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर आने के कर्म में दम तोड़ दिया। जिसमें गुड्डू राम ग्राम कंचनपुर, पूरण भुइयां सिगसिगा दोनों रंका थाना के रहने वाले हैं। जबकि राजू भुइयां पिता सकलदीप भुइयां ग्राम सीगसिग्गा थाना चीनिया के रहने वाले हैं । घायलों में मनोज भुईयां (उम्र 60), मुनारिक भुईया, कलावती कोरवा,रूबी कुमारी (उम्र 35),रामानुज कोरवा, क्लेश देवी (उम्र35),सुजंति देवी(उम्र 28),हरेंद्र सिंह,विनोद सिंह(उम्र 43), संध्या कुमारी, शिला देवी, राजदेव कुमार, ममता देवी, मालती देवी (उम्र 28), के साथ और भी कई लोग घायल हैं।

पांकी-मेदिनीनगर मुख्य सड़क पर सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

- पोखराहा में तेज रफ्तार ट्रक से टक्कर, हेलमेट फटने से सिर कुचला, मौके पर ही मौत

मेदिनीनगर। पांकी-मेदिनीनगर मुख्य सड़क पर पोखराहा के पास शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक सवार युवक मेदिनीनगर की ओर से आ रहा था, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से उसकी सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दूर तक उसकी आवाज सुनाई दी। हादसे में युवक का हेलमेट फट गया, जिससे सिर बुरी तरह कुचल गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी संतोष गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। समाचार लिखे जाने तक मृत युवक की पहचान नहीं हो पाई थी।

हरिहरगंज में एक करोड़ की अवैध विदेशी शराब बरामद

- नवनिर्मित मकान में छिपाकर रखी गई थी रॉयल ब्लू व रेड लेबल जैसी ब्रांडेड शराब

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। गुप्त सूचना के आधार पर जिला प्रशासन ने 3 जुलाई की शाम हरिहरगंज थाना क्षेत्र के ममरखा गांव में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो पक्के मकानों से करीब एक करोड़ रुपये मूल्य की अवैध विदेशी शराब बरामद की है। यह छापामारी अनुमंडल पदाधिकारी छतरपुर आशीष गंगवार, उत्पाद अधीक्षक संजीत कुमार देव, अंचलाधिकारी मनीष सिन्हा और थाना प्रभारी चंदन कुमार के नेतृत्व में की गई।
कार्रवाई के दौरान देवी स्थान के पास स्थित एक शेडयुक्त मकान से 37.5 लीटर विदेशी शराब जब्त की गई। वहीं, पास के नवनिर्मित मकान से 1335 पेटियों में कुल 11,569.320 लीटर शराब बरामद की गई। बरामद ब्रांडों में इम्पीरियल ब्लू व्हिस्की, रेड लेबल व्हिस्की, न्यू पोर्ट रम, इम्पीरियल ब्लैक व्हिस्की और रॉयल ब्लू व्हिस्की शामिल हैं। शराब प्लास्टिक बोतलों में भरी हुई थी और बोतलों पर लगे लेबल प्रथम दृष्टया नकली प्रतीत हो रहे हैं।
घटनास्थल से मकान मालिक वकील सिंह, पिता सरयु सिंह, निवासी ममरखा, सहित अन्य लोग फरार हो गए। उत्पाद अधिनियम की धारा 47(ए), 52(डी) एवं 55 के तहत मामला दर्ज कर पुलिस अन्य संलिप्त लोगों की पहचान कर कार्रवाई में जुटी है। छापामारी दल में अंचल निरीक्षक संजीव कुमार, उत्पाद निरीक्षक अमित कुमार सिंह तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। प्रशासन ने कहा है कि जिले में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ आगे भी सघन अभियान चलाया जाएगा।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर **72094 53444** पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर **72094 03444** संपर्क करें।

रांची में हुआ राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र का उद्घाटन

एक विजन को हकीकत में बदलने का दिन : अन्नपूर्णा

- यह पूर्वी क्षेत्र में पहला और देश का छठा क्षेत्रीय केंद्र है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने शुक्रवार को रांची में स्मार्ट सिटी के परिसर में मौजूद जेयूपीएमआई भवन में मंत्रालय द्वारा संचालित सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान के नए क्षेत्रीय केंद्र का उद्घाटन किया। यह पूर्वी क्षेत्र में पहला और देश का छठा क्षेत्रीय केंद्र है। उद्घाटन कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री संजय सेठ, राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, विधायक नवीन जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सचिव अनिल मालिक मौजूद थे। वहीं, मंत्री ने भवन में महिलाओं और बच्चों के द्वारा बनाई गई पेंटिंग देख बच्चों का उत्साह बढ़ाया।
मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने अपने संबोधन में कहा कि आज यहां नया क्षेत्रीय केंद्र शुरू कर रहे हैं। यह केवल एक उद्घाटन का अवसर नहीं, बल्कि एक विचार, एक विश्वास और एक विजन को हकीकत में बदलने का दिन है। जब हम एक महिला की सुरक्षा और एक बच्चे की मुस्कान को विश्वास में बदलते हैं, तब हम भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह नया क्षेत्रीय केंद्र भारत के पूर्वी क्षेत्र में क्षमता निर्माण प्रयासों को विकेंद्रीकृत करने और सेवा वितरण में सुधार करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। **शेष पेज 11 पर...**

देश कि बेटियां हर क्षेत्र में सशक्त : संजय सेठ

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने अपने संबोधन में भारत की बेटियों की उपलब्धियों की सराहना की। 'भारत की बेटियां किसी से कम नहीं हैं' कहते हुए उन्होंने आह्वान किया कि बेटियों को समान अवसर देकर देश के विकास में उनका योगदान और सशक्त बनाया जाए।

पूर्व विधायक अंबा के करीबियों के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

- रांची, हजारीबाग और बड़कागांव सहित कई जगहों की तलाशी ली गई

नवीन मेल न्यूज नेटवर्क

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पूर्व विधायक अंबा प्रसाद से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में रांची, हजारीबाग और बड़कागांव में कुल आठ ठिकानों पर छापेमारी की है। रिपोर्ट्स के अनुसार, शुक्रवार की सुबह ईडी की टीम रांची, हजारीबाग और बड़कागांव सहित कई जगहों की तलाशी ली। ईडी की एक टीम रांची के हरमू रोड स्थित किशोरगंज में और दूसरी टीम हजारीबाग के बड़कागांव में छापेमारी की।
जानकारी के अनुसार, यह छापेमारी आरकेटीसी कोल ट्रांसपोर्टिंग मामले को लेकर की गई। ईडी ने पूर्व विधायक अंबा प्रसाद और उनके पिता पूर्व मंत्री योगेंद्र साव से जुड़े मामले को लेकर उनके करीबियों के घर पर छापा मारा है। ईडी की टीम अंबा प्रसाद के निजी सहायक संजीव साव, मनोज दांगी और पंचम कुमार के ठिकानों पर भी छापेमारी की। **शेष पेज 11 पर...**

दबाव बनाने के लिए लगातार ईडी पहुंच रही घर, बैरंग लौट रही वापस : अंबा प्रसाद

रांची। बड़कागांव विधानसभा की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद के घर ईडी की छापेमारी खत्म हो गई है। ईडी को वहां से कुछ भी हासिल नहीं हो पाया है। यह दावा पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने किया है। उन्होंने ईडी की छापेमारी के दौरान 'एक्स'पर एक ट्वीट किया और कहा कि उन्हें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग की एडवाइजरी काउंसिल में वरिष्ठतम नेताओं के साथ जगह मिली है। बिहार इलेक्शन में भी उन्हें बड़ा दायित्व पार्टी ने दिया है। बंगाल में भी उन्होंने कई राजनीतिक कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाई।
शेष पेज 11 पर...

आज / कल

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पुण्यतिथि पर स्वामी विवेकानंद को किया याद, कहा

जन-जन के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद को शत-शत नमन

रांची। राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शुक्रवार को लिखा, जन-जन के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर शत-शत नमन। स्वामी विवेकानंद जी का व्यक्तित्व, आदर्श और विचार हमें सदैव सेवा और समर्पण की राह दिखाते रहेंगे।

प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरु थे स्वामी विवेकानंद

स्वामी विवेकानंद विख्यात और प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरु थे। उनका वास्तिविक नाम नरेंद्र नाथ दत्त था। उनका जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता (तब कलकत्ता) के एक कुलीन बंगाली परिवार में हुआ था। उनके जन्मदिन को भारत में राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका महाप्रयाण 4 जुलाई 1902 को हुआ था। स्वामी विवेकानंद ने अमेरिका स्थित शिकागो में वर्ष 1893 में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व किया था। उनके भाषण का आरम्भ 'मेरे अमेरिकी बहनों एवं भाइयों' के साथ हुआ और उनके इस प्रथम वाक्य ने सबका दिल जीत लिया था। उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी, जो आज भी अपना काम कर रहा है। वे रामकृष्ण परमहंस के सुयोग्य शिष्य थे। वे अपने गुरु रामकृष्ण देव से काफी प्रभावित थे, जिनसे उन्होंने सीखा कि सारे जीवों मे स्वयं परमात्मा का ही अस्तित्व है। स्वामी विवेकानंद ने संयुक्त राज्य अमेरिका, इंग्लैंड और यूरोप में हिंदू दर्शन के सिद्धांतों का प्रसार किया और कई सार्वजनिक और निजी व्याख्यानों का आयोजन किया था।

स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि : बाबूलाल

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और राष्ट्र चेतना को विश्व पटल पर स्थापित करने वाले स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

इंडिया

नशा शराब में होता तो नाचती बोतल

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

शराब सबसे अधिक राजस्व प्राप्त करने का साधन है और इसका कारण है कि इससे दूरियां कम हो जाती हैं ।एक बार साथ में बैठे तो दोस्ती ऐसी प्रगाढ़ होती है कि हम सारी सीमाएं तोड़ देते हैं और जब चंद पैग लगा लिए तो दूसरों के दुःख अपने लगने लगते हैं। इसी प्रकार यदि किसी ने पहली बार दौलत,सत्ता या शक्ति के नशे का स्वाद चखा तो बेकाबू होना सामान्य सी बात है। पर घूम कर बात वहीं आती है क्या नशा शराब में होता है तो बोतल हमारी तरह क्यों नहीं नाचती? किसी भी उचित अनुचित रास्ते से सफल होने की अंधी दौड़ में जाने अनजाने हम सभी शामिल हो रहे हैं या विवश किए जा रहे हैं ।जो अचानक सफलता की सीढ़ियां तेजी से चढ़ा उसके सर पर पद, पैसे या अहंकार का नशा चढ़कर बोलने लगता है । अख़बारों में ऐसे नवधनाढ्य भ्रष्ट लोगों की कहानियां छपती रहती हैं जबकि जो पिछड़ गया या अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा बचाकर नहीं रख पाया वह भी शराब, सिगरेट, तम्बाकू एवं ड्रग्स जैसे जहरीले पदार्थों का सेवन कर नशे का शिकार हो रहा है। आज के समय में आवारा भीख मांगते,फुटपाथ और रेलवे प्लेटफार्म पर रहने वाले बच्चे भी नशे की चपेट में आ चुके हैं।

लोग सोचते हैं कि वो बच्चे कैसे नशा कर सकते है जिनके पास खाने को भी पैसा नहीं होता। परंतु नशा करने के लिए सिर्फ मादक पदार्थो की ही जरुरत नहीं होती, बल्कि व्हाइटनर, नेल पॉलिश, पेट्रोल आदि की गंध, ब्रेड के साथ विक्स और झंडु बाम का सेवन करना, कुछ इस प्रकार के नशे का सेवन किया जाता है, जो बेहद खतरनाक है। सफलता, शक्ति और मादक द्रव्यों के नशे की लत ने इंसान को उस स्तर पर लाकर खड़ा कर दिया है कि अब व्यक्ति उस स्थिति को पाने या मादक पदार्थों के सेवन के लिए किसी भी हद तक जा सकता है, वह नशे के लिए अपराध भी कर सकता है। आधुनिक से लेकर पारंपरिक रूप से नशे के मामले में महिलाएं भी पीछे नहीं है। महिलाओं द्वारा भी मादक पदार्थों का बहुत अधिक मात्रा में सेवन

किया जाता है। व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में तनाव, प्रेम संबंध, दांपत्य जीवन व तलाक आदि कारण, महिलाओं में नशे की बढ़ती लत के लिए जिम्मेदार है ।उच्च वर्ग में यह आनंद प्राप्ति का भी साधन है । आज के आधुनिक युग में ज़रूरी नहीं है कि नशा सिर्फ मादक पदार्थों का सेवन कर ही किया जाए, नशा किसी भी प्रकार का हो सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार हर वह चीज जो आपको जिसकी आपको लत लग जाए, नशे की श्रेणी में ही आता है। ऐसी ही कुछ आदतें हैं जिन्हें छोड़ना बेहद मुश्किल होता है जैसे - मादक पदार्थों के अलावा चाय, काफी, वर्तमान समय के नवीन यंत्र जैसे - वीडियो गेम्स, स्मार्ट फोन, फेसबुक आदि का ज़्यादा उपयोग भी नशे की श्रेणी में आते है। सबसे ज़्यादा नशा युवा पीढ़ी कर रही है। युवा, जिसके हाथ में देश का भविष्य है वही नशे में बर्बाद हो रहा है। युवाओं में नशा करने की वजह उनकी बढ़ती उम्र के शौक होते हैं, कुछ युवा फिल्मों और टीवी जैसे प्रचार माध्यमों में नशे को शानो शौकत के प्रतीक की तरह दिखाने, देखादेखी या परिवार की विपरीत परिस्थितियों के कारण भी नशा करने पर मजबूर हो जाता है, कुछ लोग मानसिक तनाव से भी ग्रसित होकर नशा करते हैं या उनके माता-पिता उन्हें समय नहीं देते। कुछ ऐसे कारणों से भी युवा वर्ग नशे की चपेट में आ जाता है। युवाओं की नई उम्र के जोश में युवा नशे के लिए कुछ भी कर सकता है। वह अपराध करने से भी नही चूकता है। झारखंड में हंडिया और शराब को परंपरा बताने वाले लोग भी हैं जिससे राज्य की बर्बादी हो रही है ।चतरा और खूंटी में माओवाद के नाम पर अफीम की खेती होती है। मादक पदार्थों के सेवन का सबसे बड़ी हानि, स्वास्थ्य की हानि है। इससे आपके शरीर के कई अंगों पर एक साथ विपरीत असर पड़ता है। खास तौर से यह आपके दिमाग को भी अपनी चपेट में ले लेता है। नशा करने वाला व्यक्ति हमेशा चिढ़ा हुआ और मानसिक तनाव से ग्रसित होता है।नशा करने वाला व्यक्ति सदैव अपने ख्यालों में ही रहता है, उसे अपने आस-पास के माहौल से ज्यादा मतलब नहीं होता है। नशा करने वाला व्यक्ति आर्थिक, मानसिक एवं शारीरिक सभी से कमजोर होता है।नशा करने वाला व्यक्ति अपने समाज एवं परिवार से बिलकुल दूर हो जाता है। नशा करने वाला व्यक्ति सबसे ज्यादा दुर्घटनाओं का शिकार होता है। सरकार द्वारा भारत के सभी राज्यों में नशा मुक्ति केन्द्र खुलवा दिए गए हैं, जो नशे से छुटकारा पाने के लिए बहुत उपयोगी हैं। रांची के प्रसिद्ध मानसिक अस्पताल सीआईपी और डॉ डेविस में भी गुटका तक की लत छुड़ाई जाती है । होम्योपैथी का इलाज नशा मुक्ति के लिए अच्छा उपाय है। नशा मुक्ति के लिए किसी काउंसलर की सलाह लेना युवा वर्ग के लिए सही उपाय है। नशा मुक्ति के लिए आयुर्वेद में भी बहुत से उपाय है जो सफल हुए हैं, इन्हें अपनाया जा सकता है। सबसे बड़ी बात यह है कि अपनी इच्छा शक्ति को मज़बूत करना जिसके बिना नशा छोड़ना संभव नहीं।

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री का मेदांता में हुआ सफल ऑपरेशन

रांची। झारखंड के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफिजुल हसन के हार्ट का सफल ऑपरेशन गुरुग्राम के मेदांता द मेडिसिटी अस्पताल में डॉ नरेश त्रेहान की टीम द्वारा किया गया। शाम साढ़े चार बजे ऑपरेशन के बाद उन्हें आईसीयू में रखा गया है। सूत्रों के अनुसार उनकी स्थिति सामान्य है और कुछ दिनों में वे झारखंड लौट कर कामकाज संभाल लेंगे।

सीमाओं के रक्षक को हृदय से अभिनंदन

राष्ट्रीय नवीन मेल

वीणा नंदिनी

देश की सीमाओं के रक्षक, भारत के सच्चे सपूत। जन-जन के रक्षक, मानवता के कर्णधार, आज पूरा देश आपके प्रति हृदय से अभिभूत है। देश की पूरी सैन्य शक्तियों को हृदय से नमन, अभिनंदन, वंदन करती हूं। पुष्पों से सुगंध बिखेरने वाली धरणी को जिसने रक्तरंजित किया, उसके विरुद्ध आपने जो अपनी अदम्य साहस द्वारा आतंकवाद के खिलाफ 'आपरेशन सिंदूर' के माध्यम से कार्यशीलता का परिचय दिया वह अद्भुत और अद्वितीय है। दुनिया वालों ने आंखें खोलकर आपकी शक्ति और शौर्य को देखा। आप सर्वदा भारत माता पर दुष्ट भाव और अनैतिक इरादा रखने वालों का शमन किया है। आपके संकल्प और शक्ति की जितनी सराहना की जाए, वह कम है। आप पर हमें गर्व है, अभिमान है। सदियों तक भारत की जनता आपके कार्य को याद रखेगी। मां भारती के सभी सैन्य पुत्रों को अनंत बधाई एवं अशेष शुभकामनाएं प्रेषित करती हूं। आप सुरक्षित हैं, तो देश सुरक्षित है और देश सुरक्षित है तो जन-जन सुरक्षित है। जय भारत माता। जय हिंद। वंदे मातरम। जय हिंद की सेना।

मुहर्रम की सातवीं को निकला जुलूस, बड़ी संख्या में धर्मावलंबी हुए शामिल

हैदरनगर। मुहर्रम की 7वीं तारीख की रात हैदरनगर में अलम के साथ जुलूस निकला। या हुसैन या हसन या अली के नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा। जुलूस भाई बिगहा पठान टोली इस्लामगंज खरगडा से निकल कर नौवा खानी करते लोग भाई बिगहा स्थित सैयद शाह रामतुल्लाह अलैह की मजार के समीप इकट्ठा हुआ। जुलूस में शामिल लोग अलम के साथ थे। जुलूस में या हसन या हुसैन या अली के नारे लगा रहे थे। बीच बीच में डीजे पर नौहा खानी भी की जा रही थी। जुलूस भाई बिगहा मुख्य पथ पर रुका। लोगों ने परंपरागत लाठी डंडे, तलवार, गड़ासा के करतब का प्रदर्शन किया गया। कुछ लोग बगीचा में से केला काटने की रस्म के बाद वापस अपने अपने गांव लौट गए। जुलूस में सज्जू खान, राजू खान, मो. रशीद, अशरफ हसन, नसीम नजर, डॉ.अमीनुल हक अंसारी, जमील खान, रसीद खान, वहाब खान, राकिब हुसैन, शाहरुख खान, राशिद खान समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल थे।

मुहर्रम को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर एसडीपीओ के नेतृत्व में निकाला गया फ्लैग मार्च

● सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने वाले पर पुलिस की रहेगी पैनी नजरः एसडीओ

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद में शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुहर्रम मनाने को लेकर शुक्रवार को पुलिस प्रशासन एवं सुरक्षा बलों ने फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च हुसैनाबाद थाना परिसर से शुरू होकर मधुशाला रोड, गांधी चौक, पुरानी बाजार, मकबरा रोड, रविदास नगर, लंबी गली, मुख्य बाजार, अंबेडकर चौक, जयप्रकाश चौक होते हुए थाना परिसर में पहुंचकर समाप्त हुआ। फ्लैग मार्च में हुसैनाबाद एसडीओ ओम प्रकाश गुप्ता, हुसैनाबाद एसडीपीओ एस मो. याकूब, कार्यपालक दंडाधिकारी अनंत झा, हुसैनाबाद अंचलाधिकारी पंकज कुमार, बीडीओ सुनील वर्मा,पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी, देवरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार, महिला थाना प्रभारी पार्वती कुमारी, एसआई मुकेश सिंह, वीरेंद्र कुमार मेहता, कमल किशोर पांडेय, मुन्ना यादव, नर्मदेश्वर सिंह, धर्मेंद्र सिंह, सुबोध कुमार समेत अन्य कई पुलिस के जवान शामिल थे। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी ओम प्रकाश गुप्ता ने कहा कि मुहर्रम मौके पर हुड़दंग करने वाले एवम सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने वाले लोगों पर पुलिस की पैनी नजर है। उन्होंने क्षेत्र वासियों से अपील करते हुए कहा कि मुहर्रम में एकता के साथ त्यौहार मनाने से अन्य जगह लोग भी हुसैनाबादवासियों को सराहेंगे। हुसैनाबाद एसडीपीओ एस मो. याकूब ने क्षेत्रवासियों से मोहर्रम पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन को सहयोग करने कि अपील की हैं।

मुहर्रम की सातवीं पर निकला जुलूस, बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग

मोहम्मदगंज। मुहर्रम की 7वीं तारीख पर गुरुवार की रात रामबांध, दुबा, कोसीआरा, सबनवां, बटौआ, करारिया, गोड़ाडीह, कोल्हुआ, सोनबरसा, भजनियां और मोहम्मदगंज में अकीदतमंद मंदों ने अलम के साथ जुलूस निकाला। इस दौरान या हुसैन या हसन या अली के नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान होता रहा। जुलूस में शामिल लोगों ने विभिन्न निर्धारित मार्ग पर भ्रमण करते हुए कर्बला पर पहुंचकर मातमपुर्सी की और मर्सिया पाठ किया। जुलूस जहां-जहां से गुजरा महिलाओं ने भी इसका दीदार किया। इस त्योहार को लेकर चौकी और अखाड़े पर चहल-पहल बढ़ गई है। परंपरागत रूप में लाठी-डंडे और तलवार-गड़ासा के करतब का प्रदर्शन किया गया। इस बीच कुछ लोगों ने बगीचा से केला काटने की रस्म अदायगी भी की। मौके पर शांति और सौहार्द को कायम रखने के लिए पुलिस बल की गश्ती शुरू हो गई है।

कार्यपालक पदाधिकारी ने शहर में जल जमाव और सफाई का लिया जायजा, दिए कई निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी तर्निश कुमार हंस ने शुक्रवार को नगर पंचायत क्षेत्र के कई वार्ड का भ्रमण कर जल जमाव व सफाई कार्य का जायजा लिया। इस दौरान नगर प्रशासक के साथ नगर प्रबंधक, कनीय अभियंता एवं सुपरवाइजर की संयुक्त टीम ने शहर के मुख्य बाजार,बक्शी हाई स्कूल व बालिका उच्च विद्यालय के समीप जल निकासी को लेकर स्थिति का जायजा लेकर त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया। इस संबध में कार्यपालक पदाधिकारी हंस ने बताया कि शहर को जल जमाव से निजात दिलाना नगर पंचायत की प्राथमिकता है। जल जमाव की समस्या से निजात दिलाने के लिए सुपरवाइजर और कनीय अभियंता को समस्याओं को दूर करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए है। साथ ही उन्होंने नगरवासियों और व्यवसायियों से अपील की है की प्लास्टिक, थमाकोल, सामान के पैकेट इत्यादि को नाले में ना डालें,। जिसके कारण नाला जाम की समस्या हो जाती है और गंदगी भी फैलती है।उन्होंने शहर वासियों से घर का कूड़ा व दुकानों की गंदगी सफाई वाहन में डालने का आग्रह किया है।जिससे सफाई कर्मियों को सफाई करने में आसानी हो। उन्होंने कहा कि शहर को साफ व स्वच्छ और सुंदर बनाने में आमलोगों से सहयोग अपेक्षित है।

लगातार बारिश से धान के बिचड़े को पहुंच रही भारी क्षति

मोहम्मदगंज। लगातार बारिश से बीडों में जलजमाव के कारण अंकुरित बीज के गल जाने से बड़े पैमाने पर बिचड़े की क्षति हो रही है। ऐसे में अतिवृष्टि के रूप में प्राकृतिक आपदा से किसानों को भारी नुकसान पहुंच रहा है। बताया जाता है कि ससमय बारिश से धान के बेहतर उत्पादन की उम्मीद में सिंचाई के वैकल्पिक साधन के अलावा अन्य सामान्य किसानों ने भी बिचड़ा डालने में पूंजीनिवेश किया था। उन्हें उम्मीद थी कि बिचड़ा तैयार होने के बाद धनरोपनी भी उत्साह से कर लेंगे। लेकिन अतिवृष्टि के कारण तैयार होने से पहले ही बिचड़ों के गल जाने से किसान हताश हो गए हैं। वैसे, इसके बावजूद कुछ किसान दोबारा से बिचड़ा डालने की कोशिश में लगे हैं। लेकिन उन्हें खुले बाजार में धान के बीज उपलब्ध नहीं हो रहा है। हालांकि उन्हें इस बात की भी चिंता सताने लगी है कि दोबारा बिचड़ा तैयार होते-होते बारिश का पानी मिलना बंद हो गया, तो, धनरोपनी नहीं हो पाने की स्थिति में उन्हें भारी नुकसान पहुंच सकता है। इस प्रकार मौसम के बेरूखी को देखते हुए किसान असमंजस में हैं।

हैदरनगर मध्य विद्यालय में 50 बच्चों के बीच 5 शिक्षक

▶ विद्यालय में वाहन से बच्चों से ही उतरवाया जाता है जलावन की लकड़ी

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। प्रखंड मुख्यालय हैदरनगर स्थित सबसे पुराना राजकीय मध्य विद्यालय के विद्यार्थियों से ही गाड़ी से जलावन की लकड़ी उतरवाने और उसे कमरे तक रखवाने का काम किया जाता है। 21वीं सदी के बदलते परिदृश्य में भी इस विद्यालय में मध्याह्न भोजन बनाने के लिए जलावन में सुखी लकड़ी का ही उपयोग किया जाता है। यह इकलौता विद्यालय है जहां आज भी लकड़ी पर ही मध्याह्न भोजन बनाया जाता है। शिक्षकों के अनुसार एलपीजी सिलेंडर के चोरी हो जाने की वजह से गत एक साल से सुखी लकड़ी से ही मध्यहान भोजन बनता है। सबसे मजेदार बात तो यह है कि इस विद्यालय में प्रधानाध्यापक समेत पांच शिक्षक पदस्थापित हैं। जबकि सिर्फ 50 बच्चे ही नामांकित हैं। स्कूल आने वाले बच्चों की संख्या 20 से भी कम हो जाती है। विद्यालय में शिक्षकों ने पठन-पाठन कार्य छोड़ बारी -बारी से घर आराम फरमाने की लत लगा रखी है। जबकि महज एक किलोमीटर दूर ही प्रखंड संसाधन केंद्र भी है। जिसमे बीईईओ और बीपीओ बैठते हैं। विद्यालय की अराजक स्थिति से स्पष्ट होता है कि शिक्षा विभाग के अधिकारी के साथ शिक्षकों की मिलीभगत है। किसी विद्यालय में बच्चों के अनुपात में शिक्षक नहीं है। जबकि इस विद्यालय में शिक्षकों के अनुपात में विद्यार्थी नहीं है। इस संबंध में विद्यालय के प्रधानाध्यापक जयप्रकाश प्रसाद से संपर्क करने का प्रयास किए जाने पर जवाब नहीं मिल सका है।

गरीब व जरूरतमंदों को नहीं मिल रहा अबुआ आवास योजना का लाभ

नवीन मेल संवाददाता

नावाबाजार(पलामू)। झारखंड में अबुआ राज की परिकल्पना को साकार करने को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा धरातल पर अबुआ आवास योजना की शुरूआत की गई है। अबुआ आवास योजना के तहत गरीब और जरूरतमंद परिवारों को तीन कमरों का घर उपलब्ध कराया जा रहा है। लेकिन पंचायत के जिम्मेवार लोगों की निष्क्रियता के कारण गरीब और जरूरतमंद परिवार योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। नावाबाजार प्रखंड का पंचायत जहां जिम्मेवार लोगों की मिलीभगत से सुविधा संपन्न लोगों को प्रधानमंत्री और अबुआ आवास योजना का लाभ दिया गया। वहीं जरुरतमंद सरकार की अतिमहत्वाकांक्षी योजना अबुआ आवास के लिए इंतजार करते रह गए। पंचायत के जिम्मेवार लोगों के द्वारा ग्रामसभा के माध्यम तैयार सूची को प्रखंड भेजा गया है।

रामवन भुईयां कों नहीं मिला अवासा का लाभ

कंडा पंचायत के कंडा गांव निवासी रामवन भुईयां का खपरैल और जर्जर एक कमरे का मिट्टी का घर है। परिवार के सदस्यों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। रामवन भुइयां के द्वारा अबुआ आवास योजना को ले आवेदन किया गया था। फिर भी सूची में नाम शामिल नहीं किया गया। प्रखंड कार्यालय के द्वारा पंचायत को ग्राम सभा कर जरूरतमंदों की सूची की मांग की गई थी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

अवासा के लिए भटक रहेरामवन भुइयां

प्रखंड में रामवन भुइयां अकेला व्यक्ति नहीं ऐसे कई नाम हैं जो आवास के लिए भटक रहे। प्रखंड के सभी पंचायत क्षेत्र के गांवों में ऐसे कई नाम सुनने और देखने को मिलेंगे। जिन्हें आवास से वंचित किया गया है। नावाबाजार प्रखंड के बसना, राजहरा , तुकबेरा, कंडा, सोहदागखुर्द, कुंभी कला आदि पंचायतों में गरीब व जरूरतमंदों को अबुआ आवास का लाभ जरुरतमंदो को नहीं मिल रहा है।

शांतिपूर्ण व आपसी सौहार्दपूर्ण ढंग से निकलेगा मुहर्रम का जुलूस, तैयारियां शुरू

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। शहर के खलीफा मोहल्ला स्थित जनाब फैज कादरी के आवास पर मुहर्रम को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 7 जुलाई को मोहर्रम के अवसर पर निकलने वाले ताजिया जुलूस की तैयारियों और व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक में सर्वसम्मति से तय हुआ कि मुहर्रम का जुलूस खलीफा मोहल्ला से प्रारंभ होकर गांधी चौक तक जाएगा, जहां पर पारंपरिक शौर्य प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें तलवारबाजी, गड़ासा, भाला आदि युद्ध कलाओं का प्रदर्शन शामिल रहेगा, जो मोहर्रम की परंपराओं का हिस्सा है। गांधी चौक से जुलूस आगे बढ़ते हुए इमामबाड़ा की ओर प्रस्थान करेगी, उसके बाद कर्बला की ओर जाएगी, जहां जुलूस का शांतिपूर्वक समापन किया जाएगा। बैठक में मुहर्रम कमेटी के सभी प्रमुख पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे। जिसमें सदर मोहम्मद फैज कादरी, नाइब सदर साबिर अली,सेक्रेटरी अशफाक मंसूरी,नाइब सेक्रेटरी मोहम्मद दानिश इदरीसी,खजांची अकील अहमद,नाइब खजांची सलाम खलीफा, फहीम मंसूरी, अलीमुद्दीन मंसूरी, मुबारक खलीफा, साहिल आलम, अमीन खान, आजम खान, समीम मास्टर, सुहैल आलम, डोमन, तौहीद खान, बाबर खान, अलीशर आलम, मंजूर आलम समेत कमेटी सदस्य भी उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने आपसी तालमेल और समन्वय के साथ मोहर्रम के आयोजन को शांति, सौहार्द और अनुशासन के साथ संपन्न कराने का संकल्प लिया। कमेटी के सदस्यों ने स्थानीय प्रशासन से भी अनुरोध किया कि जुलूस के दिन यातायात नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई एवं बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो। नाइब सेक्रेटरी मोहम्मद दानिश इदरीसी ने कहा कि हमारी पूरी कमेटी इस बात के लिए संकल्पित है कि मुहर्रम का आयोजन पूरी तरह शांतिपूर्ण, अनुशासित और परंपरागत तरीके से किया जाएगा। सभी समुदायों से सौहार्दपूर्ण सहयोग की अपेक्षा है। हुसैनाबाद में मोहर्रम हर वर्ष आपसी भाईचारे और पारंपरिक आस्था के साथ मनाया जाता है। इस बार भी सभी की निगाहें इस पावन अवसर पर हैं, जहां धार्मिक परंपराएं और सामाजिक एकता एक साथ देखने को मिलेगी।

पदारथडीह-राजनडीह के बीच रेल पुल के नीचे से आरसीसी पथ निर्माण की मांग

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। थर्ड लाइन विस्तारीकरण के बाद से स्थानीय स्टेशन के पूर्वी दिशा में बसे कई गांवों के लोगों के पैदल अथवा वाहन से सुरक्षित आवागमन का वैकल्पिक मार्ग काशीसोत पुल ही बन गया है। लेकिन बरसात में आवागमन सुगम नहीं रह गया है। अधिक बारिश में बाढ और बाद में कीचड़ के कारण आवागमन मुश्किल भरा बन जाता है। ऐसी हालत में कादलकुर्मी-दंगवार वाया जपला मुख्य पथ से पूर्बी दिशा के गांवों तक निर्बाध रूप से आवागमन के लिए ग्रामीणों ने पदारथडीह-राजनडीह के बीच काशीसोत नदी पुल के नीचे से आरसीसी सड़क निर्माण कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि पदारथडीह-राजनडीह के पास ही पूर्वी दिशा के गांवों और जंगलों-पहाड़ों की ओर प्रारंभिक काल से ही आवागमन किया जाता रहा है। खेती-बाड़ी और मवेशियों की चराई के लिए आवाजाही की जाती है। इसके बावजूद अंडरपास ब्रिज की मांग को अनसुनी कर दिए जाने से रेल लाइन आर-पार करने को लेकर जोखिम उठानी पड़ती है। ऐसे में रेल पुल सहित पदारथडीह-राजनडीह के बीच आरसीसी पथ निर्माण से समस्या का समाधान हो जाएगा। इससे मोहम्मदगंज-महुडंड प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क से जुड़े गांवों में वाहनों भी से आवागमन भी सुगम बन जाएगा। जिसके निर्माण की आधारशिला सांसद विष्णुदयाल राम ने रखी थी।

न्यूज | बॉक्स

पलामू में चतुर्थवर्गीय कर्मचारी बहाली को लेकर उमड़ी भीड़

हुसैनाबाद। पलामू जिला स्थापना द्वारा निकाला गया चतुर्थवर्गीय कर्मचारी बहाली को लेकर अंतिम समय में शुक्रवार को बेरोजगारों की काफी भीड़ देखने को मिला। नियोजनालय में नाम अंकित कराने और भारतीय पोस्टल ऑडर, डाक टिकट, ड्रॉफ आदि बनाने को लेकर हर जगहों पर भारी भीड़ देखा गया। बीच मे झारखंड के वित्तमंत्री और मुख्यमंत्री की मौखिक ब्यान के बाद भी बहाली परिक्रिया जारी रहने के कारण अंतिम समय तक लोग असमंजस में थे। जैसे ही खबर सुर्खियों में आई कि फार्म भरा जा रहा हैं। वैसे ही सभी कैफे सेंटर,सभी बैंक,पोस्ट ऑफिस में भारी संख्या लोग पंहुचे। इधर कई डाक घरों में भारतीय पोस्टल ऑडर और टिकट खत्म हो गए थे। जिसके कारण लोग भटक रहे थे, जैसे ही डाक टिकट और पोस्टल ऑडर पोस्ट ऑफिस में आया। वैसे ही भीड़ काफी बढ़ गयी। जपला मुख्य डाक घर में काफी भीड़ देखने को मिला। हलांकि जपला डाककर्मियों ने सभी अभ्यर्थियों को समझा बुझाकर बारी-बारी से सभी के कार्यों का निष्पादन किया। इस दौरान अन्य कार्यों से आये ग्राहकों को थोड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ा। हलांकि जिला स्थापना समिति के ऑफिस होम साइड पर अंतिम तिथि 5 जुलाई से बढ़ाकर 8 जुलाई कर दिया गया।

प्रशासन ने मुहर्रम को लेकर शहर में फ्लैग मार्च

हरिहरगंज(पलामू)। मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण आयोजन को लेकर शुक्रवार को स्थानीय थाना में अंतर्राज्यीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता प्रशिक्षु आइएएस सह छतरपुर एसडीओ आशीष गंगवार ने की। इसमें छतरपुर एसडीपीओ अवध यादव, औरंगाबाद एसडीपीओ संजय पांडेय, हरिहरगंज बीडीओ पारितोष प्रियदर्शी, सीओ मनीष सिन्हा, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंदन कुमार, पिपरा थाना पुलिस और बिहार के अंबा थानाध्यक्ष राहुल राज, कुटुंबा थानाध्यक्ष अक्षयवर सिंह सहित कई पुलिस पदाधिकारीगण, जुलूस लाइसेंसधारी और स्थानीय प्रबुद्धजन शामिल हुए। बैठक में मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु विधि-व्यवस्था, जुलूस मार्ग, समयबद्धता, ध्वनि सीमा, ट्रैफिक व्यवस्था और अन्य आवश्यक तैयारियों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। सभी संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर कार्य करने और किसी भी स्थिति में त्वरित कार्रवाई हेतु सतर्क रहने के निर्देश दिया गया। बैठक के उपरांत सामूहिक रूप से आम जनता में सुरक्षा की भावना उत्पन्न करने और मुहर्रम पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विश्वास बहाल करने के उद्देश्य से शहर में फ्लैग मार्च किया गया। इस दौरान पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने थाना से मेन रोड, अररूआ खुर्द, महाराजगंज,बंजारी, आरसी लाल चौक आदि स्थानों का भ्रमण कर शांति और सद्भाव के साथ मुहर्रम पर्व मनाने की अपील की।

नहर में पानी नहीं, किसान चिंतित

मोहम्मदगंज। स्थानीय भीमबराज से मुख्य नहर में दोबारा पानी नहीं छोड़े जाने में विलंब पर किसानों ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि 26 जून को 271 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। इसे देखते हुए बिचड़ा डालने के काम में तेजी आ गई थी। लकिन उसी की रात से जलप्रवाह को बंद कर दिया गया है। इससे धान उत्पादन को लेकर अनिश्चितता कायम हो गई है। जबकि उपरी जल ग्रहण क्षेत्र में लगातार बारिश से नदी में पर्याप्त जल प्रवाह हो रही है। लोगों की मानें, तो इस साल जून के मध्य में ही काफी अर्से के बाद रिकॉर्ड तोड़ बारिश से कोयल नदी की जलप्रवाह 2.5 लाख क्यूसेक तक दर्ज की गयी था। इस वजह से पहले ही दिन भीमबराज के 40 में 38 गेट तक खोलने पड़े थे। अभी भी भीमबराज में मुख्य नहर को पानी छोड़े जाने के लिए पर्याप्त जल भंडारण उपलब्ध है। शुक्रवार को इससे अतिरिक्त 64.5 हजार क्यूसेक जल नदी में प्रवाहित किया जा रहा था। बताया जाता है कि पानी छोड़ने के 25 जून के तय शेड्यूल के बावजूद 26 जून को पानी छोड़ा गया। लेकिन देर रात उसे बंद कर दिया गया था। पहले 1 जुलाई को पानी छोड़े जाने को लेकर आशंका जताई गई थी। लकिन यह भी संभव नहीं हुआ था। 3 जुलाई को इसे लेकर बैठक में निर्णय लिए जाने की बात कही गई थी। अब 5 जुलाई की शाम तक इसकी संभावना व्यक्त की गई है।

रांची-बनारस एक्सप्रेस में बढाई गयी कोचों की संख्या

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। 18639/40 रांची-आरा-रांची एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त शयनयान श्रेणी कोच को स्थायी रूप से जोड़ा गया है। यह परिवर्तन रांची से 3 और आरा से 4 जुलाई से प्रभावी हो गया है। इस बदलाव के पश्चात ट्रेन में अब कुल 15 एलएचबी कोच हो गए हैं। जिनमें 6 शयनयान कोच सम्मिलित हैं। साथ ही, पूर्व में स्वीकृत एक अतिरिक्त वातानुकूलित कोच का अस्थायी प्रावधान भी 24 को रांची एवं 25 जुलाई आरा से यथावत जारी रहेगा। जिससे कुल 16 एलएचबी कोचों के साथ यह ट्रेन चलाई जाएगी। इसके अलावा 18611/12 रांची-बनारस-रांची एक्सप्रेस में भी कोचों की स्थायी संख्या में वृद्धि की गई है। अब यह ट्रेन 6 की बजाय 7 शयनयान कोचों के साथ चलाई जाएगी। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव लागू हो गई है। इस परिवर्तन के उपरांत ट्रेन में कुल 14 कोच हो गए हैं। जिसमें 1 तृतीय वातानुकूलित, 7 शयनयान तथा 6 साधारण श्रेणी के कोच सम्मिलित किया गया है।

परेशानी लोगों को आवाज कोई सुनने वाला भी नहीं हैदरनगर शहर के किस गली में जायेंगे- कीचड़ से बच नहीं पायेंगे

हर रोज उठ रही है नाली-गली सफाई की आवाज

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। लाखों की आबादी में समेटे हैदरनगर शहर के किसी भी गली मुहल्लों में पैदल भी नहीं चल सकते। चले भी जायेंगे तो कीचड़ और गंदगी से बच नहीं पायेंगे। इस शहर के विभिन्न गली मुहल्लों में बसने वाले लोगों की आवाज हर रोज नाली और गली की सफाई के आवाज तो उठ रही है, पर इनकी आवाज सुनेगा कौन, यह जटिल सवाल बनकर रह गया है। हैदरनगर प्रखंड मुख्यालय सह मुख्य बाजार के ही टोलागंज पर जाने वाली पहुंच पथ की भी स्थिति नारकीय बनी है। इस मुहल्ले में दोनों समुदाय के पिछड़ा वर्ग के 50 से अधिक घरों के लोग बस्ते हैं। जिन्हें आज तक स्वच्छ पथ, नाली, गली भी नहीं मिल सका है। उधर पोखरा पर से देवी धाम रोड में कई लोग नाली के ऊपर ही निजी भवन निर्माण कराया है। जिससे जल निकासी अवरुद्ध होने से सड़कों पर गंदा पानी जमा हो जा रहा है। प्रतिदिन लगातार उभरती इन समस्याओं के सामने विकास के सारे बड़े दावे खोखले साबित हो रहे है। हैदरनगर पूर्वी पंचायत क्षेत्र में आने वाला शहर का शुक्र बाजार का मुहल्ला में राम जानकी मंदिर तक श्रद्धालुओं का पहुंचना दुर्लभ हो गया है। देखा जाए तो पीसीसी और पर ही घास की भरमार हो गई है। इस शहर के सौंदर्यीकरण कराने की घोषणा दिवास्वप्न हो गई है। प्रतिनिधियों की निष्क्रियता से आम लोगों को समस्या से जूझना पड़ रहा है।

सरईडीह रोड पर चलना हुआ मुश्किल

नौडीहा। नौडीहा प्रखंड के सरईडीह रोड पर बरसात के दिनों में पैदल चलना मुश्किल हो गया है बताया जाता है कि नदिया प्रखंड का अति उग्रवाद प्रभावती इलाका पिछड़ा इलाका शिरडी से लेकर डागरा जो बिहार के सीमावर्ती क्षेत्र तक यह सड़क बनी ही नहीं है। बताया जाता है कि इस सड़क पर हर दिन छोटी-बड़ी वाहनों का छतरपुर से लेकर डागला तक प्रतिदिन सवारी लेकर चलते हैं लेकिन सड़क की स्थिति इतनी खराब हो गई है जहां कभी भी दुर्घटना हो सकती है। बताया जाता है कि प्रधानमंत्री सम्मान योजना के तहत 2005 में किया गया था। उसके बाद ना तो आज तक मरम्मती हुई और ना ही कार्य को पूर्ण किया गया।

कोल्हुआ में 49 स्कूली बच्चों की स्वास्थ्य जांच

मोहम्मदगंज। एनिमिया मुक्त भारत सप्ताह के तहत शुक्रवार को कोल्हुआ में 49 छात्र-छात्राओं की स्वास्थ्य जांच की गई। इसमें हेमोग्लोबिन की जांच कर एनिमिया की रिपोर्ट तैयार की गई। स्वास्थ्य जांच टीम में सहिया उर्मिला देवी, एएनएम रेणु कुमारी और सीएचओ शिल्पा मौर्या शामिल थीं। स्वास्थ्य जांच के साथ बच्चों को शारिरिक विकास के लिए सभी को पौष्टिक आहार ग्रहण करने की सलाह दी गई।

टीबी उन्मूलन को लेकर जिला प्रशासन गंभीर, उपायुक्त ने दिए माइक्रोप्लान तैयार करने के निर्देश

निश्चय मित्रों की संख्या बढ़ाने व सीएसआर भागीदारी पर जोर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में प्रशासन ने कमर कस ली है। शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें टीबी उन्मूलन अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने पर गहन चर्चा की गई।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिला यक्ष्मा पदाधिकारी से अब तक की प्रगति, जांच एवं उपचार की स्थिति, नाट टेस्ट की उपलब्धता, जनभागीदारी और निश्चय मित्र योजना जैसी पहलों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक प्रखंड में माइक्रोप्लान तैयार कर कार्यक्रम को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाया जाए।

बैठक में मौजूद प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि जिले के सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि, उद्यमी, समाजसेवी एवं अन्य प्रतिष्ठित लोगों से संपर्क स्थापित कर उन्हें "निश्चय मित्र" के रूप में जोड़ा जाए ताकि वे टीबी मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषणयुक्त फूड बास्केट उपलब्ध करा सकें।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि केवल सरकारी प्रयासों से टीबी उन्मूलन का लक्ष्य पूरा नहीं हो सकता, इसके लिए सामाजिक भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने सीएसआर मद से भी फूड बास्केट की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए और कहा कि जिला के सभी प्रखंड, अंचल और विभागीय कार्यालय प्रमुखों को पत्र भेजकर उनसे मरीजों के पोषण में सहयोग की अपील की जाएगी।

इस दौरान सिविल सर्जन, जिला शिक्षा पदाधिकारी, सहायक समाहर्ता, सभी प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी बैठक में मौजूद रहे। कार्यक्रम में टीबी उन्मूलन के तकनीकी और सामाजिक पहलुओं पर भी चर्चा हुई, ताकि एक समन्वित रणनीति के जरिए जिले को टीबी मुक्त बनाया जा सके।

वन है तो जीवन और अमन है : अविनाश देव

- **पलामू में 76वां वन महोत्सव, कचरवा डैम परिसर में हुआ पौधरोपण रोपण**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। वन महोत्सव सप्ताह के अवसर पर बुधवार को पलामू वन प्रमंडल द्वारा 76वाँ वन महोत्सव स्थानीय कचरवा डैम क्षेत्र में मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि पलामू सांसद बी. डी. राम, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी सदर एवं छतरपुर वन प्रमंडल पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। इस मौके पर वृक्षारोपण भी किया गया।

वन महोत्सव में नगर निगम की टीम को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया, क्योंकि वे स्वच्छता अभियान के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। कार्यक्रम में मेरे संत मरियम विद्यालय की छात्राओं ने वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर विषयों पर प्रभावशाली वक्तव्य प्रस्तुत किया और पौधरोपण में भाग लिया।

इस अवसर पर अल्प संबोधन में अविनाश देव ने कहा कि वन है तभी जीवन है, वन है तो अमन है। विकास और अत्याधुनिक जीवनशैली के नाम पर हम प्रकृति से लगातार दूर होते जा रहे हैं, जिससे मानव जीवन नरकीय होता जा रहा है। धरती पर मानो युद्ध की स्थिति है। आने वाली नस्लों और पृथ्वी के अस्तित्व की रक्षा के लिए हर व्यक्ति को कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। तभी अमन के साथ जीवन संभव है।

कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन की गंभीरता और वनों की अनिवार्यता के प्रति जागरूक करना था।

छः मुहान पर वाहन चेकिंग अभियान, 9 दोपहिया वाहन जब्त

- **चालान फाइन के रूप में वसूले गए 14,300 रुपये**

मेदिनीनगर। छः मुहान चौक पर परिवहन विभाग और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान कई दोपहिया वाहन चालकों को बिना हेलमेट और बिना लाइसेंस के वाहन चलाते हुए पकड़ा गया।

कार्रवाई के क्रम में 09 दोपहिया वाहनों को जब्त कर शहर थाना परिसर में सुरक्षा की दृष्टि से रखा गया है। इन वाहनों को चालान और फाइन की प्रक्रिया के लिए जिला परिवहन कार्यालय, पलामू को भेजा गया।

03 जुलाई 2025 को जिला परिवहन कार्यालय, पलामू से प्राप्त जानकारी के अनुसार जब्त 09 दोपहिया वाहनों पर कुल 13,150 तथा 01 ई-रिक्शा (टेम्पो सवारी गाड़ी) पर 1,150 का चालान फाइन निर्धारित किया गया है। कुल मिलाकर 14,300 की चालान राशि निर्धारित की गई है।

प्रशासन द्वारा वाहन चालकों से ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की गई है, ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

प्रशिक्षण में एसएमसी की संरचना, दायित्व व शिक्षा नीति पर हो रहे सत्र

विद्यालय प्रबंधन को सशक्त बनाने के लिए प्रशिक्षकों को दी जा रही विशेष ट्रेनिंग

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड शिक्षा परियोजना, पलामू के तत्वावधान में गुरुवार को सीएम उत्कृष्ट राजकीय +2 उच्च विद्यालय (जिला स्कूल), मेदिनीनगर के प्रशाल में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के जिला प्रशिक्षकों का दो दिवसीय गैर-आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन डायट प्राचार्या अमृता सिंह, एडीपीओ अंबुजा पांडेय, एपीओ क्रांति कुमार चांद, हरिहरगंज बीईईओ राकेश कुमार एवं विश्रामपुर बीईईओ महेंद्र प्रजापति ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम का संचालन रजवाडीह मध्य विद्यालय के शिक्षक परशुराम तिवारी ने किया। प्रशिक्षण सत्रों का संचालन पंडवा के बीआरपी ओमप्रकाश सिंह, लेस्लीगंज के रणबहादुर सिंह, विनोद राम एवं हुसैनाबाद के विनय सिंह द्वारा किया जा रहा है। इन प्रशिक्षकों द्वारा सीआरपी, बीआरपी, बीपीएम एवं बीपीओ को एसएमसी विषयक विस्तृत प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इस अवसर पर डायट प्राचार्या अमृता सिंह ने प्रशिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों को यह समझाना जरूरी है कि बच्चों की शिक्षा ही उनके भविष्य को उज्ज्वल बना सकती है। उन्होंने एसएमसी के कार्यों में सक्रियता और अपनत्व को आवश्यक बताया और बेहतर कार्य कर रही एसएमसी समितियों की सराहना की।

एडीपीओ अंबुजा पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि एसएमसी सदस्यों में प्रशिक्षण के माध्यम से जागरूकता लाना अपेक्षाकृत सरल है, यदि हम आपसी सहयोग और समन्वय की भावना से कार्य करें। उन्होंने एक गतिविधि के माध्यम से यह समझाया कि कैसे सदस्यों में विद्यालय के प्रति स्वामित्व का भाव विकसित किया जा सकता है।

प्रशिक्षण में "विद्यालय प्रबंधन समिति की संरचना", "सदस्यों के अधिकार एवं दायित्व", "मेरा विद्यालय मेरा अभिमान", "शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009", और "राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020" जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गतिविधि आधारित सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम को सफल बनाने में राजीव चौबे, अंकेश पाठक (पिरामल फाउंडेशन), विकास कुमार दूबे, आमोद सिन्हा, वीरेंद्र तिवारी, रामसरेख पांडेय, मुकेश सिन्हा, जावेद अख्तर और विजय शुक्ला की सक्रिय भूमिका रही।

मोहर्रम के सातवीं का गोल में भारी संख्या में शामिल हुए लोग

- **अस्त्र कलाओं का हुआ भव्य प्रदर्शन**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मोहर्रम के दस दिवसीय पर्व के अंतर्गत गुरुवार की रात मेदिनीनगर शहर के विभिन्न हिस्सों से सातवीं मोहर्रम का पारंपरिक गोल (जुलूस) निकाला गया। जुलूस का समापन शुक्रवार को सुबह 11 बजे हुआ। इस धार्मिक आयोजन में हजारों लोगों ने शिरकत की और पारंपरिक अस्त्र कलाओं का शानदार प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। इसके पूर्व मुस्लिम समुदाय के लोगों ने गुरूवार को पहाड़ी मोहल्ला और पुलिस लाइन कर्बला में चादरपोशी और फातेहा करने के बाद अपने चौक पर निशान स्थापित किया। जुलूस का नेतृत्व मुहर्रम इंतजामिया कमेटी जेनरल के सदर महताब आलम उर्फ पिंटू कर रहे थे। जुलूस निर्धारित मार्ग शाह मुहल्ला, कन्नी राम चौक, सत्तार सेठ चौक, विष्णु मंदिर रोड, चावल पट्टी, घड़ा पट्टी, जैन मंदिर रोड, पंच मुहान चौक होते हुए थाना परिसर पहुंचा, जहां खेल के प्रदर्शन के बाद जुलूस लाल कोठा, गीता भवन, शहीद भगत सिंह चौक, सत्तार सेठ चौक, कन्नी राम चौक होते हुए वापस लौटा। जुलूस में कुंड मुहल्ला, झोपड़पट्टी, राहत नगर, हुसैन नगर, पहाड़ी, मुस्लिम नगर, शाह मोहल्ला, कसाव मोहल्ला, धोबी मोहल्ला, शास्त्री नगर के लोग निशान और बाजे-गाजे के साथ शामिल थे। जुलूस के मार्ग में विभिन्न स्थानों पर लाठी, गदक्का और तलवारबाजी जैसी पारंपरिक अस्त्र कलाओं का बेहतरीन प्रदर्शन किया गया। पारंगत कलाकारों ने अपनी कला से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नातख्वानों की टोलियों द्वारा पढ़े जा रहे मर्सिए माहौल को और भावुक बना रहे थे। शहर थाना प्रभारी के द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शर्बत,चना और गुड का व्यवस्था किया गया था। इंतजामिया के जनरल महताब आलम और उनकी पूरी टीम ने शहर थाना प्रभारी और यातायात प्रभारी समाल अहमद एव उनकी सभी जवानों को पगड़ी से सम्मनित किया गया। पलामू सदर मुस्तफा कमाल, पूर्व जनरल जीशान खान,इसराइल आजाद उर्फ मिंटू,नयाज अहमद, मासूम अंसारी, शाहबाज आलम, बंटी राइन,जाफर महबूब, वारिस आलम, समेत हजारों लोग मौजूद थे।

एमएमसीएच में बिजली गुल, मोबाइल टॉर्च की रोशनी में हुआ घायलों का इलाज

- **तकनीशियन मोबाइल में व्यस्त, सोलर कनेक्शन भी नहीं किया सक्रिय**

नवीन मेल संवाददाता

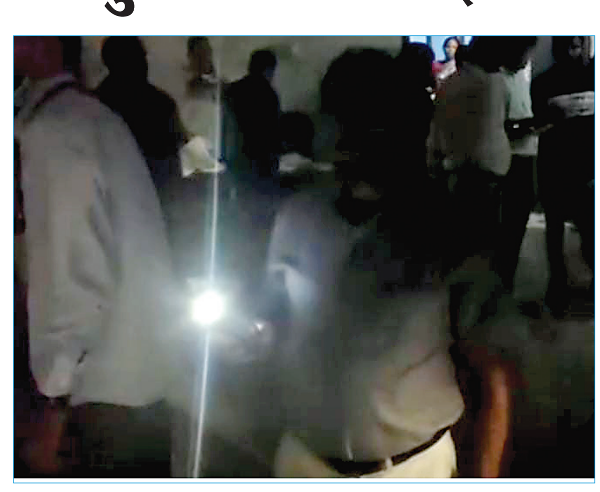

मेदिनीनगर। शुक्रवार को मेदिनीनगर स्थित एमएमसीएच (मेडिकल कॉलेज अस्पताल) में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब करीब 42 घायल मरीजों को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया और उसी दौरान अस्पताल की बिजली गुल हो गई। करीब 35 मिनट तक चिकित्सकों ने मोबाइल और टॉर्च की रोशनी में घायलों का इलाज किया। बताया गया कि छतरपुर नेशनल हाईवे पर एक पिकअप वाहन पलट जाने से बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए थे, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छतरपुर से एमएमसीएच रेफर किया गया था। लेकिन जब घायल एमएमसीएच पहुंचे, तो वहां बिजली आपूर्ति ठप थी। इस आपात स्थिति में चिकित्सकों ने घायलों को मोबाइल टॉर्च की रोशनी में मलहम-पट्टी और टांका लगाया। इस दौरान अस्पताल का तकनीशियन बिजली समस्या की अनदेखी करता रहा और मोबाइल फोन में व्यस्त रहा। उसने वैकल्पिक सोलर सिस्टम को भी सक्रिय नहीं किया, जिससे हालात और भी चुनौतीपूर्ण हो गए। सूत्रों के अनुसार, समय पर बिजली व्यवस्था बहाल न होना अस्पताल प्रशासन और तकनीकी कर्मियों की गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। इसके बावजूद चिकित्सकों ने स्थिति को संभालते हुए मरीजों का इलाज पूरी तत्परता से किया।

न्यूज बॉक्स

मारवाड़ी हिंदी पुस्तकालय का प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को दिया आमंत्रण

मेदिनीनगर। मारवाड़ी सार्वजनिक हिंदी पुस्तकालय के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को उपायुक्त पलामू से मुलाकात कर उन्हें पुस्तकालय आने का आमंत्रण दिया। उपायुक्त ने शीघ्र ही पुस्तकालय आने का आश्वासन दिया। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को उस समय की एक स्मृति-चित्र भेंट की, जब वह नगर आयुक्त के पद पर कार्यरत थीं और गांधी जयंती के अवसर पर पुस्तकालय भ्रमण पर आई थीं। यह तस्वीर एक यादगार प्रतीक के रूप में भेंट की गई। प्रतिनिधिमंडल में पुस्तकालय के सचिव राजेश उदयपुरी, विनोद उदयपुरी, मनीष भिवानिया सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

ऑक्सफोर्ड स्कूल की शिक्षिका तनुश्री राष्ट्रीय मेंटर के रूप में चयनित

मेदिनीनगर। ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल की अंग्रेजी विषय की वरिष्ठ शिक्षिका मिस तनुश्री को राष्ट्रीय स्तर पर उपदेशक (मेंटर) के रूप में चयनित किया गया है। उन्हें राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा झारखंड और बिहार क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस चयन के साथ ही मिस तनुश्री अब दोनों राज्यों के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए प्रशिक्षण प्रदान करेंगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत यह चयन प्रेरणा उत्सव 2024 के दौरान वडनगर, गुजरात में उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन, अनुकरणीय सहभागिता, समर्पण, विचारशीलता और नेतृत्व क्षमता के आधार पर किया गया है। परिषद ने चयन पत्र में उल्लेख किया है कि मिस तनुश्री देशभर में शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने में सक्रिय भूमिका निभाएंगी। यह न केवल ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल बल्कि पूरे पलामू जिले के लिए गर्व की बात है। विद्यालय के निदेशक एवं पांकी विधायक डॉ. एस. वी. पी. मेहता और विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. के. सिंह ने मिस तनुश्री की इस उपलब्धि पर हर्ष जताते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षिका तनुश्री का यह चयन विद्यालय की उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और शिक्षकों की दक्षता का प्रमाण है।

मिशन समृद्धि के तहत 'समृद्धि की पाठशाला' में बच्चों को दी जा रही नैतिक और समग्र शिक्षा

मेदिनीनगर। शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित संस्था मिशन समृद्धि वर्षों से बच्चों के समग्र विकास हेतु कार्य कर रही है। संस्था द्वारा संचालित 'समृद्धि की पाठशाला' में न केवल शैक्षणिक ज्ञान पर बल दिया जाता है, बल्कि बच्चों को नैतिक मूल्यों, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारियों से भी परिचित कराया जाता है। जनकपुरी, पांकी रोड में चल रही पाठशाला में बच्चों की संख्या समय-समय पर घटती-बढ़ती रहती है, जबकि कचरवा शाखा में बच्चों की उपस्थिति लगातार संतोषजनक बनी हुई है। पाठशाला में बच्चों को पुस्तक ज्ञान के साथ-साथ नैतिक शिक्षा, गीत-संगीत, खेलकूद और चित्रकला जैसे विषयों की भी प्रेरक रूप में शिक्षा दी जा रही है। संस्था का मानना है कि नैतिकता के बिना कोई भी व्यक्ति एक अच्छा नागरिक नहीं बन सकता। सीमित संसाधनों के बावजूद संस्था के कार्यकर्ताओं का उत्साह कभी कम नहीं होता। पाठशाला में सेवा दे रहे सदस्य पूरी लगन से बच्चों को सभ्य, सुसंस्कृत और जिम्मेदार नागरिक बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं, जो वास्तव में सराहना योग्य है। इस नेक कार्य में बैजन्ती गुप्ता, वीणा राज, ममता कुमारी समेत अन्य सभी सदस्यों की निःस्वार्थ सेवा उल्लेखनीय है। मिशन समृद्धि की यह पहल समाज के लिए एक प्रेरणा बन रही है।

विश्वविद्यालय में शॉर्ट सर्किट से लगी आग कर्मचारियों की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

मेदिनीनगर। नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय में शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे एक बड़ा हादसा टल गया। विश्वविद्यालय के कौटिल्य भवन के नीचे के तल में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग तेजी से फैल सकती थी, लेकिन विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाने वाले यंत्र (कार्बन डाइऑक्साइड) का प्रयोग कर समय रहते आग पर काबू पा लिया। कर्मचारियों की सतर्कता और सूझबूझ के चलते किसी प्रकार की जानमाल की हानि नहीं हुई। यदि समय रहते आग नहीं बुझाई जाती, तो यह बड़ी दुर्घटना का रूप ले सकती थी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कर्मचारियों की तत्परता की सराहना की है।

जागरूकता

प्रमंडल स्तरीय डाक महामेला का हुआ आयोजन

लोग कठिन परिश्रम से मजदूरी कर अपनी आय अर्जित करते हैं : अमित कुमार

- **उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले डाककर्मी हुए पुरस्कृत**

नवीन मेल संवाददाता

पलामू डाक प्रमंडल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला

पलामू प्रमंडल के डाक अधीक्षक संजय कुमार संगम ने अतिथियों का स्वागत करते हुए डाक परिवार पलामू के उपलब्धियों और इसके द्वारा दी जाने वाली सेवाओं पर प्रकाश डाला। इस दौरान डीडीएम (पीएलआई) अमित कुमार ने कहा कि डाक विभाग कई दशकों से अपनी सेवा देते आ रही है यहां के लोग कठिन परिश्रम से मजदूरी कर अपनी आय अर्जित करते हैं। उनकी मेहनत की कमाई सुरक्षित जगह निवेश हो जिसके लिए डाक जीवन बीमा एक भरोसेमंद विकल्प है। इसके पश्चात डाक जीवन बीमा और ग्रामीण डाक जीवन बीमा क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले ग्रामीण डाक सेवकों को पारितोषिक देकर उत्साह वर्धन किया गया।

मेदिनीनगर। स्थानीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय टाउन हॉल में डाक विभाग द्वारा समीक्षा बैठक सह डाक महामेला का आयोजन किया गया। इस दौरान झारखंड परिमंडल के डाक सेवा निदेशक आर.वी चौधरी मुख्य अतिथि और पीएलआई डीडीएम अमित कुमार अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुरूआत सरस्वती वंदना से की गयी। जिसके उपरांत मंच संचालक द्वारा पलामू प्रमंडल के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई। मुख्य अतिथियों द्वारा कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर की गई। डाक परिवार पलामू के तरफ से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। पलामू प्रमंडल के डाक अधीक्षक संजय कुमार संगम ने अतिथियों का स्वागत करते हुए डाक परिवार पलामू के उपलब्धियों और इसके द्वारा दी जाने वाली सेवाओं पर प्रकाश डाला। इस दौरान डीडीएम (पीएलआई)अमित कुमार ने कहा कि डाक विभाग कई दशकों से अपनी सेवा देते आ रही है यहां के लोग कठिन परिश्रम से मजदूरी कर अपनी आय अर्जित करते हैं। उनकी मेहनत की कमाई सुरक्षित जगह निवेश हो जिसके लिए डाक जीवन बीमा एक भरोसेमंद विकल्प है। इसके पश्चात डाक जीवन बीमा और ग्रामीण डाक जीवन बीमा क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले ग्रामीण डाक सेवकों को पारितोषिक देकर उत्साह वर्धन किया गया। पुरस्कार वितरण के पश्चात मुख्य अतिथि ने बैठक में उपस्थित डाककर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनियां लोगों को गुमराह करते हैं। परंतु डाक विभाग द्वारा सरकार की विभिन्न कार्यक्रम का लाभ हमेशा हम लोगों को मिलता है। कार्यक्रम के दौरान सहायक डाक अधीक्षक सरोज कुमार से गढ़वा के सहायक डाक अधीक्षक अभिषेक कुमार, डाक निरीक्षक सुभाष चंद्र पांडेय,उत्तरी प्रमंडल के अमर प्रताप सिंह रंजन कुमार उत्तम कुमार के साथ सोनू मिश्रा,विकाश कुमार,बाली प्रसाद, अमित कुमार रवि, धीरज तिवारी समेत अन्य डाककर्मी उपस्थित रहे।

हाथियों के आतंक से खेती छोड़ने को विवश हैं किसान

धुरकी। प्रखंड क्षेत्र के कनहर नदी तटीय इलाके में हाथियों के एक बार फिर से प्रवेश करने के कारण ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया है। पिछले वर्ष हाथी के आतंक का दंश झेल चुके किसान इस बार खेती करने से भी डर रहे हैं। कहीं फिर से कोई बड़ी अनहोनी न हो जाये, इसी आशंका में लोग दिन-रात भयभीत हैं. गौरतलब है कि वन विभाग द्वारा प्रखंड क्षेत्र के चार पंचायतों भंडार, अंबा खोरिया, खाला और खुटिया को पहले ही हाथी जोन घोषित कर दिया गया है। विभाग की ओर से इन इलाकों के लोगों को पहले से ही सतर्क रहने की चेतावनी दी गयी थी। ताजा घटना में परासपानी कला गांव की कांति देवी के आम के बागान में बीती रात हाथियों का झुंड घुस आया। करीब 10 हाथियों ने बागान को पूरी तरह नष्ट कर दिया। हाथियों के उत्पात से ग्रामीणों में दहशत फैल गयी है। घटना के बाद हाथियों का यह झुंड कनहर नदी के जंगल में लौट गया, लेकिन क्षेत्र में भय का माहौल अभी भी बरकरार है। वहीं वनपाल प्रमोद कुमार ने ग्रामीणों से अपिल किया है हाथियों के झुंड ने जंगल को अपना आशियाना बना लिया है, जिससे जंगल से सटे गांव के लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। इससे बचने केलिए कोई भी ग्रामीण जंगल में नहीं जाए।

ग्रामीणों को दी गई वित्तीय साक्षरता की जानकारी

भवनाथपुर। प्रखंड अंतर्गत भवनाथपुर पंचायत भवन में शुक्रवार को अग्रगति संस्था द्वारा वित्तीय साक्षरता एवं समावेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सीएफएल सेंटर को-ऑर्डिनेटर वीरेंद्र ठाकुर एवं प्रशिक्षिका नेहा चौरसिया ने उपस्थित ग्रामीणों को आरबीआई और बैंकिंग से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया। सीएफएल स्टाफ ने ग्रामीणों को नियमित बचत करने के फायदे, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, सावित्रीबाई फुले योजना, साइबर क्राइम से सुरक्षा, केसीसी और मुद्रा लोन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों को समझाया कि समय पर बैंक ऋण की वापसी से क्रेडिट स्कोर (सिबिल स्कोर) बेहतर होता है, जिससे भविष्य में ऋण प्राप्त करना आसान होता है। कार्यक्रम के दौरान भवनाथपुर पंचायत की मुखिया बेबी देवी और सीएसपी संचालक अनूप कुमार द्वारा खाता खोला गया और बीमा कराया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति थे।

भवनाथपुर थाना परिसर में थाना दिवस आयोजित

भवनाथपुर। स्थानीय थाना परिसर में शुक्रवार को थाना दिवस आयोजित किया गया। इस अवसर पर सीओ शंभू राम और थाना प्रभारी रजनी रंजन मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस दौरान थाना दिवस पर प्रखंड के विभिन्न गांव से आये लोगों ने आवेदन देकर मामले की निष्पादन की मांग की। आवेदन के आलोक में दोनों पक्ष की बात सुनने के बाद उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा सात मामलों का निष्पादन मौके पर किया गया। जबकि एक मामला में न्यायालय से निबटारा कराने की बात कही। सुनवाई के दौरान सीओ शंभू राम ने कहा कि थाना दिवस पर पारिवारिक जमीन विवाद के मामले काफी आ रहे है। जिसमें पैतृक जमीन को बंटवारा नहीं होने एवं खतियान में नाम सुधार नहीं होने से संबंधित कई मामले आए। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों की बातों को सुनकर सुलहनीय मामले के आधार पर सहमति बनाते हुए कई मामलों का निष्पादन गया। इस मौके पर एसआई प्रदीप उरांव, एएसआई नारायण प्रसाद, आशुतोष सिन्हा सहित अन्य अंचल व पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

वित्तीय जागरूकता शिविर का आयोजन

केतार। केतार बाजार प्रांगण में शुक्रवार को झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक एवं नाबार्ड के संयुक्त तत्वावधान में वित्तीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। मौके पर शाखा प्रबंधक पिंटू कुमार ने बैंकिंग सेवाओं, बीमा योजनाओं, डिजिटल सुरक्षा और सरकारी लाभकारी योजनाओं की विस्तृत रूप से जानकारी दी । शाखा प्रबंधक ने बताया कि नाबार्ड के सहयोग से आयोजित मैजिक शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया गया। ताकि बैंकिंग सुविधाओं का समुचित लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना और दुर्घटना बीमा जैसी योजनाएं सीधे जनता के हित में है और इनके तहत किसी भी दुर्घटना की स्थिति में लाभार्थी के नामित व्यक्ति को दो लाख रुपये तक की राशि सीधे खाते में प्राप्त होती है। इस मौके पर बड़ी संख्या में खाताधारी और ग्रामीण उपस्थित थे।

मोहर्रम की सातवीं तिथि पर भव्य सम्मान समारोह

श्री बंशीधर नगर। मोहर्रम की सातवीं तिथि के अवसर पर विशुनपुर स्थित माउंट हीरा कमेटी की ओर से एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कमेटी अध्यक्ष सद्दाम आलम के द्वारा झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय समिति सदस्य और समाजसेवी ताहीर अंसारी और थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक को पगड़ी पोषी कर सम्मानित किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया और आपसी एकता, सौहार्द एवं सामाजिक समरसता का संदेश दिया। मौके पर झामुमो नेता ताहीर अंसारी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में इंसानियत, न्याय और सच्चाई की राह पर चलने की सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा कि ईमाम हुसैन का बलिदान केवल धार्मिक नहीं, बल्कि इंसानियत के लिए था। उन्होंने हमें यह सिखाया कि सच्चाई और इंसाफ के लिए किसी भी हद तक जाया जा सकता है।र झामुमो नेता ताहीर अंसारी ने मोहर्रम के अवसर पर समाज में शांति व्यवस्था बनाए रखने और भाईचारे को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें ईमाम हुसैन की शिक्षा को अपनाते हुए समाज में अमन,भाईचारा और इंसाफ को आगे बढ़ाना चाहिए। इस अवसर पर थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक ने कमेटी के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि माउंट हीरा कमेटी जिस तरह से सामाजिक समरसता और सहयोग की भावना से कार्य कर रही है, वह प्रेरणादायक है। मौके पर संरक्षक और युवा समाजसेवी महमूद आलम सीनियर ,मोहर्रम इंतजामिया कमेटी सदर लालबाबू खान,तालिब खान,बिट्टू खान,शोएब आलम,महमूद आलम जूनियर,आशिक अंसारी,पुडु सिद्दीकी,अनीश खान,आमिर सुभानी,गब्बर सौदागर,अरबाज खान, वारिस,शमीम,मंजर,पिंटू अंसारी, अतीक आलम,विक्की सौदागर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मुहर्रम पर्व को लेकर गढ़वा में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक सम्पन्न

डीसी-एसपी ने दिए सौहार्दपूर्ण माहौल में आयोजन के निर्देश, एस ओपी पालन की सख्त हिदायत

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। मुहर्रम पर्व को लेकर शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त दिनेश कुमार यादव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी, विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, मोहर्रम इंतेजामिया कमेटी, जनप्रतिनिधि, शांति समिति सदस्य व प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में उपायुक्त ने सभी समुदायों से आपसी भाईचारे व समन्वय के साथ पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में धार्मिक भावनाएं आहत करने वाले भाषण, गीत या सोशल मीडिया पोस्ट बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। सोशल मीडिया पर

आपत्तिजनक कंटेंट को फैलाने वालों पर सख्त निगरानी और कार्रवाई की जाएगी। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने कहा कि जिले भर में कानून व्यवस्था सुदृढ़ रहेगी और हर थाना स्तर पर जुलूस आयोजकों से समन्वय किया जाएगा। सभी जुलूस केवल निर्धारित रूट से ही निकलेंगे। डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार द्वारा मुहर्रम के दौरान किसी भी समस्या के लिए कंट्रोल रूम का हेल्पलाइन नंबर 6201261084 जारी किया गया, जिस पर आमजन सहायता प्राप्त कर सकते हैं। विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता द्वारा झारखंड उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में बताया गया कि शोभायात्रा में शामिल झंडे, वाहन आदि की ऊँचाई 4 मीटर (13 फीट) से अधिक नहीं होनी चाहिए। विद्युत तारों से दूरी बनाकर चलना अनिवार्य होगा। एसओपी के उल्लंघन पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि शहरों में साफ-सफाई, पेयजल, बिजली आपूर्ति, प्राथमिक चिकित्सा व यातायात व्यवस्था को लेकर विभागों की जिम्मेदारी तय की जाए और पर्व के दौरान उसका अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। बैठक का समापन उपायुक्त यादव द्वारा सभी समुदायों को मुहर्रम की शुभकामनाओं के साथ शांतिपूर्ण और मर्यादित आयोजन की अपील के साथ किया गया।

पीएम आवास के लंबित मामले जल्द पूरा करें : प्रखंड विकास पदाधिकारी

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। जिले के कांडी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत शिवपुर पंचायत में गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश सहाय ने दौरा किया। इस दौरे में पंचायत सचिव और मुखिया प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। साथ में सभी आवास के स्वयंसेवक भी उपस्थित थे। मौके पर आवास योजनाओं की जांच की गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने स्वयंसेवकों को यह निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री आवास की जितने भी लंबित मामले हैं सभी को तय सीमा के अंदर पूर्ण कराएं। पुराने आवासों को एक रणनीति के तहत लाभुकों को प्रेरित करके दबाव डालकर हर हाल में पूरा करें। उन्होंने कहा कि पिछले 6 महीने से पैसा लेकर के बैठे वैसे सभी लाभुकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया गया। जो काम अभी तक प्रारंभ नहीं किए हैं और प्लिंथ स्तर तक भी उनका जियो टैग नहीं हो पाया है। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी ने उत्क्रमित मध्य विद्यालय शिवपुर का भी औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में सभी 6 शिक्षक उपस्थित पाए गए, लेकिन कोई भी शिक्षक क्लास रूम में नहीं पाए गए। जबकि मध्यान भोजन खाने के नाम पर सभी बच्चे वर्ग कक्ष से बाहर थे।सभी शिक्षक भी बाहर थे। प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने सभी शिक्षकों को कार्य शैली में बदलाव लाने के लिए सख्त निर्देश दिया। उन्होंने मध्यान भोजन योजना में गुणवत्ता से समझौता नहीं करने की हिदायत दी गई। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि अरुण राम, पंचायत सेवक संजीव ठाकुर, पंचायत सहायक ऋषि कुमार पाण्डेय सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

पूर्व जिला परिषद सदस्य ने दिशोम गुरु की स्वास्थ्य की ली जानकारी

मेराल। दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती झारखंड निमार्ता दिशोम गुरु शिबू सोरन का हाल चाल जानने के झामुमो के वरिष्ठ नेता पूर्व जिला परिषद सदस्य मेराल उतरी के वीरेंद्र साव राजकुमार साव ने माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से न्यू झारखंड भवन दिल्ली में मिलकर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बताया की बाबा के स्वास्थ्य में पहले से काफी सुधार हुआ है स्थिति नियंत्रण में है, चिंताकी कोई बात नहीं है भगवान ने चाहा तो बहुत जल्द दिशोम गुरु झारखंड वापस होंगे। वीरेन्द्र साव ने शिबू सोरेन का स्वास्थ्य जल्दी सही हो इसके लिए परमेश्वर से प्रार्थना किया है।

उपायुक्त ने जनता दरबार में फरियादियों की समस्याएं सुनीं, त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। गढ़वा के उपायुक्त दिनेश कुमार यादव की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय स्थित सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने राशन, पेंशन, भूमि विवाद, अवैध कब्जा, आवास, मुआवजा, अतिक्रमण, रोजगार सृजन, बकाया मजदूरी, अनुकम्पा पर नौकरी जैसे कई मामलों से संबंधित शिकायतें दर्ज कराईं। उपायुक्त ने सभी समस्याएं गंभीरता से सुनीं और त्वरित कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जनता दरबार में चिनिया प्रखंड के डोल गांव निवासी दीपक कुमार रवि ने वर्ष 2020-21 में मनरेगा के तहत स्वीकृत गाय पक्का फर्श एवं बकरी शेड निर्माण कार्य को चालू कराने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि आंशिक भुगतान के बाद कार्य अधूरा है, जबकि उन्होंने पुनः वर्ष 2024-25 के लिए डिमांड भी प्रस्तुत किया है। सोनामती कुंवर ने अपनी रैयती भूमि पर कब्जा दिलाने के लिए आवेदन दिया, जिसे उपायुक्त न्यायालय द्वारा पूर्व में आदेशित किया जा चुका है लेकिन अभी तक कार्यान्वयन नहीं हुआ। सदर प्रखंड की करुआकलां निवासी आभा देवी ने धोखाधड़ी की शिकायत करते हुए बताया कि 2015 में क्रय की गई भूमि को विक्रेता ने पुनः किसी अन्य को बेच दिया है। न तो पैसा वापस किया गया है और न ही भूमि खाली कराई गई है। उन्होंने न्याय दिलाने की मांग की। एक अन्य प्रकरण में ऊंचरी, गढ़वा निवासी ध्रुव कुमार ने पलामू के विश्रामपुर स्थित आरसीआईटी कॉलेज द्वारा मूल प्रमाण-पत्र वापस नहीं किए जाने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि कॉलेज चार साल की फीस जमा करने की शर्त पर दस्तावेज लौटाने को कह रहा है। इस पर उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा कि कोई भी शैक्षणिक संस्थान छात्रों के मूल दस्तावेज को बंधक नहीं बना सकता। उन्होंने सभी संस्थानों को बिना शर्त दस्तावेज लौटाने का निर्देश दिया। जनता दरबार में उपायुक्त यादव ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों की समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से जांच करते हुए शिकायतों का निष्पादन सुनिश्चित करें।

बजरंग दल ने किया आर्थिक सहयोग

रंका। बजरंग दर के बजरंग ठाकुर ने बतलाए की घायल मरीज का घर-धवराटॉड़-चुतरु पिता दिनेश भुइया और उसकी धर्म-पत्नी दिलवंती देवी दोनों कर्ज लिए थे कर्ज चुकाने के लिए (जेवर) गहना लेकर गिरवी रखने गोदरमाना जा रहे थे जो २९ जून २०२५ दिन रविवार को खुथुवामोड़ रोड़ बान्दु बाजार के निकट टेम्पु दुर्घटना मे दिनेश भुइया के लड़का नाम-अजित एक वर्ष का एक्सीडें में मौत हो गई थी और महिला भी गंभीर रूप से घायल हो गई थी जो ये लोग बहुत ही गरीब परिवार हैं। दिनेश भुइया के पत्नी दिलवंती देवी को भी काफी चोट लगी है जिसके कारण उनकी स्वास्थ्य सही नहीं है। जब इस की सूचना विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के सदस्य को मिली तब तत्काल सहयोग राशि जमा कर के दिनेश भुइया के घर जाकर सहयोग के रूप में ६००० रुपए देकर आर्थिक सहयोग किया और कुछ खाने-पीने की समान दिया गया। मौके पर उपस्थित विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के सदस्य, अंशु सोनी, प्रेम गुप्ता, रामराज सिंह, बजरंग ठाकुर, रामवृक्ष यादव, ऋषु कुमार ठाकुर, मनीष सिंह, सनी सिंह, कमलेश ठाकुर, राहुल सोनी, रितेश गुप्ता, गौतम यादव, सरवन यादव, तथा आदि सदस्य मौके पर उपस्थित थें।

न्यूज बॉक्स

बच्चों को किया गया जागरूक

मझिआंव(गढ़वा)। नगर विकास एवं आवास विभाग के निदेर्शानुसार 1 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को उत्क्रमित मध्य विद्यालय अखौरी तहले में बच्चों के बीच स्वच्छता को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को हैंडवाश की सही विधि सिखाई गई और स्वच्छ रहने के फायदे बताए गए। उन्हें बताया गया कि नियमित रूप से हाथ धोने से कई बीमारियों से बचा जा सकता है। इस अवसर पर नगर प्रबंधक जितेश कुमार, राकेश सिन्हा, बिरेंद्र चौधरी, विश्वजीत कुमार सहित विद्यालय के सभी शिक्षक औ रसोईया उपस्थित थे। सभी ने बच्चों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जानकारी दी और अभियान को सफल बनाने की अपील की।

रंका में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा संपन्न

रंका। भगवान जगन्नाथ महाप्रभु बहन सुभद्रा एवं दाउ बलभद्र के साथ मौसीबाड़ी में पिछले एक सप्ताह के प्रवास के पश्चात वापस शुक्रवार को अपने मूल स्थान ठाकुरबाड़ी मंदिर स्थित अपने कक्ष में लौटे। शुक्रवार के सुबह से जारी विशेष पूजन के बीच श्री मद्भागवत महापुराण पाठ समाप्ति के पश्चात हवन और महाआरती और महाप्रसाद भोग अर्पित किए गए। जहां महा प्रसाद पाने को लेकर भक्तों में होड़ सी लगी रही तत्पश्चात ठाकुर बाड़ी मंदिर के प्रधान सेवईत कुमार गोवर्धन प्रसाद सिंह उनके पुत्र कुमार गुलाब प्रसाद सिंह तथा गौरव प्रसाद सिंह एवं राजपरिवार के अन्य सदस्यों के अलावा भारी संख्या में उपस्थित श्रद्धालु भक्तों के द्वारा सामुहिक रूप से शंखध्वनी तथा गगनभेदी जय उद्घोष के बीच राजपुरोहितों ने भगवान जगन्नाथ दाउ बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के श्री विग्रह को रथासीन कराया। जहां राज परंपरानुसार रथ पर सवार भगवान के श्री विग्रह की पुनः पंचोपचार पूजन एवं आरती उतारी गई और गगनभेदी जय उद्घोष के बीच मौसी बाड़ी से भगवान को शुक्रवार के संध्या समय ठाकुरबाड़ी मंदिर पहुंचाया गया। शुक्रवार को श्रीमद् भागवत महा पुराण की पाठ समाप्ति के पश्चात हवन एवं महा प्रसाद भोग अर्पित किया गया तत्पश्चात राजपुरोहितों ने भारी संख्या में उपस्थित भक्तों की उपस्थिति के बीच सामूहिक शंख ध्वनि एवं गगनभेदी जय उद्घोष के बीच भगवान के श्री विग्रह को ठाकुरबाड़ी मंदिर पहुंचाया जहां राजपुरोहितों ने भगवान को उनके कक्ष में बैदिक मंत्रोच्चार के बीच स्थापित कराया तथा एक बार पुनः बिशेष श्रृंगार, पूजन एवं नैवेद्य अर्पित करने के बाद महाआरती की गई जहां उपस्थित भक्तों ने भगवान से अपने व अपने प्रियजनों के सुखद जीवन की कामना की याचना की। इस मौके पर ठाकुर बाड़ी मंदिर के सेवईत तथा राजपरिवार के लोगों के अलावा भारी संख्या में स्थानीय भक्त उपस्थित थे वहीं बिधि ब्यवस्था के सफल संचालन को लेकर प्रशासनिक पदाधिकारियों के अलावा पुलिस प्रशासन के जवान उपस्थित थे।

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन,प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग,जिला नियोजनालय,गढ़वा

दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला–10 जुलाई–2025

सूचना

राज्य के बेरोजगार युवाओं/युवतियों को निजी क्षेत्र में नियोजित कराने के उद्देश्य से निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण झारखण्ड, राँची के तत्वाधान में जिला नियोजनालय –सह– मॉडल कैरियर सेन्टर, गढ़वा द्वारा दिनांक–10.07.2025 को पूर्वाह्न–10.30बजे से 4.00 अपराहन् तक टाउन हॉल भवन,चिनियां मोड़, गढ़वा में''दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला–2025''आयोजन किया जा रहा है।

रोजगार मेला में निम्नांकित प्रमुख निजी नियोजकों ने उपस्थित रहने की सहमति प्रदान की है :–

SL. No.	Name and Add. Of the Employer	Name of the Post	No. Of Vacancy	Qualification Essential	Qualification Desirable	Experience	Age	Salary Remarks	Job Location
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
01	Freedom Employability Academy, Garhwa	Teacher	15	Graduation (Any Stream)	-	-	18-45 yr	14500 (Gross Salary)	Garhwa
02	Fusion Finance Ltd, Garhwa	Relationship Officer/Senior Relationship Officer	30	12th Pass	-	0-5 yr	18-35 yr	CTC upto 13200+4000 (Fuel+Allowances)	Garhwa, Palamu
03	Mahiya Infratech Pvt. Ltd, Garhwa	Multi-Tasking Staff (MTS)	02	Graduation	ADCA, Tally and English Knowledge	1 year	18-30 yr	10000-12000/-	Jharkhand
04	Dinkar Prabhakar Janseva Trust, Garhwa	District Coordinator	01	Post-Graduation	Male	2 Years	25-35 yr	20000-30000	Garhwa
		Block Coordinator	20	Post-Graduation	-	-	22-35 yr	15000-25000	
		Surveyor	80	12th Pass	-	-	20-40 yr	12000-20000	
		Counsellor	1	Graduation (Psychology)	-	-	21-35 yr	10000-15000/-	
		Computer Operator	1	12th Pass	ADCA	-	21-35 yr	8000-12000/-	
05	SIS Ltd. Belchampa	Security Guard	100	10th Pass	-	-	19-40yr	15000-22500/-	All India
		Security Supervisor	20	Graduation	-	-	21-37yr	27000-32000/-	
		Dog Handler	50	10th Pass	-	-	21-40yr	15000-22000/-	
		Cash Custodian	50	11th Pass	-	-	18-33 yr	13000-19000/-	
06	Life Insurance Corporation of India, Garhwa	Normal Agent / Insurance Advisor	100	10th Pass	Exam Fee 750 Rs.	-	18yr	As Per Commission + Allowances	Garhwa
07	Sakshi Skill Centre, Garhwa	Mobilizer	02	Graduation	-	1 year	25 yr	13000-15000/-	Garhwa
		Trainer (Electronics)	01	ITI or Diploma in Electronics	-	1 year	25 yr	13000-15000/-	
		Trainer (GDA)	01	B.Sc. (Nursing) or Diploma in GNM	-	1 year	25 yr	13000-15000/-	
		Guard	01	10th Pass	Male only	1 year	25 yr	8000-10000	
08	Grameen Siksha avam Prashikshan Foundation, Jamtara	Assembly Line Operator	150	10th Pass	ITI, Diploma	-	-	17000-21000/- + Free Room	Rajkot, Gujrat
09	ASK Automotive Ltd, Maharashtra	Associate	100	10th Pass	-	-	18-35 yr	20168/- (12 hrs)	Bengaluru
		Machine Operator	100	ITI, Diploma	-	-	18-35 yr	21770-23085/- (12 hrs)	
10	Svatantra Micro Finance Pvt. Ltd. Garhwa	Field Officer	50	10th Pass	Bike and DL	-	18-27 yr	15003/- ctc + Incentive	Garhwa Palamu
		Relationship Officer	20	10th Pass	Bike and DL	-	18-35 yr		
11	CAIT EDUSYS PVT LTD.	Cashier	15	12th	B.Com	-	18-30 yr	17000/-	Pune / Delhi
		Production / Quality (M/F)	5	Graduation/ITI	-	-	18-30 yr	19500/-	
		NATS Trainee	35	10th Pass	-	-	18-30 yr	20000/-	
		Data Operator	20	ITI	-	-	18-35 yr	16000/-	
12	Atmasamman Foundation, New Delhi	Trainee	30	10th Pass	-	-	18-30 yr	19500/- (12 Hrs)	Bengaluru
13	SK Safety Wings Pvt. Ltd, Telangana	Associate	50	10th Pass	English Reading	-	18-34 yrs	18700-22000/- + PF+ESIC	Chennai, Bengaluru
14	Goodwill India Management Group of Comapany	Store Keeper	10	10th Pass	-	-	18-35 yr	11500-32700/-	Garhwa
		Supervisor	5	12th Pass	-	-	18-30 yr		
		Receptionist	20	12th Pass	-	-	18-35 yr		
		Computer Operator	30	Diploma in Computer	-	-	18-35 yr		
15	Orbel Electronics India Pvt. Ltd	Supervisor	10	Graduation	ITI	-	22-35 yr	14700-16500/-	Ahmedabad
		HR Manager	20	Graduation	-	-	18-35 yr	17000/-	
		Computer Operator	20	12th Pass	Computer Knowledge		18-40 yr	16500/-	
16	DSETS Pvt. Ltd, Haryana	NAPS Trainee	100	10th Pass	-	-	18-22 yr	16000-27000/-	Haryana, Rajasthan
17	AISECT, Garhwa	Trainer (Electrician)	5	ITI, Diploma in Electronics	-	2 years	20 yrs or above	10000-15000/-	Meral, Garhwa
		Trainer (GDA)	04	B.Sc (Nursing) or Diploma in GNM	-	2 years	22 yrs or above	10000-18000/-	
		Trainer (Self Employed Tailoring)	02	10th Pass	Sewing Diploma	2 years	22 years or above	10000-15000/-	
		Trainer (Account Assistant)	02	B.Com	M.Com	2 years	22 years or above	10000-15000/-	
		Trainer (Computer)	03	ADCA	PGDCA	1 years	22 years or above	12000-17000/-	
		Trainer (Beautician)	02	10th Pass	Diploma in Beautician	2 years	21-40yr	20000-25000/-	
		Driver	02	10th Pass	Driving Licence	2 years	21-40 yr	9000-13000/-	
		Cook	02	8th Pass	-	2 years	21-40 yr	10000-18000/-	
18	Seva Sahyog Securities and Facility Management Pvt. Ltd, Saraikela	Security Guard	75	10th Pass	-	-	18-45 years	10000-18000/-	Jharkhand, West Bengal, Orissa
		Security Supervisor	5	Graduation	-	1 year	22-45 years	15000-20000/-	
		Area Manager	2	Graduation	-	5 years	18-45 years	20000-25000/-	
		Field Officer	03	Graduation	Computer Knowledge	1 years	22-45 years	15000-25000/-	
		Marketing Executive	05	MBA in Marketing	Computer Knowledge	02 Yr	30-50 years	16000-25000/-	

मेला में भाग लेने के योग्य एवं ईच्छुक अभ्यर्थियों को झारखण्ड के किसी भी नियोजनालय में निबंधित होना अनिवार्य है। यदि वे पूर्व में निबंधित न हो तो रोजगार मेला के पूर्व अपना निबंधन अपने स्थानीय नियोजनालय में निश्चित रूप से करा लें, या नियोजनालय के अधिकृत वेबसाईट–www.jharniyojan.jharkhand.gov.in पर जाकर स्वंय कर सकते हैं। रोजगार मेला के दिन कार्यालय में निबंधन का कार्य स्थगित रहेगा। साथ ही नियोजक/नियोजक के प्रतिनिधियों के समक्ष अपने सभी मूल प्रमाण पत्रों एवं उसकी छाया प्रति तथा बायोडाटा (02 कॉपी), दो पासपोर्ट साईज फोटो के साथ साक्षात्कार हेतु उपस्थित हों। रिक्ति निजी क्षेत्र से संबंधित है, इसलिए रिक्ति के शर्तों के लिए सीधे नियोजक उत्तरदायी है। विभाग एवं नियोजनालय मात्र सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य कर रहे है। मेला में भाग लेने के लिए किसी भी प्रकार का भत्ता देय नही होगा।

रिक्तियों की विस्तृत विवरणी गढ़वा जिला के वेबसाईट –www.garhwa.nic.in तथा नियोजनालय के अधिकृत वेबसाईट–www.jharniyojan. jharkhand. gov.inपर उपलब्ध है।

नोट :–मेला में भाग लेने वाले कम्पनी की संख्या तथा उनके द्वारा उपलब्ध कराई गई रिक्ति घट–बढ़ सकती है।

निवेदक
जिला नियोजन पदाधिकारी,गढ़वा

PR 356569 Labour Employment and Traning(25-26).D

बैठक

मासिक स्वास्थ्य समीक्षा बैठक का आयोजन

लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत मिले : डॉ दिनेश

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर (गढ़वा)। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भवनाथपुर में शुक्रवार को चिकित्सा पदाधिकारी प्रभारी डॉ दिनेश सिंह की अध्यक्षता में मासिक स्वास्थ्य समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति, चुनौतियां एवं आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सबसे पहले एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत टी-4 कैंप की समीक्षा की गई। चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा कि क्षेत्र की महिलाओं और किशोरी बालिकाओं में एनीमिया की रोकथाम के लिए नियमित जांच और आयरन सप्लीमेंटेशन जरूरी है। इसके बाद यू-विन एंट्री, एचएमआईएस रिपोर्टिंग एवं टीबी रोगियों की पहचान व उपचार पर चर्चा हुई। मासिक रोग मैट्रिक्स (सीएचओ) को अद्यतन रखने का निर्देश दिया गया ताकि प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता बनी

रहे। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए टीकाकरण माइक्रोप्लान बनाने पर जोर दिया गया। प्रभारी ने कहा कि क्षेत्र के किसी भी नवजात या गर्भवती महिला का टीकाकरण नहीं छूटना चाहिए। इसके लिए एएनएम और आशा कार्यकताओं को लक्ष्य दिया गया। शेष पड़े एएएम में टीकाकरण एवं अन्य लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने को कहा गया। पीएमएसएमए (प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान) के अंतर्गत हर महीने की 9 तारीख और अंतिम बुधवार को गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क जांच कराने हेतु एएनएम को जागरूकता फैलाने का निर्देश दिया गया। ई-केवाईसी के माध्यम से गोल्डन कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति की समीक्षा की गई। ई-संजीवनी सेवा के अंतर्गत प्रतिदिन प्रति सीएचओ 10 ई-परामर्श सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अलावा 100 प्रतिशत सिक्कल सेल जांच विशेष रूप से पीवीटीजी गांवों में पूरी कराने पर बल दिया गया। एनसीडी स्क्रीनिंग तथा परिवार नियोजन कार्यक्रम (पीपीआईयूसीडी/पीएआईयूसीडी, आईयूडी) की प्रगति रिपोर्ट ली गई। प्रभारी ने कहा कि लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत मिले इसके लिए भुगतान में पारदर्शिता और गति जरूरी है। कुपोषण की समस्या पर चर्चा करते हुए पोषण पुनर्वास केंद्रों की स्थिति व जागरूकता कार्यक्रमों पर समीक्षा की गई। अवशेष भुगतान एवं मगता वाहन की निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए ताकि किसी भी आपात स्थिति में मरीजों को समय पर परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सके। बैठक में डॉ नितेश भारती, डॉ इन्द्रकिशोर विश्वकर्मा ,लेखा प्रबंधक प्रदीप कुमार पाठक, अनूप कुमार, सुनील पटेल, अरुण लकड़ा ,बबीता कुमारी, मनोज कुमार पाठक, अनुज कुमार, वीरेंद्र कुमार, अंकित त्रिवेदी, जितेंद्र कुमार, सहित सभी सीएच ओ ,एएनएम, एमपीडब्ल्यू बी टीटी सीएचसी के चिकित्सक, एएनएम, आशा कार्यकर्ता एवं संबंधित स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

गडकरी के टोरी फ्लाईओवर मुद्दे पर संज्ञान लेने पर किसानों ने जताया आभार

- मीडिया के सहयोग से मंत्री तक पहुंची आवाज, एक्स पर पोस्ट कर जताया धन्यवाद

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। टोरी–चंदवा फ्लाईओवर (आरओबी) निर्माण के मामले पर केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी द्वारा संज्ञान लेने और बयान देने पर स्थानीय किसानों और जनप्रतिनिधियों ने आभार जताया है। किसान नेता एवं पंचायत समिति सदस्य अयूब खान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर मंत्री को धन्यवाद दिया है। वहीं, किसानों ने थैंक्यू पोस्टर लेकर भी गडकरी के प्रति आभार व्यक्त किया। किसानों ने इस मुद्दे को प्रमुखता से प्रकाशित करने वाले मीडिया संस्थानों को भी धन्यवाद दिया है, जिनकी वजह से मंत्री तक उनकी आवाज पहुँची। ज्ञात हो कि मंत्री नितिन गडकरी ने गढ़वा में आयोजित समारोह में कहा था कि टोरी–चंदवा आरओबी का निर्माण कार्य जमीन अधिग्रहण होते ही शुरू कर दिया जाएगा। अयूब खान ने बताया कि उन्हें समाचार माध्यमों से जानकारी मिली थी कि केंद्रीय मंत्री रांची के रांतू में फ्लाईओवर उद्घाटन और गढ़वा में एनएच परियोजनाओं का शिलान्यास करने आ रहे हैं। इसके बाद किसानों से चर्चा कर तय किया गया कि इस मौके पर टोरी आरओबी मुद्दे पर उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए पदयात्रा की जाएगी। इसी रणनीति के तहत 2 जुलाई से दो दिवसीय पदयात्रा की शुरुआत हुई। उन्होंने बताया कि प्रेस प्रतिनिधियों से भी अनुरोध किया गया था कि इस मुद्दे को प्रमुखता दी जाए, जो कि सफल रहा। मंत्री के गढ़वा दौरे में रेहला फोरलेन का उद्घाटन एवं दो एनएच परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ, वहीं टोरी आरओबी पर भी उनकी सकारात्मक प्रतिक्रिया सामने आई। किसानों को उम्मीद है कि अब इस योजना के क्रियान्वयन की दिशा में ठोस पहल होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्य जल्द शुरू नहीं हुआ तो आंदोलन फिर से तेज किया जाएगा और गांव-गांव जाकर मंत्री एवं मुख्यमंत्री के फोटो के साथ जन-जागरण अभियान चलाया जाएगा। आभार व्यक्त करने वालों में कमरुद्दीन खान, नसीम खान, दिलसाद खान, ईरसाद खान, शाहिल खान, गोबिंद गंझू, दुखन परहैया, बीनोद परहैया, माईकल हंश, मुनेशर परहैया, बेने मुंडा, बिफइया परहैया, दिवाली परहैया, विजय परहैया, ललुआ परहैया, फुलदेव परहैया, अंकित परहैया, पंकज कुमार, सनीका मुंडा, रियाज खान, जिरहुलिया देवी, दसवा परहैया, सनिचर परहैया, सुरेंद्र परहैया सहित दर्जनों किसान शामिल थे।

बारिश से कच्चा मकान क्षतिग्रस्त, विधवा महिला बेहाल

नवीन मेल संवाददाता

कुंदा (चतरा)। प्रखंड अंतर्गत टिकैतबांध गांव की 55 वर्षीय लीलावती देवी का कच्चा मकान बीते दिनों से हो रही मूसलधार बारिश में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। लीलावती, जो पहले से विधवा हैं, अब बारिश के इस मौसम में खुले आसमान के नीचे रहने को विवश हैं। उन्होंने बताया कि घर की दीवारें गिर चुकी हैं और छत से पानी टपकता है, जिससे रात को सोना और दिन में रहना भी मुश्किल हो गया है। पीड़िता ने बताया कि वह किसी तरह मजदूरी करके जीवन-यापन करती हैं। अब जब घर की हालत जर्जर हो गई है, तो उनके पास मरम्मत कराने का कोई संसाधन नहीं है। ऐसे में उन्होंने प्रशासन से गुहार लगाई है कि उन्हें तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए। स्थानीय ग्रामीणों का भी कहना है कि लीलावती देवी बेहद गरीब हैं और सरकारी सहायता की पात्र भी हैं, लेकिन अभी तक उन्हें किसी योजना का लाभ नहीं मिला है। ग्रामीणों ने भी जिला प्रशासन से मांग की है कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नया मकान दिया जाए या तात्कालिक सहायता उपलब्ध कराई जाए।
यह मामला जनप्रतिनिधियों और पंचायत प्रतिनिधियों के ध्यान में लाया गया है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। यदि समय रहते उन्हें मदद नहीं मिली तो बरसात के इस मौसम में उनके लिए जीवन संकट में पड़ सकता है।

आम्रपाली परियोजना में विरोध की लहर तेज

टंडवा (चतरा)। आम्रपाली कोल परियोजना में कार्यरत कैलिबर माइनिंग कंपनी के खिलाफ स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश तेजी से बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को उड़सू गांव में विस्थापितों की एक बैठक हुई, जिसमें तीसरे फेज में शुरू हुए खनन कार्य पर नाराजगी जाहिर की गई। ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी ने बिना विस्थापन, पुनर्वास और नियोजन की व्यवस्था किए खदान में नारियल फोड़कर गुपचुप तरीके से कार्य आरंभ कर दिया है। बैठक की अध्यक्षता सूरज उरांव ने की, जबकि संचालन कुंदन पासवान ने किया। उपस्थित ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कंपनी अंग्रेजों के जमाने की ₹फूट डालो और राज करो₹ नीति अपना रही है। झारखंड ग्रामीण मजदूर कल्याण संघ के महामंत्री रमेश वर्मा ने भी इस मुद्दे को लेकर पहले ही 7 जून को कंपनी और अधिकारियों को पत्र भेजकर त्रिपक्षीय वार्ता की मांग की थी। बैठक में मौजूद जयराम उरांव, राजकुमार चौधरी, जीवन दास, शीतली देवी, बिनोद भुइयां आदि ने निर्णय लिया कि यदि कंपनी ने जल्द विस्थापितों की समस्याओं का समाधान नहीं किया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। आशुतोष मिश्रा ने कहा कि कंपनी को ग्रामीणों से संवाद बनाना चाहिए अन्यथा उग्र आंदोलन से इंकार नहीं किया जा सकता।

आयकर विभाग की कार्यशाला का आयोजन

लातेहार। समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को आयकर विभाग (सूचना एवं आपराधिक अन्वेषण), रांची द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयकर अधिकारी अजीत ने की। कार्यशाला में जिला अवर निबंधक कार्यालय की भूमिका, SFT स्टेटमेंट दाखिल करने की प्रक्रिया और आयकर पोर्टल पर त्रुटिरहित जानकारी अपलोड करने की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला में आयकर निरीक्षक पंकज कुमार ने बताया कि अचल संपत्ति के क्रेता-विक्रेता की जानकारी, पैन और आधार की वैधता, भुगतान की तारीख एवं माध्यम जैसे विवरण समय पर पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य है। SFT फाइलिंग की डमी प्रक्रिया को भी समझाया गया। जिला अवर निबंधक विपिन साहू ने कहा कि उनके कार्यालय की ओर से समय पर एवं सटीक डाटा अपलोड किया जाता है।

केसवरिया बांध की मरम्मत की मांग तेज

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड के बिशुनपुर पंचायत स्थित केसवरिया बांध के टूटने से लगभग 350 एकड़ कृषि भूमि पर संकट खड़ा हो गया है। इस मुद्दे को लेकर जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने लघु सिंचाई प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को पत्र लिखकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। पत्र में बताया गया है कि बांध की निर्माण गुणवत्ता बेहद कमजोर रही, जिसके कारण हल्की बारिश में ही बांध टूट गया और खेतों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है। इससे सैकड़ों किसान खरीफ फसल नहीं बो पाए हैं और वे आर्थिक संकट में हैं। बांध का टूटना केवल कृषि को नहीं, बल्कि भूजल स्तर और सिंचाई व्यवस्था को भी प्रभावित कर रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि निर्माण के समय लापरवाही बरती गई, जिसकी जांच होनी चाहिए। उपाध्यक्ष ने विभाग से तत्काल बांध की मरम्मत कराने, प्रभावित किसानों को मुआवजा देने और निर्माण में शामिल एजेंसी पर कार्रवाई की मांग की है। अगर समय रहते समाधान नहीं हुआ तो किसानों में आक्रोश और बढ़ सकता है।

कांग्रेस का संगठन सृजन मंथन कार्यक्रम आयोजित

लातेहार)। महुआडांड़ प्रखंड स्थित जिला परिषद डाक बंगला परिसर में शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी का संगठन सृजन मंथन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यसभा सांसद एवं लातेहार जिला कांग्रेस प्रभारी धीरज प्रसाद साहू तथा स्थानीय विधायक एवं सभापति रामचंद्र सिंह शामिल हुए। दोनों नेताओं का पार्टी कार्यकर्ताओं ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर तथा अंगवस्त्र ओढ़ाकर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान संगठन सुदृढ़ीकरण हेतु महुआडांड़ प्रखंड के विभिन्न कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। कांग्रेस के सह प्रभारी डॉ. अजय लालनाथ शाहदेव ने अपने संबोधन में केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि मोदी सरकार गरीबों से टैक्स वसूल कर पूंजीपतियों को लाभ पहुँचा रही है। उन्होंने कहा कि जीएसटी के माध्यम से आम जनता का शोषण हो रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर कांग्रेस को मज़बूत करने की अपील की। विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस सभी धर्मों, वर्गों और समुदायों को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। संगठन की मजबूती से ही प्रखंड का समुचित विकास संभव है। मौके पर महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस व अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों को भी मनोनीत कर प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, मुखिया प्रतिनिधि व प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

मोहर्रम की सप्तमी पर कर्बला में चादरपोशी, अमन-चैन की मांगी दुआ

बेतला (लातेहार)। मोहर्रम की सप्तमी के अवसर पर बरवाडीह प्रखंड मुख्यालय अंतर्गत मुर्गीडीह स्थित कर्बला में मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा पारंपरिक रूप से चादरपोशी की गई। इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक सह जिला परिषद सभापति रामचंद्र सिंह, जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर एवं यूथ कांग्रेस के प्रदेश समन्वयक विजय बहादुर सिंह सहित कई जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने कर्बला पहुंचकर चादर चढ़ाई और फातिहा पढ़ा। चादरपोशी के बाद सभी उपस्थित लोगों ने राज्य और देश की तरक्की, अमन और चैन के लिए सामूहिक रूप से दुआ मांगी। इस अवसर पर कर्बला कमेटी द्वारा अतिथियों का पारंपरिक रूप से पगड़ी पहनाकर स्वागत और सम्मान किया गया। विधायक रामचंद्र सिंह ने इस अवसर पर कहा कि, 'हर धर्म और त्यौहार का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। दिल से मांगी गई दुआ हर धार्मिक स्थल पर जरूर कबूल होती है।' कर्बला परिसर को सप्तमी के मौके पर विशेष रूप से सजाया गया था। कमेटी द्वारा साफ-सफाई और सुरक्षा के समुचित प्रबंध किए गए थे। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने भाग लिया और चादरपोशी कर दुआएं मांगी। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि प्रेम सिंह पिंटू, सामाजिक कार्यकर्ता हेसामूल अंसारी, टिंकू खान, अशफाक अहमद मुन्ना, पप्पन खान, सदर साबिर अहमद, शौकत अली, लड्डू खान, मुमताज अंसारी, फिरोज अहमद सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद उपस्थित रहे।

उप विकास आयुक्त ने लातेहार के पर्यटन स्थलों का किया निरीक्षण

- चरका डैम, कोमो पहाड़ी और ललमटिया डैम को बनाया जाएगा पर्यटन केंद्र

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिले के उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद ने शुक्रवार को लातेहार के प्रमुख पर्यटन स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चरका डैम, उदयपुरा कोमो पहाड़ी और ललमटिया डैम का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान डीडीसी ने संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। चरका डैम, जो प्रवासी पक्षियों के लिए प्रसिद्ध है, को ईको-टूरिज्म हॉटस्पॉट के रूप में विकसित करने की योजना है। नवंबर से मार्च के बीच यहां कई दुर्लभ व रंग-बिरंगे पक्षियों का डेरा होता है, जो पक्षी प्रेमियों और फोटोग्राफरों को आकर्षित करता है। कोमो पहाड़ी की हरियाली और शांति भी पर्यटकों को लुभाती है। डीडीसी ने कहा कि लातेहार में पर्यटन की काफी संभावनाएं हैं, जिन्हें बेहतर योजना के साथ विकसित किया जा सकता है। इस दौरान जिला खेल पदाधिकारी सह पर्यटन पदाधिकारी संजीत कुमार, जिला पर्यटन विशेषज्ञ अभिजीत कुमार और खेल समन्वयक लखेश्वर मंडल उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान स्थलों की अवस्थिति, पहुंच मार्ग, सुविधाएं और प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर विचार किया गया। प्रशासन का प्रयास है कि इन स्थलों को राज्य और देश के नक्शे पर एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में स्थान मिले।

निवेश के नाम पर करोड़ों की ठगी

- फर्जी कंपनियों ने लुभावने वादे कर लूटे गरीबों के सपने, आरोपी फरार

लातेहार (मनिका)। मटलोंग और विशुनबांध पंचायत के दर्जनों ग्रामीणों ने निवेश के नाम पर ठगी का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि गांव के नरेश प्रजापति और उसके साथी अभय प्रजापति ने फर्जी कंपनियों – वेलफेयर सोसाइटी, ग्रीन ट्री प्रोजेक्ट, सॉवरेन कोऑपरेटिव – के नाम पर लोगों से लाखों की राशि दुगनी-तिगुनी करने का झांसा देकर ठग ली और अब फरार हो गए हैं। निवेश के बदले ग्रामीणों को नकली प्रमाण पत्र और पोस्ट डेटेड चेक दिए गए जो बाउंस हो गए। जब लोगों ने पैसे वापस मांगे, तो कंपनी बंद होने का बहाना बनाकर आरोपी गायब हो गए। नरेश प्रजापति बेंगलुरु भाग चुका है। प्रोफेसर ज्याद्रेज ने कहा कि यह गंभीर आर्थिक अपराध है। प्रशासन को तुरंत एफआईआर दर्ज कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। कई पीड़ितों ने अपने बच्चों की शिक्षा और विवाह के लिए पैसा जमा किया था, जो अब डूब चुका है। ग्रामीणों ने कहा कि जल्द न्याय नहीं मिला तो वे सामूहिक आंदोलन करेंगे।

जनजातीय ग्राम उत्कृष्ट अभियान के तहत शिविर का आयोजन

हेरहंज (लातेहार)। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कृष्ट अभियान के अंतर्गत प्रखंड मुख्यालय स्थित हेरहंज पंचायत सचिवालय परिसर में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन पंचायत मुखिया प्रीति कुजूर, पंचायत सचिव अर्जुन राम और राजस्व कर्मचारी बिंदा उरांव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। शिविर में हेरहंज पंचायत क्षेत्र के दर्जनों जनजातीय परिवारों ने भाग लिया और अपनी समस्याएं आवेदन के माध्यम से संबंधित विभागों के समक्ष प्रस्तुत कीं। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित इस अभियान का उद्देश्य दूरस्थ जनजातीय गांवों में केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी देना और पात्र लाभुकों को उसका लाभ दिलाना है।

'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम के तहत एनएसएस ने किया पौधरोपण

लातेहार। बनवारी साहू महाविद्यालय, लातेहार में वन महोत्सव 2025 के अंतर्गत 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रदीप कुमार तिवारी, कार्यक्रम पदाधिकारी नवल किशोर प्रसाद और माय भारत केंद्र के जिला युवा अधिकारी कंचन कुमारी उपस्थित रहे। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक छात्र को अपनी मां के नाम एक पौधा लगाकर प्रकृति और मातृत्व दोनों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण असंतुलन वैश्विक चिंता का विषय है और इसका समाधान वृक्षारोपण के माध्यम से ही संभव है। कार्यक्रम में यह जानकारी दी गई कि 1 से 7 जुलाई तक जागरूकता अभियान चलाकर छात्रों को पौधारोपण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। स्वयंसेवक अपने गांवों में भी पौधे लगा रहे हैं। कार्यक्रम पदाधिकारी ने बताया कि यह केवल एक पर्यावरणीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ाव की पहल भी है। इस आयोजन से छात्रों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता बढ़ी है और वे इसे एक व्यक्तिगत जिम्मेदारी मानकर भाग ले रहे हैं। महाविद्यालय परिसर के अलावा कई छात्र-छात्राएं अपने घरों और मोहल्लों में भी पौधे लगा रहे हैं।

मोहर्रम को लेकर पुलिस प्रशासन ने किया फ्लैग मार्च

बालूमाथ। मोहर्रम पर्व को लेकर शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को बालूमाथ में पुलिस प्रशासन द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। यह मार्च बालूमाथ थाना परिसर से आरंभ होकर प्रमुख स्थानों से होते हुए पुनः थाना परिसर में समाप्त हुआ। फ्लैग मार्च में लातेहार अनुमंडल पदाधिकारी अजय कुमार रजक, बालूमाथ एसडीपीओ विनोद रवानी, पुलिस निरीक्षक परमानंद बिरुआ, अंचल अधिकारी विजय कुमार, थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार, बीडीओ सोमा उरांव सहित कई पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। एसडीओ अजय कुमार रजक ने मौके पर लोगों से अपील करते हुए कहा कि मोहर्रम पर्व को आपसी भाईचारे, सौहार्द और शांतिपूर्वक मनाएं। किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना दें। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और उपद्रव फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज बॉक्स

आमने-सामने की बाइक टक्कर में युवक घायल

चंदवा (लातेहार)। शुक्रवार को गैरेज लेन के समीप दो बाइक के आमने-सामने की टक्कर में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान रामपुर निवासी दिनेश भुइंया के रूप में हुई है। वह मां उग्रतारा मंदिर से पूजा कर अपने घर लौट रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विपरीत दिशा से आ रही बाइक ने सीधी टक्कर मार दी। घायल दिनेश को स्थानीय लोगों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदवा लाया गया, जहां डॉक्टर कंचन बाड़ा की देखरेख में इलाज किया गया। डॉक्टरों के अनुसार, युवक का एक पैर टूट गया है और शरीर पर कई गंभीर चोटें आई हैं। स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना पर चंदवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

चंदवा में अष्टमी को निकला निशान जुलूस

चंदवा। मुहर्रम की अष्टमी के अवसर पर चंदवा प्रखंड के हरैया, शुक्रबाजार, कामता, बेलवाही, कुजरी, तिलैयाटांड़ और परसाही से या हसन, या हुसैन के नारों के साथ निशान जुलूस निकाला गया। सभी जुलूस हरैया मोड़ पर एकत्र होकर फातेहा पढ़ा गया। इसके बाद रेलवे फाटक के समीप सभी निशानों का मिलान किया गया। जुलूस की अगुवाई रियाज खान उर्फ बाबर खान सहित स्थानीय लोगों ने की। उन्होंने कहा कि चंदवा हमेशा से गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक रहा है। शनिवार को छोटकी चौकी का जुलूस निकाला जाएगा जबकि रविवार को ताज़िया जुलूस के साथ पहलाम निकाला जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल होंगे।

ग्रीन फील्ड एकेडमी में पर्यावरण संरक्षण को लेकर पौधरोपण कार्यक्रम

चंदवा (लातेहार)। ग्रीन फील्ड एकेडमी परिसर में शुक्रवार को पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और प्रबंधन टीम ने मिलकर सहभागिता दिखाई। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या अन्नाकुट्टी, निदेशक अरविंद सिंह, सह-निदेशक अनुराधा सिंह एवं शिक्षक एलेक्सियस कंडुलना ने विद्यार्थियों के साथ मिलकर विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए। सभी ने पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने एवं लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने की शपथ भी ली। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्या ने कहा कि वृक्ष न केवल वायुमंडल को शुद्ध करते हैं, बल्कि जलवायु परिवर्तन से लड़ने में भी हमारी सहायता करते हैं। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे पेड़ों को अपना मित्र समझें और उनकी देखभाल जिम्मेदारी से करें। निदेशक अरविंद सिंह एवं सह-निदेशक अनुराधा सिंह ने छात्रों के उत्साह की सराहना की और कहा कि इस तरह के आयोजनों से बच्चों में प्रकृति के प्रति लगाव और जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने आस-पास के लोगों को भी पौधारोपण के लिए प्रेरित करें। विद्यालय प्रबंधन ने ऐसे कार्यक्रमों को समय-समय पर आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई, ताकि भावी पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति जागरूक और संवेदनशील बनाया जा सके।

शपथ पत्र

मैं, अभिषेक कुमार दुबे पिता-विश्वनाथ दुबे ग्राम-कोल्हुआ खुर्द, पो.- कटुअल, थाना- चैनपुर, जिला पलामू, झारखंड का निवासी हूं। मैं शपथ पूर्वक घोषणा करता हूँ कि अक्षरा कुमारी मेरी पुत्री है। मेरी पुत्री के आधार कार्ड में नाम तान्या कुमारी है तथा उसकी जन्मतिथि 30.12.2008 दर्ज है, जबकि सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों में उसका नाम अक्षरा कुमारी है तथा उसकी जन्मतिथि 30.12.2009 है। तान्या कुमारी तथा अक्षरा कुमारी एक ही व्यक्ति हैं। जो मेरी पुत्री का ही नाम है।

शपथ पत्र संख्या : 15/4468 दिनांक : 03/07/2025

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED
(CIN: U40108JH2013SGC001704)
OFFICE OF THE
GENERAL MANAGER, TRANSMISSION ZONE-IV, MEDININAGAR
Byepass Road, Sudna, Near Sinchai Vibhag, Medininagar – 822101, Jharkhand
e-mail : gmtzdal@gmail.com

E- Tender Notice

e-NIT No. 236/PR/ JUSNL/ 2025-26

E- Tender is invited in two parts i.e. Technical Part (Part–I) and Price Part (Part–II) from reputed, capable, experienced and financially sound firm / agency / contractor for the following work:-

Name of Work	Work of regular Watching/Patrolling of 400 kV D/C QM Latehar - Chandwa Transmission Line w.e.f. 01/08/2025 to 31/03/2026 along with transportation of mandatory spare materials of 400 kV Chandwa-ESSAR D/C Transmission line from GIS Chandwa (PGCIL) to 400/220/132 kV GSS, Latehar.
Period of Work	01.08.2025 to 31.03.2026.
Tender fee (Non-refundable)	Rs.5,900.00/- Rupees Five Thousand and Nine Hundred only. (to be paid through online mode only)
Earnest Money Deposit	Rs.51,400.00/- Rupees Fifty One Thousand and Four Hundred only. (to be paid through online mode only)
Availability of Tender Documents on e-tender website	From 08.07.2025 at 02.00 PM to 28.07.2025 upto 3:00 PM
Start Date and time of upload of BID	08.07.2025 at 02:00 PM
End date and time of upload of BID	28.07.2025 upto 03:00 PM
BID Opening date for Technical Part (Part-I)	29.07.2025 at 03:00 PM
BID Opening date for price part	Will be communicated later on
Tender Inviting Authority and address for communication	General Manager, Transmission Zone-IV, Medininagar, Byepass Road, Sudna, Near Sinchai Vibhag, Medininagar – 822101, Jharkhand

1. e-Tender document and BOQ including terms & conditions, tender specification can be downloaded from website http://jharkhandtenders.gov.in. Any details / clarification required in this regard can also be obtained from the office of the undersigned during office hours. Please contact 7488012827 for any enquiry.
2. **The bids will be received through electronic tendering mode only.**
3. Bidder shall deposit tender fee & EMD as mentioned above through online mode as per rules of e-tendering portal.
4. If there is sudden announcement of holiday by Govt. or Nigam on the date of opening of tender/ last date of submission of bid then the next working day will be considered.
5. No claim shall be entertained on account of disruption of internet services being used by bidders. Bidders are advised to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snag.

स्वहित एवं राष्ट्र हित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager
Transmission Zone-IV, Medininagar

PR 356527 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd (25-26)_D

कार्यालय, नगर पंचायत, लातेहार
जिला– लातेहार

खुली डाक आमंत्रण सूचना संख्या– 16/2025–26
आम सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि भारत माता भवन में संचालित जिम के बगल में निर्मित कैन्टीन के संचालन एवं रख–रखाव हेतु खुली डाक के माध्यम से एक वर्ष के लिए आवंटन किया जाना है। इच्छुक आवेदक अपने आवेदन के साथ आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र (अंचलाधिकारी, लातेहार एवं उपायुक्त लातेहार द्वारा निर्गत), फोटोग्राफ इत्यादी आवेदन के साथ जमा करना अनिवार्य होगा। भारत माता भवन के बगल में निर्मित कैन्टीन का आवंटन एक वर्ष के लिए खुली डाक के माध्यम से दिनांक 21.07.2025 को 12.00 बजे अपराहन् नगर पंचायत, लातेहार के सभागार में की जायेगी। कैन्टीन का विवरण निम्नवत है :–

क0. सं0	डाक बोले जाने वाले कैन्टीन का विवरण	डाक की न्यूनतम राशि	आवेदन भुल्क	डाक में भाग लेने हेतु आवेदन प्राप्त की अंतीम तिथि
01	भारत माता भवन में संचालित जिम के बगल में निर्मित कैन्टीन साईज 17' X 14'	40000.00	500.00	18.07.2025

नियम एवं शर्त–

1. भारत माता भवन में संचालित जिम के बगल में निर्मित कैन्टीन का आवंटन की प्रक्रिया एक से अधिक आवेदक के भाग लेने पर खुली डाक के द्वारा की जायेगी। साथ ही उच्चतम डाकवक्ता के पक्ष में कैन्टीन का आवंटन किया जायेगा।
2. आवेदक को कैन्टीन के डाक में भाग लेने से पूर्व नगर पंचायत, लातेहार के कार्यालय में **500.00 (पांच सौ) रू0 नगद** जमा कर आवेदन पत्र प्राप्त करना होगा। तदोपरान्त उसे भर कर कार्यालय में उपरोक्त डाक की निर्धारित तिथि से पूर्व दिनांक 19.07.2025 तक जमा करने के बाद ही संबंधित आवेदक को डाक में भाग लेने दिया जायेगा। इस राशि की वापसी/सामायोजन नहीं की जायेगी।
3. कैन्टीन की खुली डाक उपस्थित आवेदको के बीच नगर पंचायत, लातेहार के कार्यालय कक्ष में गठित समिति की उपस्थिति में किया जायेगा।
4. यदि निर्धारित तिथि को उपरोक्त कैन्टीन की खुली डाक में एक ही आवेदक के द्वारा भाग लिया जाता है तो राजस्व की क्षती को ध्यान में रखते हुए संबंधित आवेदक को न्यूनतम डाक की राशि प्राप्त करते हुए कैन्टीन का आवंटन एक वर्ष के लिए कर दी जायेगी। यदि उपरोक्त कैन्टीन के खुली डाक में एक से अधिक आवेदक के द्वारा आवेदन किया जाता है तो संबंधित आवेदक के बीच खुली डाक के माध्यम से उच्चतम डाकवक्ता के पक्ष में संबंधित कैन्टीन का आवंटन किया जायेगा।
5. आवेदक को कैन्टीन आवंटन होने के उपरान्त कैन्टीन की कुल क्षेत्रफल 238 फीट का 14.00 रू0 प्रतिवर्ग फिट की दर से प्रतिमाह 3340.00 (तीन हजार तीन सौ चालीस) रू0 किराया जमा करना अनिवार्य होगा।
6. आवेदक को कैन्टीन आवंटित हो जाने के उपरान्त डाक में बोली गई सम्पूर्ण राशि का **बैंक ड्राफ्ट/बैंकर चेक जो भारत माता भवन जिम सेन्टर, लातेहार के नाम से देय हो** 03 दिनों के अन्दर कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा, यदि 03 दिनों के अन्दर संबंधित आवेदक द्वारा समस्त राशि जमा नहीं की जाती है तो उनके विरूद्व कानुनी कारवाई की जायेगी।
7. डाक की राशि का समायोजन कैन्टीन हेतु निर्धारित किराये की आधी राशि में समायोजित किया जायेगा, शेश किराये की आधी राशि प्रत्येक माह समाप्ति के पहले सप्ताह में जमा करना अनिवार्य होगा। एक वर्श बित जाने के उपरान्त डाक के समय जमा की गई राशि का समायोजन भाड़ें में होने के उपरान्त जो शेश राशि बच जाती है, उसे आवेदक को वापस कर दिया जायेगा।
8. आवंटित कैन्टीन का एकरारनामा नगर पंचायत, लातेहार द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्त्तो के अधिन डाक की पूर्ण राशि जमा होने के उपरांत अगले एक वर्ष के लिए किया जायेगा।
9. कैन्टीन आवंटित होने पर संबंधित दुकान का ट्रेड लाईसेंस नगर पंचायत लातेहार के कार्यालय से बनाना अनिवार्य होगा।
10. न्यायालय से संबंधित वादों का निष्पादन लातेहार अवस्थित न्यायालयों में ही मान्य होगा।
11. उपरोक्त डाक के संदर्भ में किसी भी प्रकार की जानकारी नगर पंचायत लातेहार के कार्यालय से कार्य दिवस में ली जा सकती है।
12. उपरोक्त डाक को बिना कारण बताये किसी भी स्टेज में रद्व करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षीत होगा। जिसे कही भी चुनौती नहीं दी जा सकती है।

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर पंचायत, लातेहार

PR 356487 (Urban Development)25-26*D

शिक्षा के क्षेत्र में ज्योतिष विद्या का योगदान : डॉ. रजनीकांत पाठक

लोहरदगा। शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा के वंदना सभागार में ज्योतिष व्याख्यान कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य बिपिन कुमार दास,ज्योतिष शास्त्री डॉ. रजनीकांत पाठक, राजीव सिंह, प्रणव पाठक ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती, ऊं ,भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्जवलन एवं पुष्पार्चन किया। व्याख्यान अतिथि ज्योतिषगुरु सह नक्षत्र वाचस्पति डॉ रजनीकांत पाठक को प्रधानाचार्य ने अंग वस्त्र देखकर सम्मानित किया। ज्योतिष शास्त्र के व्याख्याता डॉ रजनी पाठक ने अपने संबोधन में भारत सरकार भारतीय ज्ञान प्रणाली के तहत ज्योतिषी शास्त्र को वोकेशनल कोर्स के रूप में शिक्षा पद्धति में शामिल करने का विचार कर रही है।

इंटर+2 विद्यालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा

लोहरदगा। शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य बिपिन कुमार दास को मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर (+2) विद्यालय का अतिरिक्त प्रभार प्राचार्य के रूप में प्रांतीय योजनानुसार सौंपा गया। पदभार ग्रहण के उपरांत बिपिन कुमार दास को विद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं। इस अवसर पर प्रबंधकारिणी समिति ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में संस्थान नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। उनके अनुभव एवं ज्ञान से +2 विद्यालय के सभी भैया-बहन (विद्यार्थी) एवं आचार्य/दीदीजी (शिक्षकगण) लाभान्वित होंगे।

मुहर्रम को लेकर आयोजित जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में डीसी ने कहा-

गंगा-जमुनी तहजीब के लिए जाना जाता है लोहरदगा जिला

- सोशल मीडिया के अफवाहों का खंडन कर एक-दूसरे की भावनाओं का करें सम्मान

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ ताराचंद ने कहा कि लोहरदगा जिला अपने गंगा-जमुनी तहजीब के लिए जाना जाता रहा है। यहां विभिन्न समुदाय के लोग एक साथ मिलकर एक-दूसरे का पर्व-त्यौहार मनाते रहे हैं। हमें इसी परंपरा को आगे बढ़ाना है। वर्षों से जिले में सभी त्यौहार सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में संपन्न होते रहा है जिसके लिए शांति समिति से जुड़े सभी लोग, बुद्धिजिवी वर्ग, मीडिया, सद्भावना मंच के सदस्य, प्रशासनिक पदाधिकारीगण, पुलिस पदाधिकारीगण सभी बधाई के पात्र हैं। हमें आनेवाले मुहर्रम और घुरती रथ यात्रा में भी इसी तरह आपसी सद्भाव के वातावरण में यह त्यौहार संपन्न कराना है। उक्त बातें उपायुक्त, लोहरदगा डॉ ताराचंद ने आज मुहर्रम और घुरती रथ यात्रा के आयोजन को लेकर नगर भवन लोहरदगा में आयोजित जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में कही। उपायुक्त ने प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मुहर्रम के जुलूस के प्रस्तावित रूट का वेरीफिकेशन आवश्यक रूप से कर लिया जाए।

किसी भी परिस्थिति में रूट नहीं बदला जाए। बैठक में सभी प्रखंडों और शहरी क्षेत्र से आये शांति समिति के सदस्यों और युवा सद्भवना मंच के सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे। बैठक में अपर समाहर्ता जितेंद्र मुण्डा, आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, सिविल सर्जन डॉ शंभूनाथ चौधरी, अनुमण्डल दण्डाधिकारी अमित कुमार, डीएसपी मुख्यालय समीर तिर्की, एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा, भूमि सुधार उपसमाहर्ता सुजाता कुजूर समेत सभी जिला स्तरीय पदाधिकारीगण, सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, सभी थाना प्रभारी, विभिन्न प्रखण्डों से आये शांति समिति के सदस्य, सभी प्रखण्ड से आए युवा सद्भावना मंच के सदस्य व विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य उपस्थित थे।

अफवाहों को फैलने से रोकें, युवाओं को सचेत करें

उपायुक्त ने कहा कि सोशल मीडिया में किसी गलत सूचना को फैलने से रोकें। अगर शुरुआत में ही उस पर नियंत्रण कर लिया जाता है तो इसे रोका जा सकता है। किशोर व युवा वर्ग में सोशल मीडिया का उपयोग करनेवालों की संख्या बहुत अधिक है। इन्हें इनके अभिभावक समझाएं कि किसी प्रकार को अफवाह या किसी की धार्मिक आस्था से जुड़ी गलत सूचना को प्रसारित नहीं करें। ऐसा करनेवालों पर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। ऐसे किसी तरह की सूचना प्राप्त होने पर पुलिस व प्रशासनिक पदाधिकारी को अविलंब सूचित करें।

स्वास्थ्य विभाग व अग्निशमन अलर्ट मोड में रहें

उपायुक्त ने विद्युत विभाग को जुलूस के दिन विद्युत को नियंत्रित रखने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य विभाग और अग्निशमन विभाग को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया गया।नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को शहर की साफ सफाई और जगह जगह पर पेयजल की व्यवस्था करने का निर्देश उपायुक्त ने दिया।

सभी की आस्था का करें सम्मान : पुलिस अधीक्षक

पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी ने शांति समिति के सदस्यों से अपील की कि सभी समुदाय की आस्था का सम्मान करते हुए यह त्यौहार मनाया जाना चाहिए. बताया कि सोशल मीडिया पर गलत संदेश प्रचारित करने पर वैधानिक दंड का प्रावधान है। मुहर्रम जुलूस के दौरान पुलिस पदाधिकारी और दण्डाधिकारीयों को अपने-अपने क्षेत्र में तैनात रहने का निर्देश दिया। पर्व-त्यौहारों को सुचारू रूप से संपन्न कराये जाने के लिए शहरी क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाये गये हैं। स्टैटिक दण्डाधिकारियों व पुलिस बल की तैनाती की जा रही है। क्विक रिस्पॉन्स टीम भी गठित है। कंट्रोल रूम से सभी क्षेत्रों पर पैनी नजर रखी जा रही है।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा।
आवश्यक सूचना।
(चोरी की गई हिरो स्पलेण्डर प्लस मोटरसाईकिल)

गढ़वा थाना कांड सं0–193/2025 दिनांक–25.04.2025 धारा–303(2) बी0 एन0 एस0 2023 में चोरी की गयी हिरो स्पलेण्डर प्लस मोटरसाईकिल जिसका रजी0 नं0– JH14C-1136 एवं इंजन नं0–HA10EJC9G11307 एवं चेचिस नं0– MBLHA10AMC9G08532 का अज्ञात चोर के द्वारा दिनांक–21.04.2025 को समय 12:30 बजे सदर अस्पताल गढ़वा के पोर्टिको के बगल से चोरी कर लिया गया है। जिसकी बरामदगी अबतक नहीं हो पाई है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त चोरी की गयी वाहन के बारे में किसी प्रकार की लाभप्रद सूचना किसी व्यक्ति को प्राप्त हो तो पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मो0नं0–9431706284, या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0–9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक,
गढ़वा।

PR 356562 Police(25-26)D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा।
आवश्यक सूचना।
(नोटिस)

नाम–(1) प्राथमिकी अभियुक्त अशोक पासवान, पिता–गुदाड़ी पासवान, ग्राम–लमारीकला, थाना–काण्डी, जिला–गढ़वा, राज्य–झारखण्ड आपको सूचित किया जाता है कि आप कांडी थाना कांड सं0–144/2021 दिनांक–10.11.2021 धारा–323, 498(ए), 506, 34, भा0द0वि0 एवं 3/4 दहेज प्रथा प्रतिषेध अधिनियम के प्राथमिकी अभियुक्त हैं। आप उक्त काण्ड में अबतक फिरार चल रहे है। माननीय न्यायालय, श्रीमति विणा कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी, गढ़वा, जिला–गढ़वा, झारखण्ड के द्वारा आपके विरुद्ध इश्तिहार निर्गत किया गया है। दिनांक–08.03.2025 को आपके स्थाई पते के घर में इश्तिहार का विधिवत तामिला किया गया है। परन्तु आप अपने स्थाई पता से भी फिरार है। अतः आपको सूचित किया जाता है कि माननीय न्यायालय, श्रीमति विणा कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी, गढ़वा, जिला–गढ़वा, झारखण्ड के न्यायालय में आप अविलंब आत्मसमर्पण करना सुनिश्चित करें।

पुलिस अधीक्षक,
गढ़वा।

PR 356559 (Police) 25-26 (D)

खनन विभाग की कार्रवाई में दो ट्रैक्टर जब्त

लोहरदगा। शुक्रवार सुबह अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम हेतु खनन विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई जिला खनन पदाधिकारी राजाराम प्रसाद के नेतृत्व में एवं खनन निरीक्षक अजय कुमार महतो की सक्रिय भागीदारी में की गई। अभियान के दौरान कुटमु (लोहरदगा-किस्को पथ) पर एक ट्रैक्टर, तथा निगनी (लोहरदगा-बगरू पथ) पर एक अन्य ट्रैक्टर को बिना वैध परिवहन चालान के बालू ढोते हुए पकड़ा गया। दोनों ट्रैक्टरों को जब्त कर लोहरदगा थाना को सुपुर्द कर दिया गया है। प्रकरण में खनिज अधिनियम के तहत अग्रेतर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। जिला खनन पदाधिकारी राजाराम प्रसाद ने बताया कि अवैध खनन एवं परिवहन पर निगरानी लगातार जारी है, और भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार चलाए जाएंगे। साथ ही उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे खनिज संबंधित नियमों का पालन करें और किसी भी प्रकार की अनियमितता की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

बीज की उपलब्धता किसानों को कृषि कार्य में बढ़ावा मिलेगी : एनुल अंसारी

कुड़ू/लोहरदगा। जिले के कुड़ू प्रखंड कृषि कार्यालय आत्मा की ओर से किसानों के बीच मड़ूआ, अरहर बीज का वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कुड़ू प्रखंड के उप प्रमुख एनुल अंसारी द्वारा क्षेत्र के सैकड़ों किसानों के बीच में अरहर, मड़ूआ बीज का वितरण किया गया। इस मौके पर उप प्रमुख ऐनुल अंसारी ने कहा कि कुड़ू प्रखंड कृषि और आत्मा विभाग द्वारा क्षेत्र के किसानों को समय पर विभिन्न किस्मों के बीज उपलब्ध कराकर खेती कार्य को बढ़ावा देने का सराहनीय कार्य कर दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि समय से किसानों को खेती कार्य हेतु बीज की उपलब्धता होने से खेती कार्य को समय से संपादित करने में मदद मिलती है। अच्छे उत्पादन की संभावना बढ़ जाती है। उप प्रमुख ऐनुल अंसारी ने कहा कि क्षेत्र के ज्यादातर लोग कृषि कार्य से जुड़े हुए हैं, ऐसे में समय से कृषि और आत्मा विभाग द्वारा किसानों के बीच बीज वितरित कर काफी बेहतर कार्य कर दिखाया गया है जो प्रशंसनीय है। मौके पर कुड़ू प्रखंड की एटीएमए आभा कच्छप मतिउर रहमान,कलीम खान,मनोरमा एक्का व अन्य लोग मौजूद थे।

किसानों को अरहर का बीज दिया गया

कुड़ू। कृषि विभाग लोहरदगा की ओर को प्रखंड कुडू के ऐटिक सेंटर मे कुडू अंचलाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी मधुश्री मिश्रा के अध्यक्षता में एनएफएसएम के तहत कुडू प्रखंड क्षेत्र के कोलसिमरी, उमरी एवं जिनगी के किसानों के बीच दलहन अरहर, मडुवा, मक्का, बीज का वितरण किया गया । मौके पर कुडू अंचलाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी मधुश्री मिश्रा, बीटीएम सुनीता टोप्पो, एटीएम आभा प्रियंका कच्छप एवं किसान उपस्थित थे। वहीं कोलसिमरी गांव के टाना भगत किसानों को एनएफएसएम क्लस्टर डेमोंस्ट्रेशन योजनांतर्गत अरहर का बीज ओटीपी के माध्यम से दिया गया। इस मौके पर कुडू सीओ सह बीडीओ मधुश्री मिश्रा ने टाना भगतो से कही की आपलोगो का कोई समस्या हो तो कुडू अंचल एसएसएच प्रखंड कार्यालय आकर मुझसे मिले। आपलोगो का समस्या का समाधान यथा संभव की जाएगी। आपलोग अच्छे से खेती कीजिये और अपना आय बढ़ाई।

64 वीं जिला स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी कप के शुभारंभ

खेल हमें अनुशासन सिखाता है : डॉ ताराचंद

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ ताराचंद द्वारा दो दिवसीय 64वां सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता-2025 का शुभारंभ समाहरणालय मैदान में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करने के पश्चात् मैदान में दोनों टीमों किस्को और लोहरदगा के अंडर-17 बालक वर्ग के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया गया। साथ ही मैच का टॉस उपायुक्त द्वारा कराया गया और मैच की विधिवत शुरूआत की गई। उपायुक्त ने कहा कि लोहरदगा जिला में फुटबॉल खेल के प्रति अलग ही लेवल का जुनून है। यहां लगभग प्रत्येक गांव के युवा फुटबॉल खेलते हैं। जिला प्रशासन द्वारा जिला के विभिन्न पंचायतों में पोटो हो खेल विकास योजना अंतर्गत खेल मैदान का निर्माण कराया गया है साथ ही मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध करायी जा रही है। साथ ही आने वाले दिनों में खेल के विकास के लिए जिला प्रशासन और भी सुविधाएं मुहैया कराएगी। खिलाड़ियों को उपायुक्त ने कहा कि आज खेल के क्षेत्र में कॅरियर की अपार संभावनाएं हैं। खेल का महत्व सिर्फ शारीरिक शक्ति का प्रदर्शन नहीं है बल्कि लक्ष्य की प्राप्ति के लिए खेल हमें अनुशासन और टीम भावना सिखाता है। अब समय बदल चुका है। सिर्फ पढ़ाई से ही नहीं बल्कि खेल में भी अच्छा कर कॅरियर बनाया जा सकता है। लोहरदगा जिला के युवाओं के काफी प्रतिभा छुपी हुई। सही मंच व अवसर मिलने पर आप कुछ ही हासिल कर सकते हैं। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिजीत कुमार, एडीपीओ विनय बंधु कच्छप, क्षेत्र प्रबंधक आकाश कुमार समेत अन्य सहयोगी उपस्थित थे।

मुहर्रम को लेकर ट्रैफिक डायवर्जन आदेश जारी, भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। मुहर्रम त्योहार को लेकर आगामी 6, 7 और 8 जुलाई को लोहरदगा जिला प्रशासन द्वारा विशेष ट्रैफिक व्यवस्था लागू की गई है। जुलूस और मेलों के कारण शहर के विभिन्न हिस्सों में भीड़ की संभावना को देखते हुए यातायात प्रभारी के प्रस्ताव पर अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्रद्धा केरकेट्टा ने संयुक्तादेश जारी किया है। आदेशानुसार, उक्त तीन दिनों तक रात 12:00 बजे तक लोहरदगा शहरी क्षेत्र में भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा, जबकि छोटे वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट किया जाएगा। 06 जुलाई को कुडू-लोहरदगा-गुमला, बेड़ो और किस्को की ओर से आने वाले भारी वाहन क्रमशः कंडरा चौक, चट्टी पिकेट, शंख पिकेट और किस्को मोड़ पर रोके जाएंगे। छोटे वाहन बीएस कॉलेज जुरिया मोड़, मैना बगीचा होते हुए मेन रोड तक पहुंच सकेंगे।

07 जुलाई को सेन्हा चौक और भंडरा बाजार में मेला लगने के कारण जोगना मोड़, मित्रा पेट्रोल पंप, पझरी पहाड़ और मसमानो चौक पर भारी वाहनों को रोका जाएगा। छोटे वाहनों को स्थानीय ग्रामीण मार्गों से डायवर्ट किया जाएगा। 08 जुलाई को बीएस कॉलेज पिकेट के सामने मेला आयोजन के चलते बरवाटोली चौक और जुरिया मोड़ पर नो-एंट्री घोषित की गई है।

भंडरा की ओर से आने वाले भारी वाहनों को सिठियो पुल पर रोका जाएगा और छोटे वाहन वैकल्पिक मार्ग से बक्सीडीपा होते हुए निकले जाएंगे। प्रशासन ने आम जनता, वाहन चालकों और व्यापारियों से सहयोग की अपील की है ताकि मुहर्रम पर्व के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके और किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, गढ़वा
प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा एस0ए0 कन्स्ट्रक्शन, गढ़वा को सूचित किया जाता है कि आपके द्वारा मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अन्तर्गत अधौरी मोड़ आर0ई0ओ0 रोड से गरनाहा पहाड़ भाया गड़ई टोला तक पथ निर्माण कार्य आपको आवंटित की गई है, जिसका एकरारनामा करने हेतु इस कार्यालय का पत्रांक 2309 दिनांक 15.10.2024 एवं पत्रांक 292 दिनांक 06.02.2025 द्वारा सूचना देने के बावजूद आपके द्वारा अभी तक न तो अग्रधन की राशि जमा की गई है, और न ही एकरारनामा की दिशा में कोई कारवाई की जा रही है, जो खेद का विशय है।

अतः आपको अंतिम स्मार करते हुए निर्देश दिया जाता है कि सात दिनों के अन्दर अपने निविदा संबंधित मूल कागजातों एवं Work Programme के साथ एकरारनामा करने हेतु कार्यालय में उपस्थित हों, अन्यथा आपको आवंटित कार्य रद्ध करने हेतु अनुशंसा करते हुए आपका जमा अग्रधन की राशि जब्त कर ली जायेगी। इसके लिए आप स्वंय जिम्मेवार होंगे।

कार्यपालक अभियंता
ग्रा0का0वि0,कार्य प्रमंडल, गढ़वा

PR 356557 Rural Work Department(25-26).D

कार्यालय नगर परिषद, लोहरदगा
Email id- nagarparishadlohardaga@gmail.com

अति अल्पकालिन कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या– 09/2025–26

इच्छुक अधिकृत फर्म/आपूर्तिकर्त्ता/निर्माता/विक्रेता निम्नांकित सामग्रियों से संबंधित अपनी कोटेशन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में समर्पित कर सकते हैः–

विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद, लोहरदगा।
कोटेशन प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक– 14.07.2025 को 3:00 बजे अप0 तक।
कोटेशन खोलने की तिथि, समय एवं स्थान :– दिनांक– 14.07.2025 को 3:30 बजे अप0,नगर परिषद, लोहरदगा के सभा कक्ष में।

SL No.	Work Name		Rate Including All Taxes with Company Name (Per Set)
1	LED Street Light (45/48Watt)	S.I.T.C of floowing rating LED Street lighting luminarie with pressure die cast housing and toughened glass cover (IP 66 Protection) in existing pole/pipe for supply voltage 100-270V AC, 50Hz. Luminarie shall be confirm to IS:10322 part-5/section-3 and shall be complete with all neccssary accessories as required. (Make Orient, Bajaj, Havells and Crompton)	
2	LED Street Ligth (70/72Watt)		
3	High Mast LED Flood Light (200 Watt)	S.I.T.C of floowing rating LED Flood lighting luminarie with pressure die cast housing and toughened glass cover (IP 66 Protection) in existing pole/pipe for supply voltage 100-270V AC, 50Hz. Luminarie shall be confirm to IS:10322 part-5/section-5 and shall be complete with all neccssary accessories as required. (Make Orient, Bajaj, Havells and Crompton)	

नोटः– कोटेशन की शर्त एंव विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद, लोहरदगा के सूचना पट्ट एवं https://udhd.jharkhand.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

प्रशासक
नगर परिषद, लोहरदगा।

PR.NO.356564 Lohardaga(25-26):D

कार्रवाई | लोहरदगा में फिर मवेशी चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

लग्जरी गाड़ियों से हो रही सुनियोजित चोरी, ग्रामीणों में हुआ आक्रोश

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिले में मवेशियों की चोरी की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। ताज़ा मामला शहरी क्षेत्र के साइडिंग कुटमू मोहल्ले का है, जहां अज्ञात चोरों ने एक दुधारू गाय को चोरी कर लिया। पीड़ित रिजवान अंसारी ने बताया कि बीती रात जब वे घर के अंदर सो रहे थे, उसी दौरान अज्ञात चोरों ने उनकी गाय को घर के पास से चुपचाप बांधकर ले गए। सुबह जब उन्होंने गाय को वहां नहीं पाया, तो खोजबीन शुरू की गई। इलाके में लगे एक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में कुछ युवक गाय को रस्सी से बांधकर ले जाते साफ दिख रहे हैं। इसके आधार पर रिजवान ने सदर थाना में आवेदन देकर कुरैशी मोहल्ला और आजाद बस्ती के कुछ युवकों पर संदेह जताया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बीते कुछ महीनों से मवेशियों की चोरी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। खास बात यह है कि अब ये गिरोह परंपरागत तरीकों से नहीं, बल्कि हाईटेक और सुनियोजित ढंग से चोरी कर रहे हैं। चोरी के लिए लग्जरी गाड़ियों का उपयोग किया जा रहा है ताकि किसी को शक न हो और अपराध के बाद आसानी से भागा जा सके।

ग्रामीणों में भय और रोष

घटना के बाद मोहल्ले में भय और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय निवासी बताते हैं कि कई लोग अपनी आजीविका के लिए मवेशियों पर निर्भर हैं। ऐसे में गाय या बैल की चोरी उनके जीवन पर सीधा असर डालती है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि इस गिरोह का जल्द पर्दाफाश किया जाए और पशु चोरी की रोकथाम के लिए शहरी और ग्रामीण इलाकों में रात्रि गश्ती बढ़ाई जाए। सदर थाना पुलिस ने बताया कि आवेदन मिलते ही मामला दर्ज कर लिया गया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही इस मामले में गिरफ्तारी की जाएगी।

कार्यालय, जिला कृषि पदाधिकारी, पलामू
किसान भाईयों के लिए आवश्यक सूचना

पलामू जिला के किसान भाईयों को सूचित किया जाता है कि सरकार द्वारा विभिन्न अनुदानित उर्वरकों का कम्पनीवार प्रति बोरी अधिकतम खुदरा मूल्य (MRP) निम्न प्रकार से निर्धारित किया गया है :–

(Rate in Rs.)

Sl No	Company Name	Urea	DAP	MOP	SSP	Complex				
	Ind./Imp.	Ind./Imp.				20:20:0:13	16:16:16	14:28:00	14:28:14	10:26:26
1	IFFCO	266.50	1350.00	-	-	1300.00	-	-	-	1720.00
2	NFL	266.50	1350.00	-	-	-	-	-	-	-
3	YARA	266.50	-	-	-	-	-	-	-	-
4	KFL/ KRIBHCO	266.50	1350.00	-	-	-	-	-	-	-
5	INDORAMA	266.50	1350.00	1525.00	540.00	1325.00	-	1400.00	1650.00	1725.00
6	IPL	266.50	1350.00	1535.00	565.00	-	1475.00	-	-	-
7	MATIX	266.50	-	-	-	-	-	-	-	-
8	HURL	266.50	-	-	-	-	-	-	-	-
9	PPL	-	1350.00	-	-	1350.00	-	-	-	-
10	SAI	-	-	-	550.00	-	-	-	-	-
11	BVFCL	266.50	-	-	-	-	-	-	-	-
12	BEC	-	-	-	575.00	-	-	-	-	-

नोट :
1. यूरिया प्रति बोरी 45 Kg. Pack Size की होती है एवं शेष उर्वरकों की बोरी 50 Kg. Pack Size की होती है।
2. यदि किसी खुदरा विक्रेता द्वारा उक्त निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर उर्वरकों की बिक्री की जाती है तो ऐसी स्थिति में प्रखण्ड के प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी/प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक, जिला कृषि कार्यालय, पलामू तथा संयुक्त कृषि निदेशक, पलामू में उसकी शिकायत की जा सकती है।
3. यदि किसी बिक्रेता द्वार जबरन अनुदानित उर्वरकों के साथ गैर अनुदानित (यूरिया/डी0ए0पी0 को छोड़कर) उर्वरकों की बिक्री की जाती है तो ऐसी स्थिति में सम्बन्धित बिक्रेता की अनुज्ञप्ति रद्द करते हुए उनके विरूद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के सुसंगत धाराओं के तहत सख्त कारवाई की जाएगी।

जिला कृषि पदाधिकारी
पलामू

PR 356528 Agriculture(25-26).D

राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय के जर्जर भवन का जायजा लेने पहुंचे प्रखंड प्रमुख व बीडीओ

नवीन मेल संवाददाता

राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय कोड़ेदाग का भवन हुआ जर्जर
● छत गिरने की खतरे से भय के माहौल में पढ़ रहे विद्यार्थी
नवीन मेल संवाददाता

खबर का असर

सिसई (गुमला)। प्रखंड क्षेत्र के राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय कोड़ेदाग का चार जर्जर कमरा के नीचे भय के साये में छोटे-छोटे मासूम बच्चों के पढ़ने की खबर राष्ट्रीय नवीन मेल अखबार में तीन जुलाई को प्रमुखता से खबर प्रकाशित हुआ था उसपर संज्ञान लेते हुए शुक्रवार की दोपहर को सिसई प्रखंड प्रमुख मीना देवी, उप प्रमुख निलेश उरांव, प्रखंड विकास पदाधिकारी रमेश कुमार यादव सहित 15 वें वित्त के प्रखंड समन्वयक प्रवीण कुमार विद्यालय का निरीक्षण करने पहुंचे। विद्यालय पहुंचते ही विद्यालय परिसर का साफ सफाई विद्यार्थियों की उपस्थिति और अनुशासन को देखकर भारी उत्साहित हुए। विद्यालय के प्रधानाध्यापक मनमोहन मिश्रा ने आंख में आंसू भरते हुए विद्यालय के जर्जर भवन और अन्य सभी परेशानियों को बताया। जहां उन्होंने कहा इन सभी गरीब बच्चों का भविष्य को बचा लीजिए। इस विद्यालय के आसपास नजदीक में और कोई विद्यालय नहीं है। जिसके कारण इस क्षेत्र के सभी विद्यार्थी कक्षा एक से दसवीं तक के पढ़ाई करने के लिए आते हैं। वहीं उन्होंने बताया कि विद्यालय में शिक्षकों का अभाव है जिसके कारण बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने में परेशानी हो रही है। विद्यालय में कुल 7 रूम है जिसमें से चार रूम की स्थिति बहुत ही खराब है वहीं तीन रूम ठीक ठाक है जिसमें एक रूम में कार्यालय और दो रूम में कक्षा नौवीं और दसवीं के विद्यार्थी बैठते हैं। प्रधानाध्यापक संग सभी लोगों ने सभी कक्षाओं का निरीक्षण किया वहीं टपकते छत के नीचे बैठे बच्चों को तत्काल वहां से हटाया गया।

विद्यार्थियों को वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने की दी जानकारी

सिसई (गुमला)। सिसई प्रखण्ड के शिवनाथपुर पंचायत में स्थित प्रस्तावित कुड़ुख विद्यालय में त्रिमूर्ति प्लांट साइंसेज प्रा०लि० के प्रोडक्ट डेवलपमेंट ऑफिसर संजय कुमार राय व स्कूल के प्रधानाध्यापक सुकरु उरांव के द्वारा कक्षा नौवीं और दसवीं के छात्रों को मक्का की खेती करने के लिए खेत में प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। खेतों में बीज बोने की दूरी को बताया गया। रो टू रो, 60 सेंटीमीटर और प्लांट टू प्लांट की दूरी 20 सेंटीमीटर पर मक्का लगा कर बतलाया गया। किसान परिवार से आने वाले छात्रों ने खेती की वैज्ञानिक पद्धति को देखकर बेहद खुश और प्रभावित हुए। छात्रों ने कहा कि हम सभी अपने अपने घरों में भी वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने के लिए घरवालों को प्रेरित करेंगे। संजय राय ने बताया कि इस विधि से खेती करने पर किसानों की आय दोगुनी हो जाती है। सभी छात्र वैज्ञानिक विधि से खेती करने की बातें कहीं।

पांच वर्षीय आदिवासी बच्ची के साथ दुष्कर्म, मामला दर्ज

सिसई। सिसई प्रखंड थाना प्रभारी प्रकाश तिर्की ने बृहस्पतिवार रात 8:00 बजे के आसपास जानकारी देते हुए कहा कि पुसो थाना क्षेत्र के एक आदिवासी महिला द्वारा थाना में आवेदन देते हुए बताया गया है कि बीते 1 जुलाई 2025 को उसकी 5 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ है। दुष्कर्म एक नाबालिक किशोर ने किया है। यह घटना उस समय घटी जब बच्ची नहाने के लिए डोभा गई हुई थी। उसी समय नाबालिक किशोर ने मिठाई खिलाने का लालच देकर बच्ची को झाड़ियों में ले गया और बच्ची के साथ कुकर्म किया। बच्ची ने जब सारी बात अपनी मां को बताई तो लोक लाज के बावजूद उन्होंने हिम्मत दिखाते हुए तुरंत पुसो थाना को इसकी सूचना दी। सूचना के मिलने पर पुसो थाना प्रभारी के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए बच्ची को मेडिकल के लिए भेज दिया गया।

गुमला पुलिस ने किया 24 घंटे के भीतर की गोलीकांड का खुलासा

3 आरोपी हथियार समेत गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। भरनो थाना क्षेत्र के बरन्दा गांव में जमीन विवाद को लेकर हुए गोलीकांड मामले में गुमला पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक हरीश बिन जमा ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि घटना के महज 24 घंटे के भीतर तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से हथियार, जिंदा कारतूस, मोटरसाइकिल एवं मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

गुरुवार की रात्रि लगभग 9:15 बजे, बरन्दा गांव निवासी हेमंत कुमार साहू (32 वर्ष) को अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी थी। घायल अवस्था में उन्हें रांची के पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक हरीश बिन जमा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गुमला सुरेश प्रसाद यादव के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया।

डॉ। शैलेश कुमार साहू (43 वर्ष) पिता स्व। सीताराम साहू, आनंद कुमार साहू (41 वर्ष), सूरज कुमार साहू (23 वर्ष) पिता रामचंद्र साहू

बरामद सामग्री- एक छः चक्रीय रिवॉल्वर, 23 जिंदा कारतूस,4 खाली खोखे, घटना में प्रयुक्त पैशन प्रो मोटरसाइकिल, 4 मोबाइल फोन

छापामारी दल में शामिल अधिकारी, सुरेश प्रसाद यादव – अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, गुमला, सुरेन्द्र कुमार सिंह – अंचल निरीक्षक, सिसई, कंचन प्रजापति – थाना प्रभारी, भरनो, अभिनंदन कुमार, मंटू चौधरी, अर्जुन कुमार यादव, विजय लकड़ा – पु।अ।नि।, भरनो थाना, तथा भरनो थाना का सशस्त्र बल।

एसपी हरीश बिन जमा ने जानकारी दी कि पूछताछ के दौरान तीनों आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। पुलिस द्वारा घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्य और पीड़ित के फर्द बयान के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि इस मामले में संलिप्त अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा गहन छापामारी अभियान जारी है।

बाइक व ऑटो के टक्कर में बाइक सवार घायल

सिसई (गुमला)। सिसई थाना क्षेत्र के बसिया रोड में बृहस्पतिवार शाम 6:30 बजे के आसपास एक ऑटो और बाइक में टक्कर हो गया। जिसमें बाईक सवार युवक बुरी तरह से घायल हो गया। आसपास के ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को तुरंत रेफरल अस्पताल सिसई पहुंचाया। जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया। एवं घायल युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे सदर अस्पताल गुमला रेफर कर दिया। समाचार लिखे जाने तक युवक का पहचान नहीं हो पाया था।

डीडीसी ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। डीडीसी दिलेश्वर महतो ने शुक्रवार को चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में बीएचयू के निर्माण की संभावनाओं को तलाशना भी था। डीडीसी महतो ने स्वयं स्वास्थ्य केंद्र की जमीन की मापी कराई और इस बात पर जोर दिया कि बीएचयू का निर्माण इसी उपयुक्त भूमि पर किया जाना चाहिए। चैनपुर के लोगों और स्वास्थ्य कर्मियों ने डीडीसी के इस कदम का स्वागत किया है। उनका मानना है कि बीएचयू के बनने से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं में काफी सुधार आएगा और लोगों को बेहतर इलाज मिल पाएगा।

पालकोट प्रखंड कार्यालय में मतदान केंद्र नक्शा व जियो फ्रेंसिंग को लेकर समीक्षा बैठक संपन्न

गुमला। आगामी निर्वाचन की तैयारियों के तहत आज पालकोट प्रखंड कार्यालय में मतदान केंद्रों के नजरी नक्शा, की-मैप एवं जियो फ्रेंसिंग को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय उरांव ने की। इसमें प्रखंड क्षेत्र के सभी बीएलओ और सुपरवाइजर उपस्थित रहे। बैठक के दौरान बीडीओ ने प्रत्येक बीएलओ से पर्यवेक्षक वार कार्य की प्रगति की समीक्षा की और सख्त निर्देश दिया। इन सभी दस्तावेजों को दिनांक 7 जुलाई 2025 तक अनिवार्य रूप से प्रखंड कार्यालय में जमा कराना सुनिश्चित करे। बैठक के दौरान प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी राम लखन सिंह यादव ने बैठक की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि निर्वाचन कार्य को व्यवस्थित, पारदर्शी एवं तकनीकी रूप से मजबूत बनाने के लिए यह कार्य अनिवार्य है। सभी बीएलओ को समयबद्ध तरीके से कार्य निष्पादन हेतु निर्देशित किया गया है।

हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार हुआ कुटमा का युवक

नाबालिग को भगाने के आरोप में जेल

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर अंचल के कुरूमगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत कुटमा गांव के रहने वाले 20 वर्षीय बंधा असुर को पुलिस ने हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उस पर एक नाबालिग लड़की को भगाने का आरोप है।यह मामला तब सामने आया जब लड़की के भाई ने पिछले महीने कुरूमगढ़ थाने में अपनी बहन के लापता होने और बंधा असुर द्वारा भगाए जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद कार्रवाई करते हुए पुलिस ने हिमाचल प्रदेश से दोनों को बरामद किया और गुरुवार शाम 4 बजे युवक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।जानकारी के अनुसार, बंधा असुर और नाबालिग लड़की बचपन से ही एक ही स्कूल और एक ही कक्षा में साथ पढ़ते थे। पांचवीं कक्षा से ही दोनों के बीच प्रेम-संबंध विकसित हो गया था, जो समय के साथ गहरा होता गया। उन्होंने एक-दूसरे के साथ जीवन बिताने की कसमें खाई थीं। पिछले महीने, बंधा असुर कथित तौर पर 17 वर्षीय किशोरी को शादी की नीयत से भगाकर हिमाचल प्रदेश ले गया था। बताया जा रहा है कि लड़की के परिवार वाले अंतरजातीय विवाह होने के कारण इस रिश्ते के खिलाफ थे।थाना प्रभारी मुनेश तिवारी ने बताया कि लड़की का धारा 164 के तहत बयान दर्ज कराया गया है और बाल कल्याण समिति के समक्ष भी उसका बयान दर्ज किया गया। साथ ही, उसका मेडिकल परीक्षण भी कराया गया है। पुलिस ने 20 दिनों के भीतर ही दोनों को हिमाचल प्रदेश से बरामद कर लिया था।

उपायुक्त ने की अस्पताल प्रबंधन समिति की समीक्षा

साफ-सफाई व सुरक्षा का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में सदर अस्पताल प्रबंधन समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।इस दौरान उपायुक्त ने अस्पताल में निरीक्षण के क्रम में सामने आई साफ-सफाई, सुरक्षा और संसाधन संबंधी कमियों पर गंभीरता से विचार करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक के प्रारंभ में उपायुक्त को वरीय अधिकारियों द्वारा हाल के निरीक्षण में पाई गई समस्याओं एवं अव्यवस्थाओं की रिपोर्ट सौंपी गई, जिस पर उन्होंने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को यथाशीघ्र सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने निर्देशित किया कि अस्पताल किचन के पीछे पाई गई भारी गंदगी को अविलंब साफ कराया जाए। इसके लिए नगर परिषद से समन्वय स्थापित करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि अस्पताल के कई हिस्सों में सीसीटीवी कैमरे नहीं हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित होती है। अतः हर महत्वपूर्ण स्थान पर सीसीटीवी कैमरे और स्पष्ट साइनेज लगाए जाएं। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि डॉक्टरों एवं नर्सों की उपस्थिति की जानकारी व्हाइट बोर्ड पर प्रदर्शित की जाए, जिससे मरीजों और परिजनों को सुविधा हो। पूरे परिसर में नियमित रूप से ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव सुनिश्चित किया जाए। शौचालयों की सफाई, सुरक्षा गार्डों की तैनाती, पार्किंग की समुचित व्यवस्था, आदि पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।

सभी सेवाओं को आमजन के अनुकूल बनाने के लिए अस्पताल प्रबंधन को निरंतर निगरानी एवं सुधार की दिशा में कार्य करने को कहा गया। बैठक में उप विकास आयुक्त, हेल्थ फेलो, अस्पताल प्रबंधक, एवं अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

जारी प्रखंड में आयोजित शिविर में सभी 19 मामलों का मौके पर निष्पादन

गुमला। उपायुक्त के निर्देश पर जारी प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय परिसर में आज साप्ताहिक जनशिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया गया। इस जनसेवा शिविर में ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत कुल 19 आवेदनों का त्वरित निष्पादन कर एक सराहनीय प्रशासनिक मिसाल पेश की गई। जनशिकायतों का वर्गीकरण इस प्रकार रहा पेंशन से संबंधित आवेदन: 05,राशन कार्ड से संबंधित: 05,आय प्रमाण पत्र: 01,आवासीय प्रमाण पत्र: 01,जाति प्रमाण पत्र: 03,जन्म प्रमाण पत्र: 0,आवास संबंधित मामले: 03। जनशिकायत निवारण दिवस का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर प्रशासन पर जनता का विश्वास मजबूत करना है।

तैयारियां — मुहर्रम व रथयात्रा को लेकर विधि-व्यवस्था पर विशेष बैठक

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने दिए सख्त निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

एसपी ने दी सुरक्षा व समन्वय की सख्त हिदायत

पुलिस अधीक्षक हरीश बिन ज़मां ने झारखंड उच्च न्यायालय एवं शासन स्तर से जारी दिशा-निर्देशों के अक्षरश: पालन की बात कही। जुलूस केवल निर्धारित मार्गों से ही निकाले जाएं। कार्बला, इमामबाड़ा, मंदिर-मस्जिद की सुरक्षा का पूर्व परीक्षण हो। मुहर्रम जुलूस का समय ऐसा सुनिश्चित हो कि वह रथ यात्रा के बाद ही निकले। वैकल्पिक मार्गों की योजना तैयार रखी जाए। एसपी ने सभी फील्ड ऑफिसरों को संवेदनशील इलाकों में संयुक्त गश्ती करने, कंट्रोल रूम को 24 घंटे सक्रिय रखने, दमकल वाहन तैनात करने और सीसीटीवी निगरानी की स्थिति दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा की जहां संवाद और समन्वय से समाधान संभव है, वहां सख्ती नहीं, संवेदनशीलता जरूरी है।

गुमला। आगामी 6 जुलाई को मुहर्रम और उल्टी रथ यात्रा एक ही दिन पड़ने के मद्देनज़र आज नगर भवन, गुमला में आयोजित शांति समिति की बैठक के पश्चात उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित एवं पुलिस अधीक्षक हरीश बिन ज़मां की संयुक्त अध्यक्षता में जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के साथ विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर विशेष समीक्षा बैठक की गई।

बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी तथा अन्य क्षेत्रीय अधिकारी 6 जुलाई को अनिवार्य रूप से अपने-अपने क्षेत्रों में उपस्थित रहें और पूर्ण सजगता एवं संवेदनशीलता के साथ त्योहारों की निगरानी करें। उपायुक्त ने कहा की गुमला जिला अब तक शांति का प्रतीक रहा है। हमारी जिम्मेदारी है कि इसी परंपरा को बनाए रखें। छोटी सी चूक भी बड़ी घटना का रूप ले सकती है, इसलिए सभी अधिकारी अलर्ट मोड में रहें।"

बैठक में शामिल प्रमुख अधिकारी उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, निदेशक डीआरडीए, अनुमंडल पदाधिकारी (सदर, चैनपुर, बसिया), अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (गुमला, चैनपुर) सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी एवं पुलिस अधिकारी, बैठक के अंत में उपायुक्त ने कहा की जन सहयोग, पारदर्शिता और प्रशासनिक सक्रियता से हम सभी त्योहारों को सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की दिशा में प्रतिबद्ध हैं। यह हम सभी की साझा ज़िम्मेदारी है।

कार्यालय: जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लातेहार

आम सूचना

(90 दिवसीय मध्यस्थता अभियान)

(Mediation "For the Nation" Campaign 90 days Mediation Drive)

दिनांक 01 जुलाई 2025 से 30 सितंबर 2025 तक

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि माननीय नालसा, नई दिल्ली के निर्देश पर तथा झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के संरक्षण में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लातेहार द्वारा दिनांक 01.07.2025 से 30.09.2025 तक विशेष मध्यस्थता का आयोजन, व्यवहार न्यायालय लातेहार के मध्यस्थता केन्द्र में किया जायेगा। इसमें लम्बित सभी सुलहनीय मामलों को व्यवहार न्यायालय लातेहार में आपसी सुलह–समझौता तथा मध्यस्थता के आधार पर किया जायेगा।

इस विशेष मध्यस्थता अभियान में निम्नलिखित मामलों का निष्पादन किया जायेगा।

- वैवाहिक विवाद,
- दुर्घटना संबंधी दावे,
- घरेलू हिंसा,
- चेक बाउंस,
- वाणिज्यिक विवाद,
- सेवा मामले,
- समझौता योग्य आपराधिक मामले,
- उपभोक्ता विवाद
- बेदखलीवाद सहित अन्य सिविल मामले शामिल हैं।

अतः सामान्य जनता, समस्तवादकारीगण एवं संबंधित पक्षकारों से अनुरोध है कि वे अपने उपरोक्त वर्णित मामलों से संबंधित वादों को उक्त मध्यस्थता अभियान में निष्पादित कराकर लाभ उठावे तथा इसे सफल बनायें।

नोट:–उक्त मध्यस्थता अभियान के संबंध में किसी भी प्रकार की विस्तृत जानकारी हेतु आप किसी भी कार्य दिवस को व्यवहार न्यायालय परिसर, लातेहार में स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लातेहार के कार्यालय में उपस्थित हो कर या दूरभाषा सं0 8987736366 में सम्पर्क कर सकते हैं।

सचिव
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लातेहार।

PR.NO.356524 Law(25-26):D

कार्यालय- जिला शिक्षा अधीक्षक, गढ़वा
विकास भवन–बी0 पुराना समाहरणालय परिसर, प्रथम तल

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा संख्या MDM/GARHWA/01/2024-25

क्र0	विभाग का नाम	शिक्षा विभाग			
1.	विज्ञापन दाता का नाम	जिला शिक्षा अधीक्षक, गढ़वा			
2.	परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय	07.07.2025 से 14.07.2025 कार्यालय अवधि			
3.	मुहरबंद निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	15.07.2025 अपराहन– 03:00 बजे तक			
	मुहरबंद निविदा प्राप्ति खोलने की तिथि एवं समय	15.07.2025 अपराहन– 03:30 बजे			
	परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान	जिला शिक्षा अधीक्षक विकास भवन–बी0 पुराना समाहरणालय परिसर, प्रथम तल, गढ़वा द्वारा प्रतिनियुक्त–पदाधिकारी/कर्मी द्वारा कार्यालय परिसर में			
	निविदा प्राप्ति एवं खुलने का स्थान	कार्यालय सभागार			
	कार्य का विवरण	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Kitchen shed Work of M.S Sohbariya (Meral) Upg +2 HS Lawahikala (Dandai) Upg HS Soh (Garhwa) Upg P.S Kurkuta (Kandi) Upg +2 HS Bardiha (Bardiha)	1862920	37300	5000	6 माह
2	Kitchen shed Work of M.S Bajarmarwa (Kharaundhi) M.S Amrora (Kharaundhi) M.S Bishunpur, (Nagar Untari) M.S Kushdand (Nagar Untari) M.S Bishunpura (Bishunpura)	1862920	37300	5000	6 माह
3	Kitchen shed Work of MS DAUNADAG (RANKA), UPG +2 HS BAIRIYA & UPG +2 HS UDAYPUR (RAMKANDA)	1117745	22600	2500	4 माह

निविदा की शर्तें www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

नोटः– Updated Character PAN, GST Return File Latest, जिस संवेदक के नाम से पंजीकरण प्रमाण–पत्र है उसी नाम से बैंक ड्राफ्ट/डी0डी0 मान्य होगा। स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति एवं निविदा प्रकाशन होने की तिथि से निर्गत स्थानीय संवेदकों को ही प्राथमिकता दी जायेगी।

DSE MDM/GARHWA/01/2024-25

जिला शिक्षा अधीक्षक
गढ़वा

PR 356558 Human Resource Developement(25-26)#D

झारखण्ड सरकार
जिला मत्स्य कार्यालय, पलामू

वेद व्यास अवास निर्माण योजना हेतु आवेदन आमंत्रण सूचना

झारखण्ड सरकार, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) के राज्यादेश सं0 08रा0(वि0)/दिनांक 24/06/2025 के आलोक में एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि पलामू जिले के सभी सक्रिय मत्स्य पालकों/मछुआरों/समिति के सदस्यों जिनके पास पक्का आवास नहीं है को वित्तीय वर्ष 2025–26 में वेद व्यास आवास योजना प्रस्तावित है। राज्यादेश के आलोक में जिला मत्स्य कार्यालय, पलामू को निम्नलिखित रूप से लक्ष्य प्राप्त हुआ है।

क्र0	लघु शीर्ष	प्राप्त लक्ष्य	अनुदानित राशि प्रति इकाई (लाख में)
01	101	20	1.912
02	789	03	1.912

उक्त आवास योजना के अन्तर्गत विभागीय आर्थिक सहायता की अधिकत्तम राशि 1.912 लाख (एक लाख एक्यानवे हजार दो सौ रूपये) प्रति आवास निर्धारित है।

शर्तें निम्नांकित है।:–

1. समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशन के उपरान्त प्राप्त आवेदनों लाभुकों का चयन किया जायेगा।
2. सक्रिय अथवा परम्परागत मत्स्य पालक/मछुआ जो मत्स्य उत्पादन/मत्स्य बीज उत्पादन/प्राकृतिक जल संसाधनों में मछली पकड़ने/मत्स्य बिक्री में सक्रिय हो को प्राथमिकता दी जायेगी।
3. प्राथमिकता गरीबी रेखा के नीचे कच्चे मिट्टी से बने अथवा फूस के मकान में रहने वाले मछुआ/मत्स्य पालक को दी जाएगी। (बी0पी0एल0 कार्ड की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा)
4. आवास निर्माण हेतु जमीन उपलब्ध रहने तथा कच्चा घर वाले मछुआरों को भी कंडिका 01 एवं 02 के अतिरिक्त लाभाविन्त किया जा सकता है। एक परिवार में एक आवास देय है। आवश्यकतानुसार पति–पत्नी के संयुक्त नाम से स्वीकृति दी जायेगी।
5. प्रक्रियानुसार दिव्यांग आवेदकों हेतु स्वीकृत राशि का न्यूनतम 03प्रतिशत (दिव्यांगता पमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा) तथा महिलाओं के लिए 10 प्रतिशत राशि का प्रावधान किया जाएगा।
6. ऐसे लाभुकों को आवास का दोबारा लाभ नहीं दिया जायेगा जो पूर्व संचालित विभागीय मछुआ आवास योजना अथवा इन्दिरा आवास योजना या समतुल्य आवास/अबुआ आवास/राज्य सरकार की आवास योजना से लाभान्वित हो चुके है।
7. आवेदक को वर्त्तमान में रह रहे अपने कच्चे आवास का जीयो–टैग फोटोग्राफ आवेदन के साथ संलग्न करना होगा।
8. आवेदन पत्र के साथ फोटो, जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, भूमि संबंधित कागजात (अंचलाधिकारी के स्तर से निर्गत भूमि–स्वामित्व प्रमाण पत्र), आधार कार्ड एवं बी0पी0एल0 कार्ड, आय प्रमाण पत्र, मत्स्य प्रशिक्षण प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा।
9. अधूरा एवं अवांछित कागजात संलग्न होने वाले आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
10. लाभुक का चयन राज्यादेशानुसार गठित समिति के द्वारा की जायेगी। जिसका निर्णय अंतिम होगा तथा उसपर किसी भी प्रकार का काई भी पत्राचार नहीं किया जायेगा।
11. किसी भी आवेदन को विभाग हित में स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।
12. प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के मानक प्राक्कलन के आधार पर आवास निर्माण का कार्य लाभुकों के द्वारा स्वंय कराया जाएगा। लाभुक आवश्यकतानुसार छत्त ढलवा/समतल रख सकते है।

उपरोक्त शर्तो के अधीन पलामू जिला के इच्छुक एवं सुयोग्य मछुआरों से दिनांक 31/07/2025 तक विहित प्रपत्र में आवेदन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन का प्रपत्र जिला मत्स्य कार्यालय, पलामू में निःशुल्क उपलब्ध है। जिसे पंजी में नाम दर्ज कराते हुए आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते है।

नोटः–1. त्रुटिपूर्ण अथवा अधूरा आवेदन को रद्/अस्वीकृत करने हेतु अद्योहस्ताक्षरी स्वतंत्र होगें।
2. अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर किसी भी तरह का विचार नहीं किया जायेगा।

(मो0 कमरूज्जमाँ)
जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, पलामू

PR 356531 Fish(25-26)#D

सुप्रभात

विचार प्रवाह

अगर मैं एक दरवाज़े से नहीं निकल पाया, तो मैं दूसरे दरवाज़े से निकल जाऊंगा या फिर एक दरवाज़ा बना लूंगा। चाहे वर्तमान कितना भी अंधकारमय क्यों न हो, कुछ शानदार ज़रूर होगा। - **रवींद्रनाथ टैगोर जी**

संपादकीय

बांग्लादेश के बाद चीन के निशाने पर म्यांमार

पाकिस्ता, श्रीलंका, बांग्लादेश के बाद अब म्यांमार में चीन का दखल बढ़ता जा रहा है, जहां गृहयुद्ध के चलते सत्तारूढ़ सेना जुंटा का कई क्षेत्रों से नियंत्रण छूटता जा रहा है। यह भारत के लिए बहुत मायने रखता है, क्योंकि अमेरिका ने बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्व को म्यांमार के रखाइन प्रांत से जोड़ने वाले आपूर्ति गलियारे के निर्माण में रुचि दिखाई है, संभवतः जातीय विद्रोहियों के समर्थन के लिए, जिनका सेना जुंटा के साथ संघर्ष जारी है। भारत ने अब तक म्यांमार में 'देखो और इंतजार करो' की नीति अपनाई है तथा जुंटा और विद्रोहियों के बीच आसियान (दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्र संघ) के पांच सूत्रीय सामंजस्य के जरिये बातचीत से समाधान निकालने पर भरोसा किया है, परंतु अब तक कोई हल नहीं निकला। चीन, जिसकी म्यांमार में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से लेकर खनन तक में भारी दिलचस्पी है, ने लड़खड़ाती सेना जुंटा को हार से बचाने के लिए अपनी ताकत झोंक दी है। बीते महीने चीनी वार्ताकारों ने कोकांग विद्रोही समूह एमएनडीएए (म्यांमार नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस आर्मी) को लाशियो शहर से हटने के लिए मजबूर किया, जिस पर विद्रोहियों ने पिछले साल महीनों की भारी लड़ाई के बाद कब्जा किया था। लाशियो उत्तरी प्रांत शान का प्रमुख शहर होने के साथ ही चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारे के लिए अहम माना जाता है, जहां बर्मी सेना की उत्तर-पूर्वी कमान (तत्मादाव) का मुख्यालय स्थित है। इसी तरह एमएनडीएए की सहयोगी तांग नेशनल लिबरेशन आर्मी (टीएनएलए) पर शान राज्य के ही दो महत्वपूर्ण शहरों ह्सिपाव और क्याकमे को सेना जुंटा को सुपुर्द करने का दबाव बनाया जा रहा है। ये दोनों शहर चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारे के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिसे बीजिंग को बंगाल की खाड़ी और फिर हिंद महासागर तक जमीन से समुद्र तक पहुंच प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। चीन सीधे तौर पर उन विद्रोही समूहों के सीधे संपर्क में है, जिन्होंने देश के उत्तर में स्थित दुर्लभ मृदा धातु खदानों पर अपना नियंत्रण किया हुआ है। सूत्रों के अनुसार, बीजिंग इन विद्रोही समूहों पर आपूर्ति में वृद्धि हेतु खनन कार्यों को बढ़ाने के लिए दबाव बना रहा है। चीन को भारी दुर्लभ मृदा धातुओं को चुंबकों में बदलने के लिए क्षेत्र में लगभग एकाधिकार प्राप्त है, जिनसे पवन टर्बाइनों, चिकित्सा उपकरणों और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे महत्वपूर्ण माध्यमों को ऊर्जा प्राप्त होती है। यह बात कम लोगों को पता है कि चीन दुर्लभ मृदा धातुओं और ऑक्साइड के लिए म्यांमार पर काफी हद तक निर्भर है। उसके दुर्लभ मृदा आयात का लगभग आधा हिस्सा म्यांमार के काचिन और शान प्रांतों से आता है। म्यांमार से दुर्लभ मृदा का आयात करने वाली चीनी कंपनियों में तब हड़कंप मच गया, जब बीते साल अक्तूबर में काचिन इंडिपेंडेंस आर्मी (केआईए) ने पनवा और चिपवे शहरों पर नियंत्रण हासिल कर लिया था, जिससे उसे इस क्षेत्र में दुर्लभ मृदा खदानों पर पूरा नियंत्रण मिल गया। चीनी कंपनियों को फिर से काम करने का मौका तब मिला, जब चीन ने केआईए पर संघर्ष विराम के लिए दबाव डालना बंद किया। इससे बीते छह महीनों में चीन के आयात में 90 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि, आयात फिर से शुरू हो गया है, क्योंकि इससे केआईए को भारी राजस्व प्राप्त होता है।

चीन, जिसकी म्यांमार में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से लेकर खनन तक में भारी दिलचस्पी है, ने लड़खड़ाती सेना जुंटा को हार से बचाने के लिए अपनी ताकत झोंक दी है।

जब धरती मां मर रही हो, तो चुप रह जाना सबसे बड़ा अपराध है

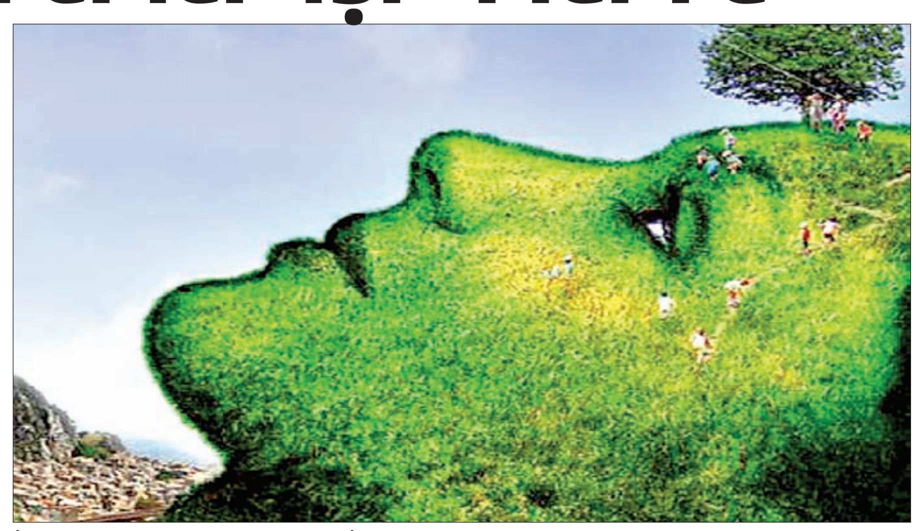

आज जब हम एसी में बैठकर ठंडी हवा का आनंद ले रहे हैं, तब किसी कोने में एक नदी हमेशा के लिए सूख रही होती है। जब हम बड़ी-बड़ी गाड़ियों में घूम रहे हैं, तब किसी गांव में भूख और प्यास की लहर फैल रही होती है। और जब हम यह सोचकर निश्चिंत हैं कि "अभी तो सब ठीक है", तो असल में सबसे बड़ा धोखा हम खुद को दे रहे होते हैं। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चेतावनी नहीं, वर्तमान की विनाशलीला बन चुकी है। प्रकृति अब इशारे नहीं कर रही, सीधे थप्पड़ मार रही है एयरप्लेन का क्रश ,जंगलों का जलना,बेमौसम बारिश, जानलेवा गर्मी, सूखती नदियाँ, मरते जीव-जंतु — यह सब कोई सामान्य घटनाएं नहीं हैं, यह प्रकृति की चीख है। वो कह रही है, "अब और नहीं।" जो आज हमें मामूली लगता है — जैसे तापमान थोड़ा बढ़ गया, बर्फ कम गिर रही है, फसलों की गुणवत्ता घट रही है — कल यही मौत बनकर हम पर टूटेगा। आज हम सोचते हैं कि "अभी तो कुछ हुआ नहीं", लेकिन जब चारों तरफ बीमारी, भूख, पलायन, और पानी के लिए लड़ाई होने लगेगी, तब हम सोचेंगे — काश समय रहते जाग गए होते।

जब प्रकृति रो रही है, तो चुप रहना सबसे बडा अपराध है एक सवाल जो हर किसी से पूछा जाना चाहिए। "आप जलवायु परिवर्तन के लिए क्या कर रहे हैं?" आज जब दुनिया तकनीकी विकास के पंख लगाकर चाँद और मंगल पर पहुंच रही है, तो वहीं हमारी पृथ्वी — हमारा एकमात्र घर — धीरे-धीरे जल रहा है, पिघल रहा है, और मर रहा है।

एक समय था जब ऋतुएं समय पर आती थीं। जब नदी के किनारे खड़े होकर मन शांत हो जाता था। जब बारिश आकर जीवन को हरा-भरा बना देती थी। लेकिन अब? अब जून की गर्मी मार्च में आने लगी है। अब नदियाँ सूख चुकी हैं और पहाड़ों से ग्लेशियर पिघलकर बाढ़ बन गए हैं।

अब हवा शुद्ध नहीं, जहर बन चुकी है। यह सब संकेत नहीं, प्रकृति का चीखता हुआ दर्द है। जलवायु परिवर्तन — अब चेतावनी नहीं, विनाश की शुरुआत है बहुत से लोग अब भी सोचते हैं, "इतना कुछ कहाँ बदल गया है?" लेकिन जो देख रहा है वो जानता है कि प्रकृति अब चेतावनी नहीं, बदला ले रही है।

अफ्रीका के कुछ इलाकों में 5 साल से एक बूँद बारिश नहीं हुई। यूरोप और एशिया में गर्मी 50 डिग्री से ऊपर जा चुकी है। भारत में हर साल हज़ारों किसान बेमौसम बारिश और सूखे की वजह से आत्महत्या कर रहे हैं।

समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, जिससे तटीय शहर डूबने के कगार पर हैं। यह वो डरावना कल नहीं, आज है।

जब यह हर जगह होगा, तब तक बहुत देर हो चुकी होगी आज हम जलवायु परिवर्तन को "दूसरों की समस्या" समझ रहे हैं, लेकिन जिस दिन यह हमारे घर तक आ जाएगा, जिस दिन हमारी साँसें जलने लगेंगी, जिस दिन पीने का पानी पैसे से भी नहीं मिलेगा, उस दिन हम कुछ नहीं कर सकेंगे। हम सोचते हैं कि "अभी तो सब सामान्य है", लेकिन यह चुपचाप बढ़ती हुई तबाही है-एक धीमा जहर, जो हमें जीते जी मार देगा। *एशिया — और खासकर भारत को सबसे ज़्यादा भुगतना पड़ेगा, जहां सबसे अधिक जनसंख्या है, जहां करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं, जहां लाखों परिवार सिर्फ खेती पर निर्भर हैं, वहीं जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा प्रहार होगा। भारत को इस त्रासदी की सबसे ऊंची कीमत चुकानी पड़ेगी-पानी की लड़ाई, भोजन की कमी, रोजगार का संकट, और सबसे खतरनाक - नयी पीढ़ी की बीमारियों और मानसिक तनाव का अंधकारमय भविष्य। अब हर बहस, हर मंच, हर टीवी डिबेट में बस एक सवाल होना चाहिए , कोई भी नेता जब मंच पर आए, तो उनसे पार्टी न पूछें, उनसे पूछें - "धरती को बचाने के लिए आपका प्लान क्या है?" किसी उद्योगपति से पूछें -"आपके फैक्ट्री का प्रदूषण कितनों को बीमार बना रहा है?" अपने मोहल्ले के पार्षद, स्कूल के प्रधानाचार्य, या परिवार के मुखिया से पूछें - "क्या आपने पेड़ लगाए? प्लास्टिक छोड़ा? ऊर्जा बचाई?" हर जिम्मेदार नागरिक का सबसे बड़ा परिचय अब यही होना चाहिए - "मैं पृथ्वी को बचाने के लिए क्या कर रहा हूं।" जलवायु परिवर्तन एक ऐसी चुनौती है जिसका हल सरकार अकेले नहीं निकाल सकती।

हमारा अगला चुनावी मुद्दा धर्म, जीडीपी नहीं होना चाहिए, बल्कि — "धरती कितने साल और जिएगी?" हमारा आंदोलन, हमारे पोस्टर, हमारी मांग सिर्फ एक हो — "धरती को बचाओ। जलवायु को सुधारो।" अब ये लड़ाई सरकार बनाम जनता की नहीं, बल्कि जनता और प्रकृति के रिश्ते की लड़ाई है। अगर आज हम नहीं सुधरे, तो कल हमारे बच्चे पूछेंगे — "पापा, आपने हमारा भविष्य क्यों बर्बाद किया?" कृपया आज से ही शुरुआत करें। लाइफस्टाइल नहीं, सोच बदलिए।

हर किसी से सिर्फ यही पूछिए: शायद इसी एक सवाल से शुरू होकर, धरती को बचाने की क्रांति शुरू हो। यह अंतिम पीढ़ी है जो धरती को बचा सकती है — वरना विनाश तय है, हमें यह समझना होगा कि हम शायद अंतिम पीढ़ी हैं जिसे धरती को बचाने का मौका है अगर हमने अब भी आँखें मूँदी रखीं, अगर हम अब भी बहसों, भाषणों और दिखावे में ही उलझे रहे — तो इसके बाद किसी के पास मौका नहीं होगा। जलवायु परिवर्तन अब सामान्य रफ्तार से नहीं बढ़ रहा, यह अब 'कंपाउंड इंटरेस्ट' की तरह बढ़ रहा है — हर दिन, हर गतिविधि, हर लापरवाही इसे कई गुना तेज बना रही है। और जब यह रफ्तार अपने चरम पर पहुँचेगी, तो कोई वैज्ञानिक, कोई तकनीक, कोई सरकार — इसे रोक नहीं पाएगी। यह कोई फिल्म नहीं होगी जिसमें कोई सुपरहीरो आकर सब संभाल लेगा।यह वास्तविकता होगी — जहाँ साँस लेना मुश्किल होगा, जहाँ बारिश आकर राहत नहीं, तबाही लाएगी, जहाँ बच्चे जन्म लेने से पहले ही बीमार होंगे।

(veenavlogs@gmail.com)

आज की बात

वीणा देवांगन

इसमें हर नागरिक का सहयोग जरूरी है

- अपने घर से प्लास्टिक हटाइए
- ज्यादा से ज्यादा पेड़ साल लगाकर उसे जीवित रखिए
- जितना हो सके पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग कीजिए
- बिजली और पानी का दुरुपयोग रोकिए।
- बच्चों को प्रकृति से जोड़िए, मोबाइल से नहीं
- ·कपड़े यूएसएबल होते हैं उसे बार-बार अगर फैशन की दुनिया है तो अलग-अलग तरीके से उसकी सिलाई करवा कर के पहना जाया जा सकता है इतनी शादी पार्टियों में कपड़े बर्बाद करने की जरूरत नहीं है।
- पूजा पाठ के नाम पर हर स्त्रियां बस कपड़े ही खरीदने रहती है उसको बंद कर दिया जाए भगवान भाव को देखते हैं साड़ी और कपड़ों को नहीं। एक-एक कपड़ा कितना कार्बन एमिशन करता है शायद आप लोग को ही पता ही नहीं जानने की जरूर कोशिश कीजिएगा।
- बच्चों के लिए बिना वजह के फालतू के खिलौने ना ले उनके स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है और प्रकृति के लिए भी आजकल में पेरेंट्स को देखती हूं जो पर जिस पर बच्चा हाथ रख देता है वही सब ले लेते हैं।

मंच पर क्रांति जमीन पर अकाल

आज भी याद है मुझे, अकर्मपुर की वो सुनहरी सुबहें, जब हर समस्या का समाधान एक नए 'टोटके' से निकलता था। हमारा अकर्मपुर सिर्फ एक गाँव नहीं, एक दर्शन था – 'करो कम, दिखाओ ज्यादा'। यहाँ मेहनत को हमेशा हाशिये पर रखा जाता, जबकि दिखावा, आडंबर और तात्कालिक 'रस्म अदायगी' को 'परम कर्तव्य' माना जाता था। यहाँ के लोग, मानो सदियों के कर्मठता के श्राप से मुक्ति पाकर, अब बस आराम का रास्ता तलाशते थे। अगर गाँव में सूखे की आहट होती, तो खेत में हल चलाने के बजाय, पुरोहितों की टीम बुलाई जाती, जो आकाश की ओर आँखें गड़ाकर, मेघों को 'मंत्रमुग्ध' करने की कोशिश करती। जब फसल बर्बाद होती, तो बीजों की गुणवत्ता या सिंचाई की कमी पर विचार नहीं होता, बल्कि 'शनि का दान' और 'राहु का प्रकोप' जैसे आसान नुस्खे ढूंढें जाते। हमारे सरपंच, श्री 'बनावटी लाल', जिनकी भाषण-शक्ति तो अद्भुत थी, पर कर्म-शक्ति शून्य, हमेशा कहते, "देखो भाई, बात विचारों की है, कर्म तो बस एक औपचारिकता है। जब विचार शुद्ध होंगे, तो परिणाम अपने आप प्रकट होंगे!" और अकर्मपुर के लोग, इस 'विचार क्रांति' के नारे में इतने डूबे रहते कि उन्हें अपनी टूटी हुई झोपड़ियाँ, सूखे खेत और खाली थाल कभी दिखते ही नहीं थे। हर शाम, चौपाल पर बैठकें होतीं, जहाँ 'राष्ट्र निर्माण' के बड़े-बड़े सिद्धांतों पर चर्चा होती, और फिर सब अपने घरों को लौट जाते, इस संतुष्टि के साथ कि उन्होंने आज 'ज्ञान यज्ञ' में अपनी आहुति दे दी है। कोई पूछता, "पानी क्यों नहीं है?" तो जवाब आता, "अरे, जल-समस्या पर 'जल-यज्ञ' कर तो रहे हैं! बस थोड़े और घी की ज़रूरत है।" समस्या कभी समस्या नहीं थी; वह तो बस एक 'अनुष्ठान का अवसर' थी। और इसी अनुष्ठान में, अकर्मपुर धीरे-धीरे, मुस्कुराते हुए, अपनी ही कब्र खोद रहा था। हर चेहरा संतुष्ट था, क्योंकि काम तो हुआ नहीं, पर दिखावा इतना जोरदार था कि पूछो मत! यही अकर्मपुर की जातीय प्रकृति बन चुकी थी, जहाँ 'अकर्म' ही सबसे बड़ा 'कर्म' था। एक दिन, जब सूरज ने अकर्मपुर की धरती को भूनना शुरू किया, और कुओं का पानी पाताल में समा गया, तो पूरे गाँव में हाहाकार मच गया। बच्चे प्यास से बिलबिला रहे थे, औरतें घड़े लिए बेबस खड़ी थीं, और पुरुष आसमान को कोस रहे थे। लेकिन क्या, हमारे सरपंच बनावटी लाल, जिन्हें हर विपदा में एक 'नया अवसर' दिखता था, ने तुरंत एक 'अभूतपूर्व जल-संकट निवारण महा-यज्ञ' की घोषणा कर दी। गाँव के सबसे बड़े मैदान में विशाल हवन कुंड बनाया गया। बीस पंडितों की टीम बुलाई गई, जिनकी फीस गाँव वालों ने अपने खाली पेट काटकर दी। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

व्यंग्य की बात

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

अब प्रशासनिक चयन को बदलने का समय है

भारत में अधिकांश प्रशासनिक पदों के लिए जो परीक्षाएं आयोजित होती हैं, उन्हें हम लंबे समय से आदर्श मानते आए हैं। विशेष रूप से यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) की परीक्षा को भारत की सबसे प्रतिष्ठित और कठिन परीक्षा माना जाता है। यह परीक्षा पास करने वाले युवा अधिकारी आईएएस, आईपीएस, आईएफएस जैसे पदों पर नियुक्त होते हैं, जो देश के प्रशासन की रीढ़ माने जाते हैं। लेकिन सवाल यह है—क्या केवल लिखित परीक्षा और एक इंटरव्यू से यह तय हो जाना चाहिए कि कौन देश चलाएगा?

● **क्या कमी है वर्तमान प्रणाली में?**

केवल शैक्षणिक योग्यता पर आधारित चयन: एक ग्रेजुएट छात्र, चाहे वह किसी भी विषय में डिग्री रखता हो—भले ही उसने कभी प्रशासन, कानून, या समाजशास्त्र का अध्ययन न किया हो—यूपीएससी का फॉर्म भर सकता है। फिर वह रटकर तथाकथित परीक्षा 'क्लियर' कर लेता है।

मेमोरी टेस्ट, लीडरशिप नहीं : यह परीक्षा एक प्रकार की मेमोरी टेस्ट बन चुकी है। इसमें प्रतिभागियों की दूरदृष्टि, नेतृत्व क्षमता, निर्णय शक्ति या जमीन से जुड़ाव का कोई मूल्यांकन नहीं होता।

सिर्फ 1 साल की ट्रेनिंग : ऐसे लोग जो कभी किसी पंचायत भवन तक नहीं गए, एक साल की ट्रेनिंग में सब कुछ 'समझ' कर जिलाधिकारी या एसडीएम बन जाते हैं। न अनुभव, न व्यवहारिक ज्ञान, न संवेदनशीलता। न तो उन्हें जमीनी प्रशासन का अनुभव होता है, न ही वे स्थानीय व्यवस्थाओं से परिचित होते हैं। वे नियमों और कानूनों की पुस्तकों के विशेषज्ञ तो बन जाते हैं, परंतु जनता की नब्ज को समझने वाले लोकसेवक नहीं बन पाते।

एक जैसे सोच वाले अधिकारी : परीक्षा का स्वरूप ऐसा है कि यह स्मरण शक्ति की परीक्षा बनकर रह गई है, जबकि नेतृत्व, दूरदृष्टि, नैतिक विवेक और सामाजिक समझ जैसे आवश्यक गुणों का कोई मूल्यांकन ही नहीं होता। यही कारण है कि अधिकतर अधिकारी एक जैसे सोचने वाले, एक जैसे व्यवहार करने वाले और एक जैसे निर्णय लेने वाले बन जाते हैं। वे व्यवस्था को यथास्थिति में बनाए रखने वाले होते हैं, न कि उसमें नवाचार लाने वाले।

● **क्या होना चाहिए? एक नया मॉडल**

12वीं के बाद प्रशासनिक पथ की स्पष्ट दिशा : आईआईटी और नीट की तर्ज पर एक अलग राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा केवल उनके लिए हो जो प्रशासनिक सेवा में जाना चाहते हैं। यह परीक्षा कठिन हो लेकिन उद्देश्य सिर्फ रटंत विद्या को आंकना नहीं, बल्कि आलोचनात्मक सोच, निर्णय क्षमता, और नैतिकता को भी परखना होना चाहिए।

पांच साल की व्यवस्थित प्रशिक्षण योजना : चयनित युवाओं को पांच वर्षों की संस्थागत ट्रेनिंग दी जाए जिसमें निम्न विषय अनिवार्य हों भारतीय इतिहास, भूगोल, संविधान, लोक प्रशासन, समाजशास्त्र, व्यवहारिक मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, प्रबंधन, नीति निर्माण, और ग्रामीण विकास।

सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ फील्ड ट्रेनिंग अनिवार्य हो, पंचायत, ब्लॉक, थाने, जेल, सरकारी अस्पताल, बाल सुधार गृह, निचली अदालत—हर जगह कार्यशाला और ऑन-फील्ड अनुभव। इस प्रशिक्षण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह हो कि वह केवल कक्षा तक सीमित न हो। छात्रों को पंचायत भवन, थाने, न्यायालय, अस्पताल, और अन्य सरकारी संस्थाओं में सीधे प्रशिक्षण दिया जाए। उन्हें जमीनी सच्चाइयों का साक्षात्कार कराया जाए।

फाइनल परीक्षा और प्लेसमेंट : पाँच साल की ट्रेनिंग के बाद एक राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा आयोजित हो जिसमें केवल सर्वश्रेष्ठ को ही नियुक्त किया जाए। इस पद्धति से तैयार हुए अधिकारी न केवल ज्ञानवान होंगे, बल्कि संवेदनशील, अनुभवी और नवाचार-प्रिय भी होंगे। डिफेंस अफसरों को देना चाहिए प्रशासनिक जिम्मेदारी, रिटायर्ड हाई-लेवल डिफेंस अफसरों को प्रशासनिक पोस्ट पर नियुक्त किया जाना चाहिए। उनके पास कमान संभालने का अनुभव होता है, अनुशासन, समयबद्धता, संकट प्रबंधन की बेहतरीन समझ होती है, और उनमें देशप्रेम की भावना पहले से होती है। ऐसे अफसर जिले, विभाग या मंत्रालय को सही दिशा में बेहतर तरीके से चला सकते हैं।

निरंतर प्रशिक्षण और मूल्यांकन : एक बार चयन हो जाने के बाद अधिकारी 'स्थायी राजा' न बन जाए। हर 5 साल में उनका आकलन होना चाहिए—कामकाज, जनता से जुड़ाव, नीति निष्पादन के आधार पर। आज का भारत 21वीं सदी के सबसे जटिल सामाजिक-राजनीतिक और तकनीकी युग में प्रवेश कर चुका है। ऐसे में देश चलाने वाले अफसरों का चयन केवल याददाश्त या ग्रेजुएशन की डिग्री के आधार पर करना न केवल अव्यावहारिक है, बल्कि खतरनाक भी हो सकता है। हमें लीडर्स चाहिए, लिपिक नहीं। देश को आगे ले जाने के लिए ज़रूरी है कि हम अपनी चयन प्रणाली को केवल परीक्षा और डिग्री तक सीमित न रखें। अब समय आ गया है कि दूरदृष्टि, नेतृत्व क्षमता, निर्णय शक्ति और मूल्यों को प्राथमिकता देते हुए एक नयी प्रशासनिक संस्कृति का निर्माण किया जाए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अलग बात

डॉ कुमार संजय

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

प्रेम नित्य इतिहास है, जहाँ युगों के लेख।
कब से लिखते आ रहे, इतिहासज्ञ विलेख।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें artical.rnmail@gmail.com

कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

ऑर्केस्ट्रा की आड़ में ट्रैफिकिंग पर रोक लगे

बिहार में आर्केस्ट्रा समूहों में ट्रैफिकिंग के जरिए लाई गई नाबालिग बच्चियों के यौन शोषण व उत्पीड़न को रोकने के लिए पटना हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर आर्केस्ट्रा व अन्य डांस ग्रुपों के नियमन, निगरानी व रजिस्ट्रेशन के बाबत दो हफ्ते में जवाब देने को कहा है। बिहार में आर्केस्ट्रा समूहों में बड़े पैमाने पर नाबालिग बच्चियों के शोषण के मद्देनजर बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश के 418 जिलों में काम कर रहे 250 से भी ज्यादा नागरिक समाज संगठनों के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) ने अपनी याचिका में हाई कोर्ट से इसकी रोकथाम के लिए तत्काल एक राज्यस्तरीय समन्वय तंत्र बनाने की अपील की थी। पटना हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति आशुतोष कुमार व न्यायमूर्ति पार्थ सारथी ने 18 साल से कम उम्र की बच्चियों की ट्रैफिकिंग को गंभीर बताते हुए राज्य सरकार को इस पर तुरंत कार्रवाई करने और दो हफ्ते में हलफनामा देने के आदेश दिए। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन ने एक अंतरिम आवेदन में हाई कोर्ट से बच्चियों के शोषण को रोकने के लिए राज्य सरकार को सभी हितधारकों के साथ मिलकर एक समग्र और समन्वित कार्ययोजना बनाने और आर्केस्ट्रा समूहों के नियमन व निरीक्षण और पीड़ितों के बिहार पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना, 2014 (2019 में संशोधित) के प्रावधानों के अनुसार मुआवजे व पुनर्वास का निर्देश देने का अनुरोध किया था। इस अंतरिम आवेदन पर विचार करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि इसे स्वीकार किया जाता है और राज्य सरकार को तत्काल कार्रवाई और दो हफ्ते में हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया जाता है। जेआरसी ने अपने सहयोगी संगठन एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन (एवीए) की मदद से रोहतास में एक आर्केस्ट्रा समूह से 44 नाबालिग बच्चियों व सारण एवं गोपालगंज में सहयोगी संगठनों की मदद से पुलिस की कार्रवाई में सैकड़ों नाबालिग बच्चियों को छुड़ाए जाने के बाद अपने अंतरिम आवेदन में आर्केस्ट्रा ग्रुपों में नाबालिग बच्चियों के इस्तेमाल पर पूरी तरह पाबंदी लगाने की मांग की थी। साथ ही, इन बच्चियों को मुक्त कराए जाने के बाद उनके फिर से उसी धंधे में धकेल दिए जाने को रोकने के लिए इनके पुनर्वास के उपाय करने की मांग की गई थी। आवेदन में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद किसी भी चरण में पीड़ित बच्चे के लिए अंतरिम मुआवज़े की मांग की गई है—चाहे आरोपी दोषी ठहराया गया हो, बरी कर दिया गया हो, उसकी पहचान न हो पाई हो या वह फरार हो। साथ ही यह भी अपील की गई है कि मुआवजे का आदेश देते समय विशेष अदालतें पीड़ित को हुए हर तरह के नुकसान और आघात से जुड़े सभी पहलुओं पर विचार करें। पटना हाई कोर्ट ने फैसले में कहा कि उम्मीद की जाती है कि यदि बिहार में किसी भी आर्केस्ट्रा, डांस या थिएटर ग्रुप में बच्चियों की ट्रैफिकिंग का मामला सामने आया तो बिहार सरकार तुरंत सख्त कार्रवाई करेगी। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को यह भी हिदायत दी कि वह दो हफ्ते में उसी तात्कालिकता के साथ नोटिस का जवाब देगी जो इस गंभीर मामले में अपेक्षित है। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन की विधिक सलाहकार रचना त्यागी ने हाई कोर्ट के नोटिस का स्वागत करते हुए कहा कि यह कमजोर और मजबूर बच्चियों की सुरक्षा व गरिमा सुनिश्चित करने की दिशा में एक बेहद अहम कदम है। उन्होंने कहा, 'आर्केस्ट्रा ग्रुप बच्चियों की ट्रैफिकिंग और उनके शोषण का औजार बन चुके हैं। इसकी रोकथाम, इन आर्केस्ट्रा समूहों के नियमन व निगरानी और पीड़ित बच्चियों के पुनर्वास के लिए समग्र योजना की जरूरत अर्से से महसूस की जा रही थी। हमें पूरी उम्मीद है कि हाई कोर्ट के इस नोटिस के बाद राज्य सरकार इन पीड़ित बच्चियों की सुरक्षा, संरक्षण और इन आर्केस्ट्रा समूहों में बच्चियों के शोषण को रोकने के लिए कड़े कदम उठाएगी।' अश्लीलता और फूहड़पन का पर्याय बन चुके आर्केस्ट्रा समूहों में नाबालिग बच्चियों का यौन शोषण व उत्पीड़न अर्से से जारी है। आर्केस्ट्रा उद्योग ही बच्चियों के शोषण के सहारे चल रहा है। ऐसे में हाई कोर्ट का यह कदम अन्य राज्यों के लिए भी नजीर बन सकता है। इनके नियमन, निगरानी व रजिस्ट्रेशन के पुख्ता प्रबंधों से ही बच्चियों के शोषण पर लगाम लगेगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी बात

ऋतुराज

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 ।प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

देवशयनी एकादशी : विष्णु जी करेंगे विश्राम, शिव संभालेंगे सृष्टि का कार्यभार!

नई दिल्ली (आईएएनएस)

देवशयनी एकादशी का महत्व पुराणों में विशेष रूप से बताया गया है। इस दिन से भगवान विष्णु विश्राम करते हैं, और पूरी सृष्टि का कार्यभार भगवान शिव को सौंप देते हैं। इसी वजह से चातुर्मास के दौरान भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व है। इस अवधि में तपस्या, योग, मंत्र जाप और धार्मिक अनुष्ठान करने से दोगुना पुण्य फल की प्राप्ति होती है। आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवशयनी एकादशी मनाई जाती है। मान्यता है कि इस दिन से भगवान विष्णु चार महीने के लिए क्षीरसागर में विश्राम करने चले जाते हैं, जिसके बाद सृष्टि का संचालन महादेव संभालते हैं। अब

आध्यात्मिक अनुशासन

- मंत्र जप और धार्मिक ग्रंथों का पाठ करें।
- दान-पुण्य में सहभागिता करें।
- गायों की सेवा करें और गौशाला में दान करें।

भगवान विष्णु देव उठनी एकादशी तक विश्राम करेंगे। इस अवधि को चातुर्मास कहा जाता है, जिसमें विवाह समेत सभी मांगलिक कार्य बंद हो जाते हैं। दृक पंचांग के मुताबिक एकादशी की शुरुआत 05 जुलाई को शाम 06 बजकर 58 मिनट से पर होगी। वहीं, इसकी समाप्ति 06 जुलाई को शाम 09 बजकर 14 मिनट पर होगी। ऐसे में इस साल 06 जुलाई को देवशयनी एकादशी का व्रत रखा जाएगा और इसका पारण अगले दिन किया जाएगा। व्रत रखने और विधि-विधान से पूजा करने के लिए आप सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें, फिर मंदिर या पूजा स्थल को साफ करें और गंगाजल छिड़ककर शुद्ध करें। एक चौकी पर कपड़ा बिछाकर पूजन सामग्री रखें, विष्णु भगवान की प्रतिमा स्थापित करें, और अब भगवान को धूप, दीप, अक्षत और पीले फूल चढ़ाएं, व्रत कथा सुनें, और भगवान विष्णु की आरती करें। उसके बाद आरती का आचमन करें। इसके बाद दिनभर निराहार रहें और भगवान का ध्यान करें। मंत्र जप और ग्रंथों का पाठ करें। दान-पुण्य करें। गायों की देखभाल करें। गौशाला में धन का दान करें। जो लोग व्रत नहीं कर पा रहे हैं, वे विष्णु जी की पूजा करें, दान-पुण्य करें, मंत्र जप और ग्रंथों का पाठ करें। बीमार, गर्भवती और बच्चों के लिए व्रत करना जरूरी नहीं होता है; ये लोग पूजा-पाठ करके भी एकादशी व्रत के समान पुण्य कमा सकते हैं।

आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि (शाम के 6 बजकर 58 मिनट तक) 5 जुलाई को पड़ रही है। दृक पंचांगानुसार, 5 जुलाई को दशमी तिथि शाम के 6 बजकर 58 मिनट तक रहेगी, फिर उसके बाद एकादशी तिथि शुरू हो जाएगी। इस दिन अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 58 मिनट से 12 बजकर 54 मिनट तक रहेगा और राहूकाल सुबह 8 बजकर 57 मिनट से 10 बजकर 41 मिनट तक रहेगा।

एयर इंडिया पर जबरन फॉर्म भरवाने का गंभीर आरोप

एयरलाइन ने किया इनकार

अहमदाबाद । एजेंसी

अहमदाबाद में एयर इंडिया-171 विमान दुर्घटना में 241 लोगों की मौत के कुछ सप्ताह बाद, पीड़ितों के परिवारों ने एयरलाइन पर शुरुआती मुआवज़ा प्रक्रिया के दौरान उन पर दबाव डालने का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि उन्हें कंपनी द्वारा प्रदान की गई प्रश्नावली को पूरा करने में विफल रहने पर कोई मुआवज़ा नहीं देने की धमकी दी जा रही थी। उन्होंने यह भी दावा किया है कि मुआवज़ा भुगतान में कटौती करने के कथित प्रयास में उन्हें अपने परिवार के मृतक सदस्य पर अपनी वित्तीय निर्भरता का खुलासा करने वाले कागजात पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया था। एयरलाइन्स ने आरोपों को निराधार और गलत बताते हुए खारिज कर दिया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अहमदाबाद से लंदन जा रही दुर्भाग्यपूर्ण उड़ान में सवार 242 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों में से एक को छोड़कर सभी की विमान के उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से मौत हो गई थी। आपको बता दें कि ब्रिटेन स्थित एक कानूनी फर्म, स्टीवर्ट्स को आधिकारिक तौर पर 40 से अधिक यात्रियों के परिवारों द्वारा नियुक्त किया गया है जो दुर्घटना में मारे गए।

क्या है आरोप : एक अधिकारी ने कहा कि फर्म अहमदाबाद की एक कानूनी फर्म नानावटी और नानावटी के साथ मिलकर काम कर रही है, ताकि एयर इंडिया, बोइंग और अन्य संभावित जिम्मेदार पक्षों के खिलाफ उनके दावों में भारतीय परिवारों की सहायता की जा सके।

बिहार में एनडीए के मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर जीतन राम मांझी का आया बयान, खुद नहीं लड़ेंगे चुनाव

पटना (आईएएनएस)

इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। साथ ही सीएम फेस को लेकर भी चर्चाएं होने लगी हैं। इस बीच केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने भी इस मुद्दे पर बयान दिया है।

केंद्रीय मंत्री ने शुक्रवार को कहा, "हमारे एनडीए में पांच दल हैं, जिसमें हम भी हैं। हम लोगों ने भी कहा है कि बिहार में जो चुनाव होने वाला है उसके अगुआ नीतीश कुमार होंगे। नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही हम लोग चुनाव लड़ेंगे।" उन्होंने कहा कि अब रही बात मुख्यमंत्री कौन होगा, तो परंपरा तो यही रही है कि जिसके नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाता है, उसी को मुख्यमंत्री बनाया जाता है। तो जाहिर तौर पर अभी यहां कहा जा सकता है कि एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ेगी। चुनाव में जीत हम लोगों की ही होगी, इसमें कहीं कोई दो राय नहीं है और नीतीश कुमार ही हमारे मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे।

पुणे में बोले अमित शाह

ऑपरेशन सिंदूर स्वराज की रक्षा के लिए प्रतिबद्धता का बेहतरीन उदाहरण

नई दिल्ली । एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारत के सशस्त्र बल और नेतृत्व 'स्वराज' या देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह बहुत अच्छे ढंग से प्रदर्शित हुआ। पुणे में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में मराठा राजनेता और जनरल पेशवा बाजीराव प्रथम की घुड़सवार प्रतिमा के अनावरण के बाद बोलते हुए, भाजपा नेता ने यह भी कहा कि जब भी वह नकारात्मक विचारों से ग्रस्त होते हैं, तो उन्हें छत्रपति शिवाजी महाराज और बाजीराव की याद आती है।

शाह ने कहा कि एनडीए बाजीराव के स्मारक के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है क्योंकि यह एक ऐसा संस्थान है जहां सैन्य नेतृत्व को प्रशिक्षित किया जाता है। शाह ने कहा कि पुणे की धरती स्वराज के संस्कार का उद्गम स्थान है। 17वीं शताब्दी में यहीं से स्वराज का आलेख देशभर में पहुंचा। जब अंग्रेजों के सामने फिर से स्वराज के लिए लड़ने का समय आया तो सबसे पहले सिंह गर्जना तिलक महाराज ने की – 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।' एक व्यक्ति अपने जीवन में अपने देश के लिए कितना कर सकता है, इसका उदाहरण भी महाराष्ट्र की पुण्यभूमि से ही वीर सावरकर जी ने प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि तीनों सेनाओं के प्रमुख जहाँ से अभ्यास करके निकलते हैं, उस नेशनल डिफेंस अकादमी में श्रीमंत बाजीराव की मूर्ति लगने से जो प्रेरणा मिलेगी, उससे भारत की सीमाओं को कोई छू नहीं पाएगा। शाह ने कहा कि युद्ध की कला के कुछ नियम कभी कालबाह्य नहीं होते...युद्ध में व्यूह रचना का महत्त्व, त्वरा का महत्त्व, समर्पण का भाव, देशभक्ति का भाव और बलिदान का भाव...यही सेनाओं को विजय दिलाते हैं, बस हथियार बदलते रहते हैं...और इन सभी गुणों का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण 500 वर्षों के भारतीय इतिहास में केवल श्रीमंत बाजीराव पेशवा में ही मिलता है।

अमित शाह ने कहा कि जब पूरा दक्षिण भारत आदिलशाही, कुतुबशाही, निजामशाही और इमादशाही से पीड़ित था और उत्तर भारत मुगलों के अधीन था... ऐसे समय में एक 12 साल के बालक ने देश को स्वतंत्र कराने और हिन्दवी स्वराज की स्थापना का संकल्प लिया... शिवाजी महाराज जी की यह वीरता अकल्पनीय है। उन्होंने युवाओं के मन में स्वराज के संस्कार भरने का काम किया। शिवाजी महाराज जी के बाद धर्मवीर संभाजी महाराज, वीर ताराबाई, धनोजी-संतोजी — कई सारे लोगों ने शिवाजी महाराज की परंपरा को आगे बढ़ाया।

शाह के बयान: बाजीराव स्मारक और प्रेरणा स्रोत

- एनडीए (नेशनल डिफेंस अकादमी) बाजीराव के स्मारक के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है, क्योंकि यह सैन्य नेतृत्व का प्रशिक्षण संस्थान है।
- पुणे की धरती स्वराज के संस्कार का उद्गम स्थल है, जहाँ से 17वीं शताब्दी में स्वराज का संदेश देशभर में फैला।
- लोकमान्य तिलक ने पुणे से ही सिंह गर्जना की थी - 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।

पुणे में होंगे अमित शाह, नए प्रदेशाध्यक्ष के चयन बाद पहला महाराष्ट्र दौरा

पुणे(आईएएनएस)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पुणे के दौरे पर हैं, जहां वो शुक्रवार को कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुखयमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार, शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल और केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल समेत अन्य वरिष्ठ नेता इन कार्यक्रमों में मौजूद रहेंगे।

अमित शाह गुरुवार रात को दो दिवसीय महाराष्ट्र प्रवास के लिए पुणे पहुंचे। एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया। अपने दौरे के दौरान अमित शाह शुक्रवार को खड़कवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में श्रीमंत थोरले बाजीराव पेशवा की कांस्य प्रतिमा का अनावरण करेंगे। यह 13.5 फीट ऊंची और 4,000 किलोग्राम वजनी प्रतिमा 'श्रीमंत थोरले बाजीराव पेशवा प्रतिष्ठान' की ओर से भेंट की गई है।

गृह मंत्री शाह शुक्रवार को सबसे पहले एनडीए के कैडेट्स से संवाद करेंगे। इसके बाद वो कोंढवा स्थित जयराज स्पोर्ट्स एंड कन्वेंशन सेंटर का उद्घाटन करेंगे। वो खादी मशीन चौक पर स्थित बालासाहेब देवरस अस्पताल का दौरा करेंगे। अपने दौरे के आखिरी चरण में अमित शाह वडाचिवाडी में हेल्थ सिटी की आधारशिला रखेंगे और इसके बाद वापस लौटेंगे।

गृह मंत्री के दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए हैं। यह अमित शाह का हाल के महीनों में महाराष्ट्र का 5वां दौरा है। भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के चयन के बाद राज्य में उनकी यह पहली यात्रा है। शाह इससे पहले भी फरवरी, अप्रैल, मई और जून में महाराष्ट्र के अलग-अलग शहरों का दौरा कर पार्टी कार्यकर्ताओं से चुनावी तैयारियों को लेकर संवाद कर चुके हैं।

फिलहाल अमित शाह के दौरे को आगामी अक्टूबर-नवंबर में होने वाले स्थानीय निकाय और नगर निगम चुनावों को देखते हुए राजनीतिक दृष्टिकोण से अहम माना जा रहा है।

महागठबंधन में शामिल होने को बेताब ओवैसी की पार्टी

पटना । एजेंसी

बिहार में एआईएमआईएम इस साल के अंत में होने वाले बिहार चुनाव में एकजुट मोर्चा बनाने और अल्पसंख्यक वोटों को एकजुट करने के लिए महागठबंधन में शामिल होना चाहती है। सूत्रों ने बताया कि बिहार के एआईएमआईएम प्रमुख और विधायक अख्तरुल ईमान ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू यादव को एक पत्र लिखा है, जिसमें हैदराबाद स्थित पार्टी को महागठबंधन में शामिल करने का अनुरोध किया गया है।

पत्र में इमाम ने कहा कि एक साथ चुनाव लड़ने से यह सुनिश्चित होगा कि धर्मनिरपेक्ष वोट बिखरेंगे नहीं और अगली सरकार बनाने के लिए महागठबंधन के पास बेहतर अवसर होंगे। हालांकि, इमाम ने यह भी कहा कि एआईएमआईएम को महागठबंधन में शामिल करने पर जल्दी निर्णय नहीं लेना राजद के लिए एक खोया हुआ अवसर माना जाएगा। इमाम ने कहा कि हमने आरजेडी, कांग्रेस और महागठबंधन के अन्य दलों से उनके साथ जुड़ने के लिए बात की है। एक प्रस्ताव भेजा गया है। हमने उनसे जल्द ही निर्णय लेने को कहा है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के नेता ने कहा कि अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो उन्हें यह नहीं कहना चाहिए कि वे चाहते हैं कि हम चुनाव के बाद उनके साथ रहें। सीमांचल में अल्पसंख्यक वोटों के लिए कड़ी टक्कर होगी। किशनगंज में 67 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता हैं, कटिहार में 38 प्रतिशत, अररिया में 32 प्रतिशत और पूर्णिया में 30 प्रतिशत।

इंजन रखरखाव में चूक पर एयर इंडिया एक्सप्रेस ने जिम्मेदारी स्वीकारी

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारत के एविएशन रेगुलेटर नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की कड़ी फटकार के बाद एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शुक्रवार को अपने एयरबस ए320 विमान में इंजन के पुर्जे बदलने में हुई गलती को स्वीकार किया और कहा कि उसने अब इस समस्या को ठीक कर लिया है, साथ ही सुधारात्मक उपाय भी लागू कर दिए हैं। आईएएनएस के साथ शेयर किए गए एक बयान में एयरलाइन ने कहा कि यूरोपियन यूनियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी (ईएएसए) द्वारा मई 2023 में जारी एक एयरवर्थनेस डायरेक्टिव (एडी) कंपनी की इन्वेंट्री में मौजूद दो इंजनों पर लागू था। एयरलाइन ने बताया कि एक इंजन में निर्धारित समय सीमा के भीतर आवश्यक परिवर्तन किया गया था, एयरलाइन के मॉनिटरिंग सॉफ्टवेयर में रिकॉर्ड माइग्रेशन समस्या के कारण दूसरे के लिए निर्देश छूट गया था। एयरलाइन ने कहा, "मॉनिटरिंग सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म पर रिकॉर्ड के माइग्रेशन के कारण, तकनीकी टीम एक इंजन के लिए ट्रिगर से चूक गई। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने आगे कहा कि "जैसे ही इसकी पहचान हुई" आवश्यक परिवर्तन किए गए और दूसरे इंजन के लिए अनुपालन भी समय सीमा के भीतर पूरा कर लिया गया। बयान में कहा गया, "हमने डीजीसीए के समक्ष त्रुटि को स्वीकार किया और तत्काल प्रभाव से सुधारात्मक कार्रवाई और निवारक उपाय किए। जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई भी की गई।

आज का राशिफल

मेष : कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपके द्वारा प्रस्तुत योजना से लोग प्रभावित होंगे।

वृष : महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे।

मिथुन : राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

कर्क : आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे।

सिंह : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। विवाद को टालें।

कन्या : आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी।

तुला : आलस्य का त्याग करें। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी।

वृश्चिक : भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी।

धनु : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा।

मकर : जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी।

कुंभ : बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी।

मीन : संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। इच्छित कार्य सफल होंगे।

मैं विवेकानंद की हिंदू धर्म की परिभाषा में विश्वास करती हूं : ममता बनर्जी

कोलकाता । एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि वह विवेकानंद की हिंदू धर्म की उस परिभाषा में विश्वास करती हैं, जो मानवता को हर चीज से ऊपर रखती है। विवेकानंद को एक 'संत-देशभक्त' बताते हुए बनर्जी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि स्वामीजी ने जो सार्वभौमिक भाईचारे और शांति का संदेश दिया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में एक संपन्न परिवार में हुआ था। चार जुलाई 1902 को उनका निधन हो गया था।

बनर्जी ने कहा, ''स्वामीजी जिस हिंदू धर्म में विश्वास करते थे, मैं भी उसी में विश्वास करती हूं और वह धर्म कहता है कि मानवता सबसे महान है। स्वामी विवेकानंद के आदर्शों से प्रेरित होकर मैं चाहती हूं कि बंगाल और देश के लोग, चाहे वे किसी भी धर्म, जाति या वर्ग के हों, एक-दूसरे का सम्मान और प्रेम करें। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि उनकी सरकार ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि विवेकानंद और उनकी शिष्या सिस्टर निवेदिता के आवास क्रमशः रामकृष्ण मिशन और रामकृष्ण शारदा मिशन को सौंपे जाएं।

वर्दी में रील बनाने में एसआई और होमगार्ड का जवान निलंबित

डेहरी आन सोन (हि स)

रोहतास जिले के बिक्रमगंज में पुलिस की वर्दी में रील बनाने के आरोप में एसआई व होमगार्ड जवान को आज निलंबित कर दिया गया है। रोहतास के पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार ने पुलिस उप निरीक्षक सोनू चौधरी और बिहार होमगार्ड के जवान सोनू यादव को निलंबित कर दिया है।उन्होंने बताया कि पुलिस उप निरीक्षक और होमगार्ड के जवान के विरुद्ध यह कार्रवाई है। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों ने वर्दी में रील बनाकर अपने एकाउंट से सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था,जिसमें होमगार्ड का जवान भोजपुरी गाने पर अपने हाथ में सरकारी रायफल लहराते हुए दिख रहा है। जांचोपरांत घटना सही पाए जाने पर पुलिस अधीक्षक ने यह कार्रवाई की है।

'मुस्लिमों' को लेकर आपस में भिड़े बंगाल भाजपा के नेता

कोलकाता । एजेंसी

● , समिक भट्टाचार्य और शुभेंदु अधिकारी के मतभेद सामने आये

पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष बनते ही समिक भट्टाचार्य ने एक ऐसा बयान दे दिया है जिससे उनके और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गये हैं। हम आपको बता दें कि अध्यक्ष चुने जाने के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए समिक भट्टाचार्य ने कहा कि पार्टी को मुस्लिम समाज के साथ संवाद बढ़ाना चाहिए। उनके इस बयान से कुछ मिनट पहले ही वरिष्ठ भाजपा नेता और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा था कि बंगाल में चुनौती गुंडागर्दी और मुसलमान हैं और कोई अन्य चुनौती नहीं है। देखा जाये तो यह विवाद केवल दो नेताओं के बीच मतभेद नहीं, बल्कि भाजपा के भीतर एक गहरी रणनीतिक बहस को दर्शाता है। एक पक्ष (समिक भट्टाचार्य जैसा नेतृत्व) मानता है कि बंगाल जैसे राज्य में धार्मिक ध्रुवीकरण के बजाय समावेशी राजनीति अपनानी चाहिए ताकि पार्टी का दायरा बढ़े। वहीं दूसरा पक्ष (शुभेंदु अधिकारी जैसा नेतृत्व) कहता है कि भाजपा की पहचान उसकी हिंदुत्ववादी विचारधारा से है और इससे हटना आत्मघाती होगा। हम आपको बता दें कि बंगाल की 27% आबादी मुस्लिम है, जो कई सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाती है। बंगाल की राजनीति का एक सच यह है कि भाजपा अभी तक मुस्लिम वोट बैंक को नहीं साध पाई है और यह अधिकांशतः तृणमूल कांग्रेस, वाम दलों और कांग्रेस के साथ रहा है। समिक भट्टाचार्य का प्रयास भाजपा को समावेशी दिखाने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है, जबकि शुभेंदु अधिकारी इस रणनीति को गलत मानते हैं। शुभेंदु अधिकारी पहले भी कई बार मुस्लिमों के विरोध में बयान दे चुके हैं। वह तो यहां तक कह चुके हैं कि सबका साथ सबका विकास नारे से कुछ हासिल नहीं होगा। जहां तक समिक भट्टाचार्य के बयान की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने कहा कि भाजपा भारतीयों की पार्टी है, भाजपा की लड़ाई मज़हबी लड़ाई नहीं है, हमारी लड़ाई उन लोगों के खिलाफ है जो भारत में रहकर दूसरे देशों की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी अनुच्छेद 356 लगाकर किसी भी चुनी हुई सरकार को गिराने के पक्ष में नहीं है।

रणनीति पर चर्चा अनुभवों के आधार पर अगली रणनीति तय करने पर जोर, उप सेना प्रमुख ने कहा

पाक के साथ चीन, तुर्किये से भी करना पड़ा था मुकाबला

- **तुर्किये ने भी पाकिस्तान को अपने ड्रोन की सहायता देकर उसके प्रयोग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।**

नई दिल्ली (हि.स.)

आत्मनिर्भरता बढ़ने का किया आह्वान

फिक्की रक्षा और होमलैंड सुरक्षा समिति के अध्यक्ष विनोद सहाय ने कहा कि मानव रहित और स्वायत्त प्रणालियां भविष्य हैं। जैसे-जैसे संघर्ष विकसित होते हैं, राष्ट्र बहुमूल्य जीवन के नुकसान को कम करने को प्राथमिकता देते हैं। मानव रहित और स्वायत्त प्रणालियां वायु, भूमि, जल और पानी के नीचे सहित विभिन्न क्षेत्रों पर हावी होंगी। इसी समिति के सह अध्यक्ष अशोक अटलूरी ने स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित (आईडीडीएम) कंपनियों को संरक्षित, पोषित और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर जोर

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के साथ हवाई संघर्ष में भारतीय सेनाओं को मिले सबक का अलग-अलग तरीके से विश्लेषण किया जा रहा है। सैन्य अधिकारी संघर्ष के दौरान मिले अनुभवों के आधार पर अपनी अगली रणनीति तय करने पर जोर दे रहे हैं। इसलिए उप सेना प्रमुख (क्षमता विकास एवं संधारण) लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने शुक्रवार को पहली बार माना कि हालिया संघर्ष में पाकिस्तान समेत तीन विरोधी मैदान में थे, जिनसे मुकाबला करना पड़ा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सबसे आगे जरूर था, लेकिन उसके पीछे चीन और तुर्किये भी थे। लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आज फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की ओर से आयोजित 'नए युग की सैन्य प्रौद्योगिकियां' विषय पर संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूरे अभियान के दौरान वायु रक्षा और उसका संचालन किस तरह किया गया, यह महत्वपूर्ण था। हमारे पास एक सीमा थी और दो विरोधी थे, वास्तव में तीन। पाकिस्तान अग्रिम मोर्चे पर था। चीन हर संभव सहायता प्रदान कर रहा था। पाकिस्तान के पास 81 फीसदी सैन्य हार्डवेयर चीनी है।

उन्होंने यह भी कहा कि चीन अपने हथियारों का परीक्षण अन्य हथियारों के विरुद्ध करने में सक्षम है, इसलिए यह संघर्ष उनके लिए एक जीवंत प्रयोगशाला की तरह उपलब्ध था। तुर्किये ने भी पाकिस्तान को अपने ड्रोन की सहायता देकर उसके प्रयोग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जब डीजीएमओ स्तर की वार्ता चल रही थी, तो पाकिस्तान को चीन से हमारे महत्वपूर्ण वेक्टरों के बारे में लाइव अपडेट मिल रहे थे।

विदेश मंत्री एस जयशंकर 13 जुलाई से चीन दौरे पर

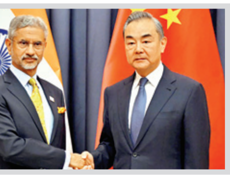

नई दिल्ली (आईएएनएस)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बाद अब विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर भी अगले सप्ताह चीन की यात्रा पर जाएंगे। सूत्रों के अनुसार, वह 13 जुलाई से तीन दिवसीय दौरे पर बीजिंग और तिआनजिन पहुंचेंगे, जहां वह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे। इस वर्ष एससीओ की अध्यक्षता चीन कर रहा है। यह दौरा विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि यह गलवान घाटी की हिंसक झड़प (जून 2020) के बाद जयशंकर की पहली चीन यात्रा होगी। इससे पहले वे अपने चीनी समकक्ष से विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर मिलते रहे हैं।

मरीन कर्मी मौत मामले को लेकर पूर्व चीफ से होगी पूछताछ

सोल (आईएएनएस)। दक्षिण कोरिया में मरीन कर्मी मौत मामले में विशेष वकील अगले सप्ताह पूर्व मरीन चीफ से पूछताछ करेगा। एक विशेष जांच दल ने शुक्रवार को बताया कि मामला 2023 में मरीन कर्मी की मौत से जुड़ा है। जांच दल अगले सप्ताह मरीन कॉर्प्स के पूर्व शीर्ष कमांडर को पूछताछ के लिए बुलाएगा। जांच दल ने पूर्व मरीन कॉर्प्स कमांडेंट किम काये-ह्वान को सोमवार को पेश होने का आदेश दिया है। उन पर एक मरीन कर्मी की मौत से जुड़े मामले को प्रभावित करने का आरोप है। आरोप है कि जुलाई 2023 में मूसलाधार बारिश के बीच पीड़ितों को रेस्क्यू करने गए कॉर्पोरल चाए सु-ग्यून की मौत हो गई थी। तत्कालीन उच्च अधिकारियों, जिनमें पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल शामिल हैं, ने इस मामले की सैन्य जांच में हस्तक्षेप किया था। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एक सहायक विशेष अभियोजक ने बताया कि किम ने पूछताछ के लिए आने की सहमति दी है। जिसमें तत्कालीन रक्षा मंत्री ली जोंग-सुप और राष्ट्रपति कार्यालय से मिले निर्देशों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

हिंदी भाषी दुकानदार से मारपीट एमएनएस कार्यकर्ताओं पर केस

ठाणे । महाराष्ट्र के ठाणे में मराठी में बात न करने पर एक दुकानदार से मारपीट के केस में शुक्रवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के 7 कार्यकर्ताओं पर FIR दर्ज की गई है। घटना 30 जून की है। MNS कार्यकर्ताओं ने एक गुजराती दुकानदार से मराठी में बात करने को कहा था। ऐसा न करने पर उसे थप्पड़ मारे थे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और कार्रवाई की जाएगी। मराठी का सम्मान होना चाहिए, पर मराठी के नाम पर गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं करेंगे। आरोपियों को गुरुवार शाम हिरासत लिया गया था, लेकिन कुछ देर बाद जमानत दे दी गई थी। आरोपियों पर जमानती धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। इन धाराओं में सीधे गिरफ्तारी नहीं की जा सकती। जिस वजह से पुलिस ने इन्हें छोड़ दिया था।

रूस ने तालिबान सरकार को आधिकारिक मान्यता प्रदान की

ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश, तालिबान ने फैसले को बहादुरी भरा बताया

काबुल/मॉस्को । एजेंसी

अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता को रूस ने आधिकारिक मान्यता दे दी है। ऐसा करने वाला रूस दुनिया का पहला देश बन गया है। यह घोषणा गुरुवार को काबुल में अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और अफगानिस्तान में रूस के राजदूत दिमित्री झिरनोव के बीच हुई बैठक के बाद की गई। तालिबान सरकार ने रूस के इस कदम को बहादुरी भरा फैसला बताया है। मुत्ताकी ने बैठक के बाद जारी एक वीडियो बयान में कहा, रूस बोला- मान्यता देने से द्विपक्षीय सहयोग तेजी से बढ़ेगा रूस के अफगानिस्तान मामलों के विशेष प्रतिनिधि जामिर काबुलोव ने रिया नोवोस्ती ने तालिबान सरकार को मान्यता देने की पुष्टि की। रूसी विदेश मंत्रालय ने भी बयान जारी

कर कहा कि इस्लामिक अमीरात की सरकार को मान्यता देने से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग तेजी से बढ़ेगा। चीन, पाकिस्तान और ईरान जैसे कई देशों ने अपने-अपने यहां तालिबान राजनयिकों को तैनात कर रखा है, लेकिन अभी तक किसी ने भी तालिबान शासन को आधिकारिक मान्यता नहीं दी थी।

आधिकारिक मान्यता मिलने के मायने क्या?

जब एक देश दूसरे देश को आधिकारिक मान्यता देता है, तो वह उसे एक स्वतंत्र राष्ट्र मानता है। यानी उस देश की अपनी सरकार है, अपनी सीमा है और वह दुनिया के दूसरे देशों से रिश्ते बना सकता है। यह मान्यता 1933 की मोंटेवीडियो संधि जैसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर आधारित होती है। इसके लिए चार शर्तें होती हैं, स्थायी आबादी, सीमा, सरकार और विदेशों से संबंध बनाने की क्षमता। मान्यता मिलने से किसी देश को वैधता, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में जगह और दूसरे देशों से व्यापार व रिश्ते बनाने का मौका मिलता है।

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले में हिंदू पक्ष को झटका

- शाही ईदगाह मस्जिद को 'विवादित ढांचा' लिखने की मांग की याचिका खारिज

ब्यूरो

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाईकोर्ट से श्री कृष्ण जन्म भूमि-शाही ईदगाह मस्जिद मामले में हिंदू पक्ष को झटका लगा। हिंदू पक्ष की ओर से दायर याचिका में मांग की गई थी कि अदालत में भविष्य में होने वाली सभी कार्यवाहियों में शाही ईदगाह मस्जिद को 'विवादित ढांचा' लिखा जाए लेकिन अदालत ने सुनवाई करने के बाद ऐसा करने से इनकार कर दिया। हिंदू पक्ष की ओर से अदालत में अपनी तमाम दलीलें रखी गई थी और इनके आधार पर ही यह मांग की गई थी। जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा की बेंच ने कहा कि इस मामले को खारिज किया जाता है। इस मामले में कुल 18 मुकदमों में एक साथ सुनवाई चल रही है।इनमें यह मांग भी की गई है कि श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर के परिसर से अवैध अतिक्रमण को हटाया जाए। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि शाही ईदगाह मस्जिद अवैध अतिक्रमण की तरह है। यह विवाद मथुरा में मुगल शासक औरंगजेब के समय की शाही ईदगाह मस्जिद से संबंधित है। इसके बारे में कहा जाता है कि इसे कृष्ण के जन्मस्थान पर स्थित मंदिर को ध्वस्त करके बनाया गया था। 1968 में मंदिर का प्रबंधन करने वाले प्राधिकरण श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान व शाही मस्जिद ईदगाह ट्रस्ट के बीच एक समझौता हुआ था। इस समझौते के तहत दोनों पूजा स्थलों को एक साथ चलाने की अनुमति दी गई थी। लेकिन बाद में इस समझौते की वैधता को अदालतों में चुनौती दी गई है।चुनौती देने वालों का कहना है कि समझौता धोखाधड़ी से किया गया था और कानूनी तौर पर गलत है। विवादित स्थल पर पूजा करने के अधिकार का दावा करते हुए कई याचिकाकर्ताओं ने शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने की मांग की है। मई 2023 में, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सभी मुकदमों को अपने पास ट्रांसफर कर लिया। इस आदेश को मस्जिद समिति व बाद में उ.प्र. सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड द्वारा सर्वोच्च न्यायालय चुनौती दी गई। दिसंबर 2023 में हाईकोर्ट ने शाही ईदगाह मस्जिद के निरीक्षण के लिए कोर्ट कमिश्नर की नियुक्ति की मांग वाली याचिका को स्वीकार कर लिया और कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करने का आदेश दिया। जनवरी 2024 में, सुप्रीम कोर्ट ने शाही ईदगाह मस्जिद का निरीक्षण करने के लिए कमिश्नर नियुक्त करने के इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के कार्यान्वयन पर रोक लगा दी।

नए युद्धविराम प्रस्तावों को स्टडी कर रहा हमास

फिलिस्तीन । एजेंसी

फिलिस्तीनी समूह हमास का कहना है कि वह गाजा में अस्थायी युद्ध विराम के लिए नए प्रस्तावों का अध्ययन कर रहा है, लेकिन उसने जोर देकर कहा कि वह ऐसा समझौता चाहता है जो इजरायल के युद्ध को समाप्त कर दे। हमास ने एक बयान में कहा कि उसे मध्यस्थों से प्रस्ताव मिले हैं और वह वार्ता की मेज पर लौटने और युद्ध विराम समझौते पर पहुंचने के लिए अंतराल को पाटने के लिए उनके साथ बातचीत कर रहा है। समूह ने कहा कि वह एक ऐसे समझौते का लक्ष्य बना रहा है जो गाजा युद्ध को समाप्त करेगा और इस क्षेत्र से इजरायली सेना की वापसी सुनिश्चित करेगा।

यह घोषणा संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा यह कहे जाने के एक दिन बाद की गई है कि इजरायल ने गाजा में 60-दिवसीय युद्ध विराम के प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की है और हमास से आग्रह किया है कि स्थिति बिगड़ने से पहले वह इस समझौते को स्वीकार कर ले। ट्रम्प इजरायल सरकार और हमास

- इजरायल को किया साफ, युद्ध समाप्त करने पर ही होगी कोई बात

पर युद्ध विराम कराने और समूह के लिए गाजा में बंद इजरायली बंदियों को रिहा करने के लिए एक समझौते के लिए दबाव बढ़ा रहे हैं।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि गाजा में मारे गए फलस्तीनियों की संख्या बढ़कर 57,000 से अधिक हो गई है जिनमें वे 223 लापता लोग भी शामिल हैं जिन्हें मृत घोषित कर दिया गया है। ये मौतें ऐसे समय में हुई हैं जब इजराइल और हमास संभावित संघर्षविराम के करीब पहुंच रहे हैं, जिससे 21 महीने से जारी युद्ध समाप्त होने की उम्मीद है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा था कि इजराइल गाजा में 60 दिन के संघर्षविराम की शर्तों पर सहमत हो गया है और उन्होंने हमास को चेतावनी दी थी।

इटली के गैस डिपो में भीषण ब्लास्ट, 21 घायल

आसमान में धुएं का गुबार छाया, 300 मीटर दूर तक मलबा बिखरा

रोम । एजेंसी

इटली की राजधानी रोम के एक पेट्रोल स्टेशन और गैस डिपो में भीषण ब्लास्ट हुआ है। हादसे में 21 लोग घायल हुए हैं। ब्लास्ट के बाद आग का एक बड़ा गोला आसमान में दिखाई दिया। यह ब्लास्ट स्थानीय समयानुसार लगभग सुबह 8 बजे हुआ। ब्लास्ट के बाद घटनास्थल से 300 मीटर दूर तक मलबा बिखर गया। यूके मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक यहां एक के बाद एक दो ब्लास्ट हुए हैं। पहले विस्फोट से पहले गैस की गंध आ रही थी। इसके बाद दूसरा ब्लास्ट हुआ और आग का एक बड़ा गोला आसमान में छा गया।

हादसे के बाद लोगों को इलाके से निकाला गया

ब्लास्ट के बाद लोगों को घरों से निकाला गया है। इसके अलावा सभी वाहन चालकों को भी हटाया गया है। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने रोम के मेयर से बात की हैं। घटना स्थल के पास ही एक स्कूल था। हादसे के बाद 15 बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। मौके पर कई फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस को तैनात किया गया।

रूस का यूक्रेन पर 550 मिसाइल और ड्रोन से हमला, 23 घायल

कीव । रूस ने यूक्रेन पर शुक्रवार सुबह 500 मिसाइलों और ड्रोनों से हमला किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया कि इनमें से 270 मिसाइलों को हवा में मार गिरा गया। इनके अलावा 330 शाहेद ड्रोन भी थे। इनमें से 208 ड्रोन को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के जरिए जाम कर दिया गया। ये ड्रोन ईरान में बने हैं। इस हमले का सबसे बड़ा निशाना राजधानी कीव ही था। कीव के अलावा द्निप्रो, सुमी, खार्किव, चेर्निहिव और आसपास के इलाकों को भी नुकसान पहुंचाया।

अमेरिका में भारतीय मूल का युवक गिरफ्तार प्लेन में दूसरे यात्री पर हमले का आरोप

वाशिंगटन (आईएएनएस)

अमेरिका के मियामी में 21 साल के भारतीय मूल के एक युवक को फ्लाइट में एक सह-यात्री पर कथित हमले के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना 30 जून को फ्रंटियर एयरलाइंस की फ्लाइट में फिलाडेल्फिया से मियामी जाते समय हुई। आरोपी की पहचान ईशान शर्मा के रूप में हुई है, जिसने कथित तौर पर एक सह-यात्री पर हमला किया और इस कारण शर्मा को आंख के पास चोट लगी, जबकि पीड़ित कीनू इवांस को मामूली चोटें आईं। विमान के मियामी में उतरने के बाद ईशान शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया और उन पर मारपीट (किसी अन्य व्यक्ति के खिलाफ हानिकारक या अपमानजनक कृत्य) का आरोप लगाया गया। इसके बाद मंगलवार को ईशान को कोर्ट में पेश किया गया, जहां उस पर 500 डॉलर का जुर्माना लगाया गया। साथ ही उसे किसी भी तरह से पीड़ित के पास जाने से रोक दिया गया।

ट्रंप के सपनों का कानून पास!

यूएस में एनआरआई का रहना अब और महंगा

न्यूयॉर्क । एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति ने नेशनल पॉलिटिक्स में एक बड़ी जीत हासिल कर ली है. उनके सपने का बिल अमेरिकी संसद के दोनों सदनों से पास हो गया है और 4 जुलाई को वह ट्रंप के हस्ताक्षर के साथ कानून बन जाएगा। भारत पर भी इसका सबसे प्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ने वाला है। एनआरआई द्वारा भारत में भेजा गया या निवेश किया गया धन। प्रवासन भी फोकस में है। चूंकि ट्रम्प ने जिसे 'बिग एंड ब्यूटीफुल' नाम दिया है, बिल में 4.5 ट्रिलियन डॉलर के टैक्स कट

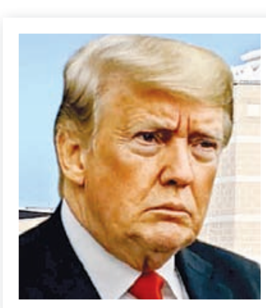

और 1.2 ट्रिलियन डॉलर की खर्च कटौती शामिल है, जिसमें मेडकिड और फूड स्टांप पर सख्त वर्क रूल्स लगाए गए हैं। माना जा रहा है कि इससे 1 करोड़ से ज्यादा अमेरिकियों का बीमा खत्म हो सकता है। टेस्ला के मालिक इलॉन मस्क इस बिल का खुलकर विरोध कर रहे हैं। टेस्ला के मालिक इलॉन मस्क भी इस बिल के विरोधी रहे हैं।

क्या है बिग एंड ब्यूटीफुल बिल : यह बिल अमेरिका के 2017 के टैक्स कट को स्थायी बनाने का प्रयास है। यह एक व्यापक बिल है, जिसमें सीमा सुरक्षा, खर्च और टैक्स शामिल किए गए हैं। अमेरिका में रह रहे दूसरे देश के लोगों द्वारा घर पैसा भेजने पर 5 प्रतिशत का टैक्स लगाने को लेकर इसकी आलोचना भी खूब हो रही है। रिन्यूवेबल एनर्जी जैसी चीजों के लिए सब्सिडी खत्म करना इसमें शामिल है। ट्रंप का यह विधेयक बाइडेन युग के उस आदेश को समाप्त कर देगा, जिसके अनुसार 2032 तक नई कार की बिक्री में दो-तिहाई इलेक्ट्रिक वाहन होंगे। विधेयक में तेल, गैस और कोयला निकालने के लिए कंपनियों द्वारा भुगतान की जाने वाली रॉयल्टी रेट्स में कटौती का प्रस्ताव है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का नया बजट बिल सीनेट में पास हो गया। वोटिंग में 50-50 की बराबरी के बाद उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने निर्णायक वोट देकर बिल को पास कराया। ये बिल गरीबों की मदद करने वाले कई कार्यक्रमों में कटौती करता है।

अभिनेता अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर ने अपने प्रेमी रोहन ठक्कर के साथ सगाई कर ली है। रोहन ठक्कर एक लेखक हैं। निर्माता बोनी कपूर और दिवंगत मोना शौरी कपूर की बेटी अंशुला ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में अपनी सगाई की यह खबर साझा की। दोनों ने न्यूयॉर्क शहर के सेंट्रल पार्क में बेल्वेडियर कैसल के सामने सगाई की। अंशुला ने पोस्ट में बताया कि उनकी मुलाकात ठक्कर से तीन साल पहले एक 'डेटिंग' ऐप के जरिए हुई थी। इस खास मौके पर अर्जुन कपूर, जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर ने अंशुला को बधाई दी।

इंस्टाग्राम पर अंशुला कपूर ने प्रपोजल मॉर्निंग की प्यार भरी तस्वीरें शेयर कीं : फ्लोरल प्रिंटेड ड्रेस पहने अंशुला तस्वीरों में अपनी डायमंड रिंग दिखाते हुए खुशी से झूम उठीं। तस्वीरों के साथ अंशुला ने एक लंबा नोट लिखा, जिसमें उन्होंने अपनी प्रेम कहानी का खुलासा किया, जो 2022 की एक रात को शुरू हुई थी। उन्होंने लिखा, "हम एक ऐप पर मिले थे।

बहन की सगाई पर इमोशनल हुए अर्जुन कपूर, अंशुला कपूर और रोहन ठक्कर को ऐसे दी बधाई

जान्हवी कपूर ने अपनी खुशी को रोके नहीं रखा, उन्होंने पोस्ट किया, "मेरी बहन की सगाई हो गई है। सबसे अच्छे के लिए सबसे अच्छा।" ख़ुशी कपूर ने भी अपनी खुशी को अपने प्यारे नोट के साथ दोहराया, "मैं आप दोनों से प्यार करती हूँ। मेरी बहन की शादी हो रही है!!!!

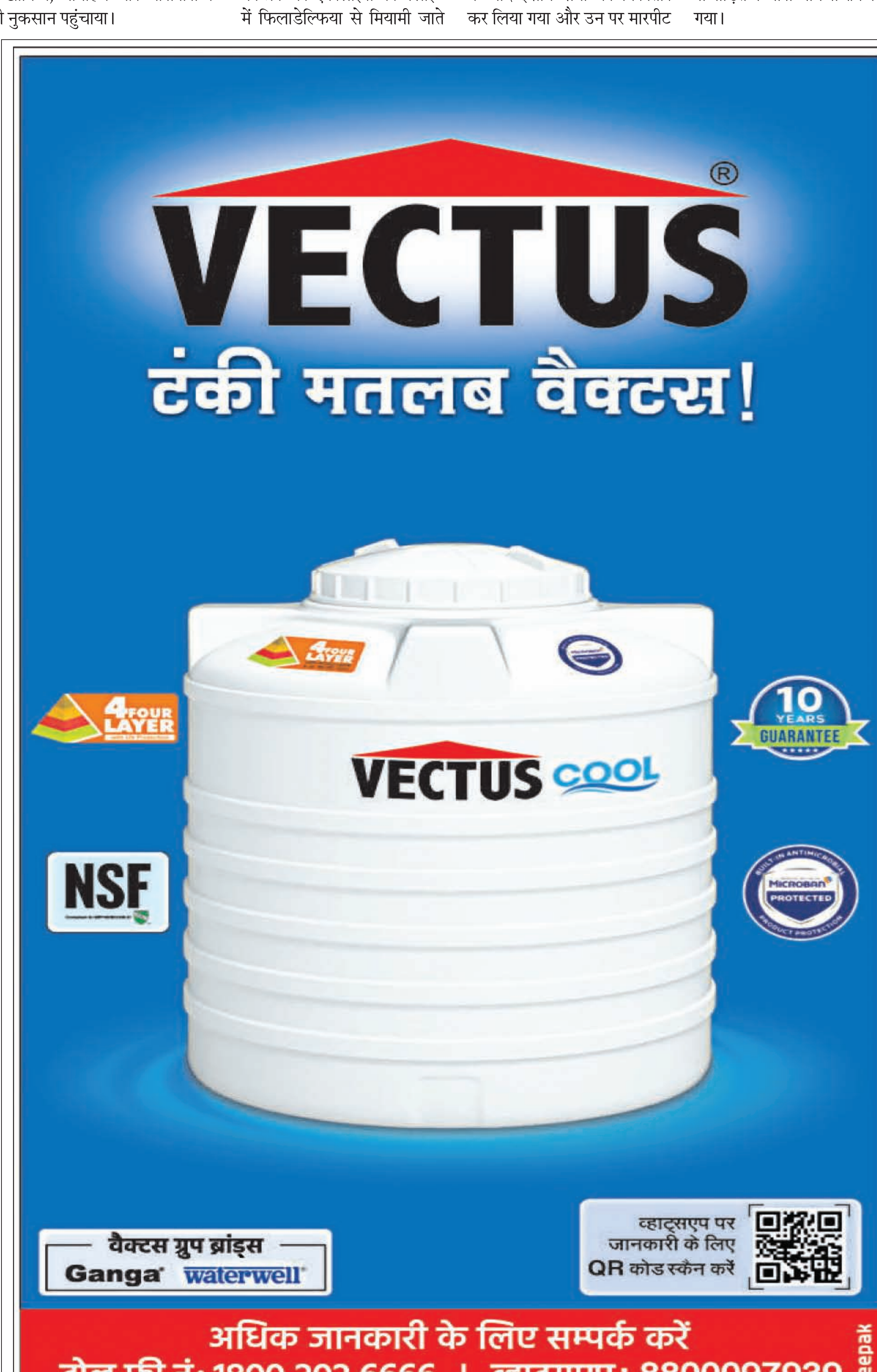

डीसी ने झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई के दिए निर्देश

श्रावण माह के सफल संचालन को लेकर डीसी ने की बैठक

रांची। उपायुक्त सह अध्यक्ष पहाड़ी मंदिर विकास समिति राँची, श्री मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय ब्लॉक ए स्थित सभागार में श्रावण माह 2025 के सफल संचालन एवं अन्य मुद्दों के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक शहर अजीत कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) उत्कर्ष कुमार, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वर नाथ आलोक एवं पहाड़ी मंदिर विकास समिति के सदस्य, श्री सुशील कुमार, आनंद गडोदिया, श्री सुनील माथुर, श्री मदनपाल पारिख एवं संबंधित सभी पदाधिकारी शामिल हुए। उपायुक्त सह अध्यक्ष पहाड़ी मंदिर विकास समिति मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा श्रावण माह 2025 के सफल संचालन एवं अन्य मुद्दों के संबंध में बैठक करते हुए कहा कि यह श्रावण माह बहुत पवित्र और पावन महीना हैं। इसे अच्छे से संचालन करना जिससे भक्तों को कोई परेशानी ना हो वह अपने आराध्य देव की पूजा पूरी श्रद्धा भक्ति से कर पाए। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी और पहाड़ी मंदिर से जुड़े सभी सदस्यों की भूमिका काफी अहम होगी।

नवीन मेल संवाददाता

रांची। यक्ष्मा (टीबी) नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिला टास्क फोर्स कमेटी की बैठक शुक्रवार को समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में हुई। बैठक की अध्यक्षता रांची डीसी मंजूनाथ भजन्त्री ने की। बैठक में सिविल सर्जन, आईटीडीए निदेशक, पंचायती राज व शिक्षा विभाग के अधिकारी, डब्ल्यूएचओ प्रतिनिधि और अन्य स्वास्थ्य पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि 1 जुलाई से 31 दिसंबर तक रांची जिले में टीबी मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में संवेदनशील वर्गों की घर-घर जाकर स्क्रीनिंग की जा रही है। इनमें झुग्गी-बस्ती, अनाथालय, जेल, खनन क्षेत्र, प्रवासी मजदूर, डायबिटीज व एचआईवी पीड़ित समेत अन्य समूह शामिल हैं। डीसी ने अभियान की सघन निगरानी, जागरुकता अभियान और झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से समन्वय बनाकर स्कूल, कॉलेज, पंचायत स्तर पर जागरुकता बढ़ाने को कहा। बैठक के अंत में डीसी ने टीबी मरीजों के बीच फूड बास्केट का वितरण किया और इसे और अधिक व्यापक स्तर पर लागू करने का निर्देश भी दिया। उन्होंने आमजन से इस अभियान में सहयोग की अपील की, ताकि जिले को टीबी मुक्त बनाया जा सके।

रामविलास पासवान की जयंती पर श्रद्धांजलि सभा आज

रांची (हि.स.)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के संस्थापक रामविलास पासवान की जयंती के अवसर पर शनिवार को रांची स्थित पार्टी कार्यालय, कृष्णा एन्क्लेव, डोरंडा में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बिरेन्द्र प्रधान के नेतृत्व में संपन्न होगा। इस संबंध में पार्टी की ओर से कहा गया है कि रामविलास पासवान भारतीय राजनीति के ऐसे नेता थे जिन्होंने सात प्रधानमंत्रियों के साथ काम किया। वे सामाजिक न्याय के प्रबल पैरोकार थे और उन्होंने दलित, पिछड़ा, अति-पिछड़ा एवं वंचित वर्गों की आवाज़ को संसद से सड़क तक मजबूती से उठाया। उनके कार्यों ने देश के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य को नई दिशा दी। कार्यक्रम में उनके विचारों, संघर्षों और नीतियों को स्मरण करते हुए संगठन की आगामी दिशा पर चर्चा की जाएगी।

बेरोजगार युवाओं के प्रति संवेदनहीन है हेमंत सरकार : बाबूलाल मरांडी

- सरकार पार्ट 2 के छह माह बाद भी उत्पाद सिपाही की लिखित परीक्षा ठंडे बस्ते में
- विधानसभा चुनाव से पूर्व हुई उत्पाद सिपाही दौड़ में कई युवाओं की हो गई थी मौत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को युवाओं के सवालों पर हेमंत सरकार पर बड़ा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से पूर्व राज्य सरकार ने उत्पाद सिपाही भर्ती की दौड़ आयोजित कराई थी। सरकार की कुव्यवस्था और हठधर्मिता के कारण कई युवाओं की मौत होने लगी, लेकिन सरकार ने दौड़ को नहीं रोका और मौत का आंकड़ा बढ़ता ही चला गया। बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा, युवाओं को उम्मीद थी कि सरकार जल्द लिखित परीक्षा लेगी, लेकिन हेमंत सरकार गठन के 6 माह बीत जाने के बाद भी लिखित परीक्षा न होने के कारण अबतक उत्पाद सिपाही भर्ती प्रक्रिया पर संशय बना हुआ है। उन्होंने कहा कि झारखंड के युवा हेमंत सरकार की राजनीति के सबसे आसान शिकार हैं। साधन संपन्न धनाढ्य परिवार में जन्म लेने के कारण मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने युवावस्था में साधारण युवकों के संघर्ष को महसूस नहीं किया है। इसलिए उनकी शासन पद्धति में भी युवाओं के प्रति संवेदनहीनता नजर आती है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हेमंत जी सारी शर्म हया त्यागकर युवाओं के मुद्दे से बेपरवाह नजर आते हैं। जब भी युवाओं द्वारा नौकरी की मांग की जाती है, तो परीक्षा कैलेंडर का झुनझुना थमा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि आज झारखंड में युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो चुका है। न कोई ठोस नियोजन नीति, न पारदर्शी परीक्षा, न ससमय रिजल्ट..., युवाओं को मिलता है तो सिर्फ फर्ज़ी आश्वासन।

सशक्त पंचायत नेत्री अभियान कार्यक्रम शुरू

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान, हेहल में पुनर्गठित आरजीएसए योजना के अंतर्गत राज्य की सभी महिला निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से सशक्त पंचायत नेत्री अभियान कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस अभियान के तहत सशक्त पंचायत सतत विकास प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया, जो महिला प्रतिनिधियों को नेतृत्व, शासन और सतत विकास के क्षेत्रों में सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल महिला नेतृत्व को केवल सम्मान ही नहीं देती, बल्कि उन्हें गांव के विकास की धुरी बनाने की दिशा में भी प्रेरित करती है। आज महिलाएं केवल जनप्रतिनिधि नहीं, बल्कि बदलाव की अग्रदूत बन रही हैं और यह प्रशिक्षण उन्हें उस भूमिका में और अधिक दक्ष बनाएगा।

ऊर्जा विकास श्रमिक संघ ने सौंपा ज्ञापन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट द्वारा विगत 01 जुलाई 2025 को पारित आदेश के आलोक में झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ ने शुक्रवार को झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के नाम एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन निगम के अंतर्गत कार्यरत आउटसोर्स कर्मियों को न्यूनतम वेतनमान एवं समान कार्य के लिए समान वेतन सुनिश्चित करने की मांगों को लेकर सौंपा गया है। संघ के अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि झारखंड ऊर्जा विकास निगम में वर्षों से कार्यरत तकनीकी और गैर-तकनीकी श्रमिकों को अब तक न तो न्यूनतम वेतनमान मिल रहा है और न ही संविधान प्रदत्त 'समान कार्य के लिए समान वेतन' के सिद्धांत का पालन हो रहा है। उन्होंने इसे न्यायालय की भावना और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध बताया। ज्ञापन में मुख्यतः जिन 6 बिंदुओं को प्रमुखता दी गई है, उनमें न्यूनतम वेतनमान एवं वर्ष 2017 से एरियर का तत्काल भुगतान, स्थायी और संविदा कर्मियों के बीच वेतन समानता, भविष्य की बहालियों में एजेंसी कर्मियों को प्राथमिकता एवं आयु छूट, सभी एजेंसियों को राज्य अधिसूचित न्यूनतम वेतन का पालन कराने के लिए लिखित आदेश, एक स्वतंत्र निगरानी समिति का गठन तथा शोषण के विरुद्ध पारदर्शी शिकायत निवारण प्रणाली की स्थापना शामिल हैं।

पुल निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास

रांची। कांके प्रखंड के बुदधू बगीचा के समीप जुमार नदी पर पुल का निर्माण होना है। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की अनुशंसा पर 2 साल के अथक प्रयास के बाद आज पुल का निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। 4 करोड़ 60 लाख की लागत से इस पुल का निर्माण होगा। आसपास के कई गांव एक दूसरे से जुड़ सकेंगे। बरसात में भी आवाजाही सुगम होगी। इस अवसर पर विधायक श्री सुरेश बैठा, प्रखंड प्रमुख सोमनाथ मुंडा, उप प्रमुख अजय बैठा, जिला परिषद सदस्य किरण देवी, मुखिया राम लखन मुंडा, मंडल भाजपाध्यक्ष प्रभात भूषण भी उपस्थित रहे।

झारखंड आएंगे अर्जुन मेघवाल नए अधिवक्ताओं को देंगे लाइसेंस

- कार्यक्रम में परिचर्चा का भी सत्र रखा गया है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केंद्रीय कानून और संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल रविवार को एकदिवसीय दौरे पर झारखंड आएंगे। वे नई दिल्ली से रांची आएंगे और यहां से हेलीकॉप्टर से धनबाद जाएंगे। वे धनबाद में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अधिवेशन में शामिल होंगे। धनबाद में कार्यक्रम के बाद वे रांची आएंगे। यहां होटल रामदा में अर्जुन राम मेघवाल का भव्य नागरिक अभिनंदन झारखंड स्टेट बार काउंसिल, अधिवक्ता परिषद, चैंबर ऑफ कॉमर्स, मारवाड़ी युवा मंच सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की ओर से किया जाएगा। इस दौरान केंद्रीय मंत्री नए वकीलों को लाइसेंस भी प्रदान करेंगे। इसके साथ ही मेडिकल एड का चेक भी दिया जाएगा। इस कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश से बड़ी संख्या में अधिवक्ता भी शामिल होंगे। इसके अलावे कार्यक्रम में एक परिचर्चा का भी सत्र रखा गया है, जिसमें नागरिक अधिवक्ता और अन्य सामाजिक प्रतिनिधि केंद्रीय मंत्री से विभिन्न विषयों पर अपनी जिज्ञासा रखेंगे और उसका समाधान किया जाएगा।

कार्यक्रम के संबंध में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बताया कि केंद्रीय कानून और संसदीय कार्य मंत्री का अभिनंदन रांची के नागरिक करेंगे। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। कार्यक्रम को लेकर पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू, विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत, व्यवसायी पवन बजाज, अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र, बार काउंसिल के राजेंद्र कृष्ण, मुकेश की ओर से तैयारी की जा रही है।

कार्यक्रम रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ करेंगे उद्घाटन

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन कल धनबाद में

- केंद्रीय न्याय एवं कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल होंगे मुख्य अतिथि
- सत्र 2025-27 के लिए प्रांतीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करेंगे एससी अग्रवाल
- गोविंदपुर स्थित राजविलास रिसॉर्ट में होगा आयोजन, तैयारी पूरी

नवीन मेल संवाददाता

कार्यक्रम का शुभारंभ कल व ध्वजारोहण

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ 6 जुलाई को दिन में 10:00 बजे नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल द्वारा ध्वजारोहण के साथ किया जाएगा। इसके बाद मुख्य अतिथि एवं उद्घाटनकर्ता द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया जाएगा। फिर प्रांतीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल का संबोधन होगा। दिन में 12:00 बजे अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी द्वारा नवनिर्वाचित अध्यक्ष का शपथ ग्रहण एवं पदभार ग्रहण कराया जाएगा।

रांची। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन का नवम प्रांतीय अधिवेशन आगामी रविवार (6 जुलाई) को धनबाद के गोविंदपुर स्थित राजविलास रिसॉर्ट में आयोजित होगा। अधिवेशन के मुख्य अतिथि केंद्रीय न्याय एवं कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल तथा उद्घाटनकर्ता केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ होंगे।

रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के जिलाध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार, महामंत्री विनोद कुमार जैन एवं संयुक्त महामंत्री एवं प्रवक्ता संजय सर्राफ ने संयुक्त रूप से शुक्रवार को बताया कि मारवाड़ी सम्मेलन धनबाद जिला के आतिथ्य में 6 जुलाई को राजविलास रिजॉर्ट गोविंदपुर धनबाद में आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन का नवम प्रांतीय अधिवेशन नई उमंग की तैयारियां कर ली गई हैं।

उन्होंने बताया कि इस प्रांतीय अधिवेशन में रांची जिला से 60 से भी अधिक सदस्यगण भाग लेंगे। अधिवेशन में झारखंड के सभी जिलों से 500 से भी अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रांतीय अधिवेशन नई उमंग मे झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल सत्र 2025-27 के लिए प्रांतीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करेंगे। अधिवेशन के मुख्य अतिथि भारत सरकार के केंद्रीय न्याय एवं कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, तथा उद्घाटनकर्ता केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ होंगे।

अधिवेशन में विशिष्ट अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार केडिया, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे और इन सभी का संबोधन होगा। तत्पश्चात उद्घाटनकर्ता संजय सेठ एवं मुख्य अतिथि अर्जुन राम मेघवाल का संबोधन होगा। तत्पश्चात सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया जाएगा।
अधिवेशन का द्वितीय सत्र दिन में 2:30 बजे से प्रारंभ होगा। यह खुला सत्र एवं अधिवेशन का समापन समारोह होगा। इसमें अधिवेशन में सहभागिता के लिए जिलों को प्रोत्साहन सम्मान, सर्वाधिक सदस्यता बनाने के लिए जिलों को सम्मान, अतिथियों का सम्मान एवं शाम 6:00 बजे धनबाद जिलाध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ अधिवेशन का समापन होगा। उन्होंने बताया कि यह अधिवेशन नई उमंग के साथ संगठन को नई दिशा प्रदान करेगा और समाज के लिए एक यादगार सिद्ध होगा।

न्यूज बॉक्स

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने की विमल लकड़ा से अस्पताल में मुलाकात

रांची (हि.स.)। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने शुक्रवार को रांची के दीपाटोली स्थित क्यूरेस्टा अस्पताल में इलाजरत पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विमल लकड़ा से मुलाकात की। उन्होंने लकड़ा के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनकी पत्नी कांति बा और समाजसेवी अनिल अभिताभ पन्ना से घटना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। मंत्री ने चिकित्सकों से विमल लकड़ा के इलाज संबंधी जानकारी ली और हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने ईश्वर से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हुए कहा कि वे जल्द ही अपने परिवार के बीच स्वस्थ होकर लौटें, यही कामना है।

साल में 245 दिन क्लास अनिवार्य

- नेतरहाट विद्यालय के परीक्षा परिणामों की गुणवत्ता में गिरावट पर रामदास सोरेन ने की समीक्षा बैठक

रांची। नेतरहाट विद्यालय के खराब रिजल्ट के प्रदर्शनों पर झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने विभागीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि जिस विद्यालय का नाम देश ही नहीं विदेशों में भी लिया जाता है उस विद्यालय में 12वीं के चार और दसवीं के एक विद्यार्थी के फेल होने पर सवाल खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि 1953 में नेतरहाट विद्यालय की शुरुआत हुई थी और 2010 ई तक यहां के परीक्षा परिणाम बहुत अच्छे रहे है, लेकिन 2010 के बाद नेतरहाट को स्वत दी गई स्वतंत्रता के कारण 2010 के बाद से 2025 तक परीक्षा परिणाम की गुणवत्ता में गिरावट आए हैं। कारण क्या है इसके लिए विभागीय बैठक की गई है बुनियादी सुविधाओं, शिक्षकों की कमी जैसी समस्या के समाधान के लिए तुरंत प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि एक वर्ष में विद्यालयों में 245 दिन कक्षाएं संचालित होनी चाहिए।

दिशोम गुरु की तबीयत में हो रहा सुधार

रांची। झामुमो के संस्थापक संरक्षक और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की सेहत में लगातार सुधार हो रहा है। 81 वर्षीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती हैं, जहां उनकी स्थिति पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की एक टीम गहन निगरानी रख रही है। उनसे मिलने वालों का दिल्ली में तांता लग रहा है। शिबू सोरेन को 19 जून को सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती किया गया है, उनकी स्थिति अब स्थिर है और धीरे-धीरे सुधार की ओर बढ़ रही है। शिबू सोरेन से मिलने वालों में शुक्रवार को झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, झारखंड प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रभारी गुलाम अहमद मीर, झामुमो की राज्यसभा सांसद महुआ माजी सहित कई अन्य नेता शामिल थे। गुलाम अहमद मीर ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुजी के स्वास्थ्य को लेकर बातचीत के बाद कहा कि गुरुजी की स्थिति तेजी से सुधर रही है। चिकित्सक उनकी देखभाल में कोई कमी नहीं छोड़ रहे। हम सभी दुआ कर रहे हैं कि वे जल्द पूरी तरह स्वस्थ होकर झारखंड लौटें।

संयुक्त ट्रेड यूनियनों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल 9 जुलाई को होगी

रांची। संयुक्त किसान मोर्चा और केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच ने शुक्रवार को रांची में आगामी नौ जुलाई को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल की तैयारियों की घोषणा की। यह जानकारी भाकपा नेता अजय सिंह ने शुक्रवार को संयुक्त प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि मजदूर, किसान और आम जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए और सरकार की नीतियों के खिलाफ संघर्ष का ऐलान किया गया है। मौके पर संयुक्त मंच के वक्ताओं ने कहा कि केंद्र सरकार चार श्रम संहिताओं के जरिए स्थायी रोजगार, ट्रेड यूनियन और सामाजिक सुरक्षा जैसे अधिकारों को खत्म करने की साजिश कर रही है। हड़ताल की 17 सूत्री मांगों में 26,000 न्यूनतम वेतन, पुरानी पेंशन योजना की बहाली, आवश्यक वस्तुओं से जीएसटी हटाना, सार्वजनिक उपक्रमों के निजीकरण पर रोक और किसानों के लिए एमएसपी की गारंटी सहित अन्य मांगें शामिल है। उन्होंने कहा कि यह हड़ताल सिर्फ एक दिन की नहीं, बल्कि लंबे संघर्ष की शुरुआत है। प्रदेश भर में नुक्कड़ सभाएं, जनसंपर्क अभियान, बाइक रैली, मशाल जुलूस और नौ जुलाई को पुतला दहन एवं सड़क जाम किया जाएगा।

पृष्ठ एक के शेष

एक विजन को हकीकत में...

यह नया क्षेत्रीय केंद्र विशेष रूप से मंत्रालय की प्रमुख पहलों-मिशन शक्ति, मिशन वात्सल्य और मिशन सक्षम आंगनबाड़ी और पोषण 2.0 के लिए प्रशिक्षण और अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करेगा। इसमें झारखंड, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। कार्यक्रम में संस्थान से ट्रेनिंग लिए प्रशिक्षु लड़कियों से मंत्री अन्नपूर्ण देवी ने बात की। वहां बच्चियों ने सिखाई गई चीजों को रखा। बातचीत, अनुभव साझा करना और व्यावसायिक प्रशिक्षण पूरा करने वालों के लिए नौकरी नियुक्ति पत्र का वितरण भी किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के 'नए लोगो' का शुभारंभ भी हुआ। क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना मंत्री अन्नपूर्णा देवी के दूरदर्शी नेतृत्व में एक व्यापक परिवर्तन का हिस्सा है। इसमें राष्ट्रीय सार्वजनिक सहयोग और बाल विकास संस्थान (एनआईपीसीसीडी) का आधिकारिक नाम बदलकर सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला और बाल विकास संस्थान करना शामिल है। इस नाम का बदला जाना तेज मिशन-संचालित दृष्टिकोण और महिला और बाल-केंद्रित विकास के लिए मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।ज्ञात हो कि सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान नई दिल्ली में अपने मुख्यालय और बेंगलुरु, गुवाहाटी, लखनऊ, इंदौर और मोहाली में क्षेत्रीय केंद्रों के साथ, ऑनलाइन और व्यक्तिगत कार्यक्रमों के माध्यम से सालाना 1,000 से अधिक पेशेवरों को प्रशिक्षित करने में सबसे आगे रहा है।

पूर्व विधायक अंबा के....

ज्ञात हो कि ईडी की टीम ने इससे पहले 18 मार्च 2024 को भी अंबा प्रसाद के हजारीबाग स्थित ठिकानों पर छापेमारी की थी। ईडी ने उनके पिता योगेंद्र साव तथा उनके सगे संबंधियों के कुल 17 ठिकानों पर छापा मारा था। इस दौरान उनके ठिकानों से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और करीब 20 लाख रुपये नकद जब्त किए गए थे। ईडी ने ये कार्रवाई हजारीबाग में लीज की बेशकीमती जमीन पर कब्जा करने के मामले में की थी। ईडी ने इससे पहले विधायक अंबा प्रसाद और पिता योगेंद्र प्रसाद के खिलाफ ईसीआईआर दर्ज किया था। ईडी ने रांची, हजारीबाग और मुंबई स्थित ठिकानों पर छापा मारा था।

दबाव बनाने के लिए लगातार ईडी पहुंच...

यह सब देखकर विपक्षियों की हालत खराब हो रही है। दबाव बनाने के लिए ईडी से छापेमारी कराई गई। पिछले बार भी जब छापेमारी हुई थी, तब चुनाव का वक्त था। उस समय भी ईडी को कुछ नहीं मिला। वर्तमान समय में भी बैरंग ही लौटी है। अंबा प्रसाद ने यह भी कहा कि ईडी की छापेमारी तो मात्र 1 घंटे तक चली। 5 घंटे वे सिर्फ बैठकर इंतजार करते रहे। 6 घंटे के बाद वे लोग खुद ही वापस चले गए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने डूरंड कप 2025 के ट्रॉफी का अनावरण किया

नई दिल्ली (आईएएनएस)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित एक भव्य समारोह में डूरंड कप प्रतियोगिता 2025 की ट्रॉफियों का अनावरण किया और हरी झंडी दिखाई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खेलों की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि यह अनुशासन, दृढ़ संकल्प और टीम भावना को बढ़ावा देता है। उन्होंने खेलों की लोगों, क्षेत्रों और देशों को जोड़ने की अनूठी शक्ति को रेखांकित किया और भारत में इसे राष्ट्रीय एकीकरण का शक्तिशाली साधन बताया। ओलंपिक या किसी भी अंतरराष्ट्रीय आयोजन में जब तिरंगा फहराया जाता है तो सभी साथी नागरिक रोमांचित हो जाते हैं। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। पोस्ट में लिखा, "डूरंड कप जैसे आयोजन न केवल खेल भावना को बढ़ावा देते हैं बल्कि फुटबॉल खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को विकसित करने में भी मदद करते हैं, जिससे उन्हें आगे बढ़ने के लिए एक मंच मिलता है। राष्ट्रपति ने कहा कि फुटबॉल का लाखों लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान है। यह सिर्फ एक खेल नहीं है; यह एक जुनून है। फुटबॉल का खेल रणनीति, धैर्य और एक साझा लक्ष्य की ओर मिलकर काम करने के बारे में है। एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप का 2025 संस्करण 15 जुलाई से 23 अगस्त तक पांच राज्यों - पश्चिम बंगाल, असम, मणिपुर, मेघालय और झारखंड के छह स्थानों पर खेला जाएगा। असम का कोकराझार लगातार तीसरे साल डूरंड कप की मेजबानी करेगा जबकि झारखंड का जमशेदपुर और मेघालय का शिलांग पिछले साल मेजबान के रूप में शामिल हुए थे। सौ साल पुराने इस टूर्नामेंट ने 2019 में अपना घरेलू मैदान नई दिल्ली से कोलकाता में स्थानांतरित कर दिया था और लगातार छठे संस्करण के लिए यह बरकरार रहेगा। पूर्व की ओर स्थानांतरित होने के बाद से, डूरंड कप ने देश की प्रमुख प्रतियोगिता के रूप में खुद को पुनः स्थापित कर लिया है, तथा इसमें भाग लेने वाली टीमों की संख्या 16 से बढ़कर 24 हो गई है, जिसमें सभी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीमों की भागीदारी भी शामिल है। यह टूर्नामेंट इस मायने में खास है कि इसमें सेना की टीमें भारत के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल क्लबों के खिलाफ मुकाबला करती हैं और पिछले कुछ संस्करणों में पड़ोसी देशों की सेना टीमों के साथ विदेशी भागीदारी भी देखी गई है। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी इस टूर्नामेंट में गत विजेता के रूप में प्रवेश कर रही है, जिसने पिछले साल मोहन बागान सुपर जायंट को हराकर अपना पहला खिताब जीता था। भाग लेने वाली टीमों और ग्रुप की पूरी सूची इस सप्ताह के अंत में घोषित होने की उम्मीद है।

प्रमुख मेजबान शहर

- **कोकराझार, असम :** लगातार तीसरे वर्ष डूरंड कप की मेजबानी करेगा।
- **जमशेदपुर, झारखंड और शिलांग, मेघालय :** पिछले साल से मेजबान शहर के रूप में शामिल हुए हैं।

घरेलू मैदान का बदलाव

- 2019 में डूरंड कप का घरेलू मैदान नई दिल्ली से कोलकाता स्थानांतरित किया गया था।
- कोलकाता छठे संस्करण की मेजबानी कर रहा है।

ऐतिहासिक महत्व

- डूरंड कप 100 साल से भी पुराना टूर्नामेंट है।
- इसे एशिया का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट माना जाता है।

नीरज क्लासिक 2025 के लिए स्टेडियम तैयार

बेंगलुरु में दिखा उत्साह

बेंगलुरु (आईएएनएस)

श्री कांतीरवा स्टेडियम शनिवार को होने वाले नीरज चोपड़ा क्लासिक के लिए पूरी तरह से तैयार है। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) द्वारा अनुमोदित और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा एवं जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स द्वारा सह-आयोजित इस कार्यक्रम में दुनिया के शीर्ष जैवलिन खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। मुख्य प्रतियोगियों में स्वयं नीरज चोपड़ा और 2016 रियो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता थॉमस रोहलर के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगियों का एक मजबूत ग्रुप शामिल है। 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' महज एक आयोजन नहीं है, बल्कि यह एक उस आंदोलन का उत्सव है, जो भारतीय खेल के भविष्य को आकार दे रहा है और नई पीढ़ी की प्रतिभा को प्रेरित कर रहा है। इससे पहले स्टेडियम में युवा खिलाड़ियों ने साइड ग्राउंड पर अभ्यास किया, जिससे स्टेडियम में ऊर्जा का संचार हुआ। स्टैंड में स्कूली बच्चे अंतर्राष्ट्रीय सितारों की एक झलक पाने के लिए बेसब्री से इंतजार करते दिखे। इस आयोजन की तैयारी के लिए स्टेडियम में काफी बदलाव किया गया है। कई स्टैंड्स में बैठने की व्यवस्था को नया रूप दिया गया है। नॉर्थ स्टैंड में कॉर्पोरेट और वीवीआईपी बॉक्स लगाए गए हैं, और प्रशंसकों को रनवे और इनफील्ड एक्शन का नजदीक से नजारा दिखाने के लिए पिच-साइड हॉस्पिटैलिटी जोन बनाया गया है। साउथ स्टैंड में एक मनोरंजन मंच बनाया गया है, जबकि एथलीटों के लिए श्रेष्ठतम प्रदर्शन की स्थिति सुनिश्चित करने के लिए मुख्य टर्फ को नए सिरे से बिछाया गया है। चोपड़ा इस आयोजन में आयोजक की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मौजूदा विश्व चैंपियन ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से मुलाकात की और नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 के लिए निरंतर समर्थन के लिए राज्य सरकार की प्रशंसा की। नीरज चोपड़ा ने कहा, "मैं कर्नाटक सरकार, केओए और डीवाईईएस को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने स्टेडियम को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके प्रयासों से हम एथलीटों के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं और प्रशंसकों के लिए समृद्ध अनुभव प्रदान करने में सक्षम हुए हैं। चोपड़ा ने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम से पहले केओए और डीवाईईएस द्वारा आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "इस पुनर्निर्माण में बहुत मेहनत की गई है और मैं विशेष रूप से माननीय मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, डॉ. के. गोविंदराज और इसमें शामिल सभी अधिकारियों का आभारी हूं। यह सभी के लिए एक यादगार कार्यक्रम होगा।

> *मुख्य प्रतियोगियों में स्वयं नीरज चोपड़ा और 2016 रियो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता थॉमस रोहलर के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगियों का एक मजबूत ग्रुप शामिल है। 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' महज एक आयोजन नहीं है, बल्कि यह एक उस आंदोलन का उत्सव है, जो भारतीय खेल के भविष्य को आकार दे रहा है और नई पीढ़ी की प्रतिभा को प्रेरित कर रहा है।*

भारत बनाम इंग्लैंड

दोहरे शतक के बाद माता-पिता से मिली सराहना भावुक हुए शुभमन गिल

नई दिल्ली (आईएएनएस)

इंडियन टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में खेले जा रहे एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 269 रन की पारी खेली। गिल ने इस पारी में दिखाया कि उनकी बल्लेबाजी में वह धार मौजूद है, जिसके दम पर उन्हें टीम की कमान सौंपी गई है। इस शानदार पारी के बाद गिल अपने माता-पिता की ओर से मिले संदेश को सुनकर भावुक हो गए। शुभमन गिल ने इंग्लैंड में दोहरा शतक बनाने वाले पहले भारतीय कप्तान बनकर इतिहास रचा है। वह 2016 में विराट कोहली के 200 के बाद एशिया के बाहर टेस्ट मैचों में दोहरा शतक लगाने वाले पहले भारतीय बन गए। गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ खेली 269 रन की पारी के दम पर विराट कोहली के 254 रन के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। गिल ने एशिया के बाहर टेस्ट में भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सचिन तेंदुलकर के सर्वोच्च स्कोर (241 रन) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद बीसीसीआई ने एक वीडियो शेयर किया जिसमें गिल अपने माता-पिता के वॉयस मैसेज सुन रहे थे।

पीवी सिंधु: जिनका मैच देखने के लिए पूरा देश ठहर गया था

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारत को 'क्रिकेट के दीवाने' देश के रूप में जाना जाता है। लेकिन, 19 अगस्त 2016 को पूरा देश टेलीविजन के सामने बैडमिंटन के एक बेहद रोमांचक मुकाबला देखने के लिए बैठ गया था। मौका था रियो ओलंपिक बैडमिंटन सिंगल फाइनल और देश को रोक देने वाली खिलाड़ी का नाम था पी वी सिंधु। सभी सिंधु को उस दिन सोने का पदक पहनते देखना चाहते थे। ओलंपिक में किसी खिलाड़ी के पूर्व में शायद ही ऐसा माहौल बना था, जिसे सिंधु ने बना दिया था। पी वी सिंधु ने 19 अगस्त 2016 को स्पेन की कैरोलिना मारिन के खिलाफ फाइनल खेला था। मुकाबला बेहद कड़ा था, लेकिन सिंधु को इसमें हार का सामना करना पड़ा और उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। हालांकि यह भी इतिहास था, क्योंकि बैडमिंटन में उनके पूर्व या अब तक किसी पुरुष या महिला खिलाड़ी ने ओलंपिक में सिल्वर मेडल नहीं जीता।

कार दुर्घटना में पुर्तगाली फुटबॉलर डिएगो जोटा की मौत, टायर फटने से पलटी कार

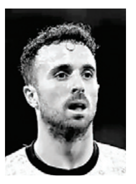

नई दिल्ली । 28 साल के पुर्तगाली फॉरवर्ड डिएगो जोटा का कार एक्सीडेंट में निधन हो गया। वह लिवरपूल से भी खेलते थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुर्तगाली सीमा के जमोरा प्रांत में उनके कार का एक्सीडेंट हो गया। डिएगो जोटा एक लेम्बोर्गिनी चला रहे थे। स्थानीय खबरों के अनुसार उनके कार का टायर फट गया। उनकी कार पलट गई और फिर उसमें आग लग गई। यह घटना गुरुवार की सुबह हुई। डिएगो जोटा के भाई की भी जान चली गई जोटा के साथ उनके छोटे भाई आंद्रे सिल्वा (26 वर्ष) भी गाड़ी में थे। वह भी एक पेशेवर फुटबॉलर थे और पुर्तगाली टीम एफसी पेनाफिल के लिए खेलते थे।

विंबलडन 2025 : इवांस को हराकर जोकोविच तीसरे दौर में पहुंचे, फेडरर का रिकॉर्ड तोड़ा

लंदन (आईएएनएस) । नोवाक जोकोविच ने गुरुवार को विंबलडन में ब्रिटेन के डेनियल इवांस को 6-3, 6-2, 6-0 से हराकर पुरुष एकल के तीसरे दौर में प्रवेश किया। आठवें विंबलडन खिताब की तलाश में लगे 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को ऑल-इंग्लैंड क्लब में अपनी 99वीं जीत हासिल करने में एक घंटे और 47 मिनट लगे। जोकोविच को 2021 मोंटे कार्लो मास्टर्स में ब्रिटिश खिलाड़ी इवांस ने आश्चर्यजनक रूप से सीधे सेटों में हरा दिया था। उसके बाद दोनों पहली बार आमने-सामने थे। लेकिन, यहां जोकोविच उन्हें कोई मौका नहीं दिया। 38 साल के जोकोविच ने तीन सेटों में केवल नौ अंक गंवाए और इवांस को आसानी से हरा दिया।

भारतीय सीमेंट क्षेत्र में मांग वित्त वर्ष 2026 में 7-8% बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली (आईएएनएस) । भारतीय सीमेंट क्षेत्र में मांग वित्त वर्ष 2026 में 7-8 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है और संरचनात्मक कारकों के कारण यही मांह वित्त वर्ष 2026-29 में 6 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़ेगी। यह जानकारी शुक्रवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई। बीएनपी परिबास इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि कीमतों में तेजी से सुधार हुआ है और मानसून के जल्दी आने के बावजूद कीमतें स्थिर बनी हुई हैं, लेकिन मौजूदा स्तरों पर कीमतों की स्थिरता वित्त वर्ष 2026 की लाभप्रदता के लिए महत्वपूर्ण है। विश्लेषक निरांश जैन ने कहा, "हमें उम्मीद है कि इंडस्ट्री प्लेयर्स द्वारा लाभप्रदता को प्राथमिकता दिए जाने और उद्योग के निरंतर कंसोलिडेशन के कारण प्राइसिंग पावर में सुधार होगा। भारत का सीमेंट क्षेत्र उत्पादन के हिसाब से दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र बन गया है। हालांकि हाल के वर्ष नई सप्लाई, कम उपयोग और सीमित मूल्य निर्धारण शक्ति के मामले में चुनौतीपूर्ण रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, "हमें लगता है कि साइकल अब बदल रहा है और बेहतर दृष्टिकोण को बढ़ावा दे रहा है। उद्योग को ओवरसप्लाई की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है, "लेकिन हम उद्योग के कंसोलिडेटेड होने के साथ मांग/आपूर्ति की गतिशीलता में सुधार देख रहे हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, आठ प्रमुख उद्योगों (आईसीआई) के संयुक्त सूचकांक में पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में मई में 0.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

अमेरिका 1 अगस्त से टैरिफ बढ़ोतरी लागू करने के लिए व्यापार साझेदारों को पत्र भेजना करेगा शुरू

नई दिल्ली (आईएएनएस)

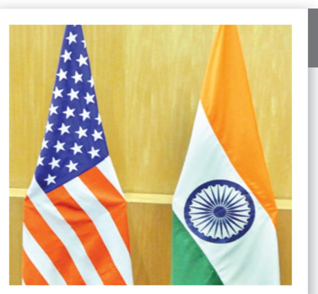

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिकी प्रशासन शुक्रवार से ही व्यापारिक साझेदारों को उनके टैरिफ दरों के बारे में सूचित करने के लिए पत्र भेजना शुरू कर देगा, जबकि भारत सहित विभिन्न देशों के साथ उच्च अमेरिकी शुल्क से बचने के लिए बातचीत अंतिम चरण में पहुंच गई है। ट्रंप ने गुरुवार देर रात पत्रकारों से कहा कि शुक्रवार को लगभग 10 से 12 देशों को पत्र भेजे जाएंगे और अगले कुछ दिनों में अतिरिक्त पत्र भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि टैरिफ 60 प्रतिशत-70 प्रतिशत और 10 प्रतिशत-20 प्रतिशत के बीच होंगे, जिन्हें इन देशों को अमेरिका के साथ व्यापार करने के लिए 1 अगस्त से चुकाना शुरू करना होगा। मीडिया रिपोर्ट्स में ट्रंप के हवाले से कहा गया है, "मेरा झुकाव एक पत्र भेजने और यह बताने की ओर है कि किस देश को कितना टैरिफ चुकाना होगा। हमारे पास 170 से अधिक देश हैं और आप कितने सौदे कर सकते हैं? आप अच्छे सौदे कर सकते हैं, लेकिन वे बहुत अधिक जटिल हैं। उन्होंने कहा, "मैं बस एक सरल सौदा करना चाहता हूं, जहां आप इसे बनाए रख सकें और इसे नियंत्रित कर सकें। आप 20 प्रतिशत या 30 प्रतिशत टैरिफ का भुगतान करने जा रहे हैं, और हम संभवतः कल से शायद प्रतिदिन 10, विभिन्न देशों को पत्र भेजने जा रहे हैं, जिसमें बताया जाएगा कि वे अमेरिका के साथ व्यापार करने के लिए क्या भुगतान करने जा रहे हैं, ट्रंप ने वियतनाम और चीन सहित कई व्यापार सौदों की घोषणा की है। उन्होंने पिछले महीने कहा था कि अमेरिका और भारत एक समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। यह घोषणा 9 जुलाई की समय सीमा से पहले की गई है, जिसे रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा के बाद कुछ देशों के साथ डील करने के लिए ट्रम्प प्रशासन द्वारा निर्धारित किया गया था। यह व्यापार वार्ता के लिए 90 दिनों का विराम था, जिसके दौरान अधिकांश देशों के लिए टैरिफ दर को 10 प्रतिशत से कम रखा गया था ताकि 9 जुलाई तक बातचीत की जा सके। विशेष सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारत की वार्ता टीम द्विपक्षीय व्यापार समझौते को समाप्त करने के लिए उच्च स्तरीय वार्ता में शामिल होने के लिए वाशिंगटन में है। भारतीय और अमेरिकी वार्ताकार 9 जुलाई की समय सीमा से पहले एक अंतरिम व्यापार सौदे को अंतिम रूप देने का लक्ष्य बना रहे थे। इसके बाद सितंबर-अक्टूबर में एक बड़े व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के लिए बातचीत जारी रहने की उम्मीद है। अमेरिका अपने कृषि और डेयरी उत्पादों के लिए व्यापक बाजार पहुंच की मांग कर रहा है, जो भारत के लिए एक बड़ी बाधा है क्योंकि यह देश के छोटे किसानों की आजीविका का मुद्दा है और इसलिए इसे एक संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है।

भारत की भूमिका और तैयारी

- भारत की वार्ता टीम का नेतृत्व विशेष सचिव राजेश अग्रवाल कर रहे हैं।
- भारतीय टीम द्विपक्षीय व्यापार समझौता समाप्त करने के लिए उच्च स्तरीय वार्ता में शामिल हो रही है।
- भारतीय वार्ता दल वाशिंगटन में मौजूद है।

शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी सत्र में तेजी के साथ बंद, आईटी शेयरों में हुई खरीदारी

मुंबई (आईएएनएस)

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी सत्र में हरे निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 193.42 अंक या 0.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 83,432.89 और निफ्टी 55.70 अंक या 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,461 पर था। बाजार की तेजी का नेतृत्व आईटी और बैंकिंग शेयरों ने किया। निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.80 प्रतिशत और निफ्टी बैंक इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा, पीएसयू बैंक, फार्मा, एफएमसीजी, मीडिया और एनर्जी इंडेक्स में खरीदारी देखी गई। वहीं, ऑटो और मेटल इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में सपाट कारोबार देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 5.50 अंक की मामूली गिरावट के साथ 59,677.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 6 अंक या 0.03 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,033.05 पर था।

सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, एचयूएल, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएच टेक, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, एसबीआई, टीसीएस,एक्सिस बैंक, एलएंडटी और बीईएल गेनर्स थे। ट्रेंट, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, एमएंडएम,आईटीसी, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स और सन फार्मा टॉप लूजर्स थे।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा कि भारतीय बाजार में ठहराव का अनुभव हो रहा है क्योंकि निवेशक मिश्रित वैश्विक संकेतों के साथ अमेरिकी टैरिफ समयसीमा से पहले प्रतीक्षा और निगरानी की रणनीति अपना रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि चल रहे एफआईआई आउटफ्लो जोखिम-रहित दृष्टिकोण को दर्शाते हैं।

एनपीएस के तहत मिलने वाले कर लाभ यूपीएस पर भी होंगे लागू : वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली । (आईएएनएस)

वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को घोषणा की कि नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के तहत मिलने वाले कर लाभ आवश्यक परिवर्तनों के साथ यूनीफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) पर भी लागू होंगे, क्योंकि यूपीएस, एनपीएस के तहत एक विकल्प के रूप में लाया गया है। वित्त मंत्रालय के बयान के अनुसार, इस उपाय का उद्देश्य यूपीएस को गति प्रदान करना है। ये प्रावधान मौजूदा एनपीएस फ्रेमवर्क के साथ समानता सुनिश्चित करते हैं और यूपीएस का विकल्प चुनने वाले कर्मचारियों को पर्याप्त कर राहत और प्रोत्साहन प्रदान करते हैं। वित्त मंत्रालय ने 1 अप्रैल, 2025 से केंद्र सरकार की सिविल सेवा में भर्ती होने वाले लोगों के लिए एनपीएस के तहत एक विकल्प के रूप में यूपीएस की शुरूआत को अधिसूचित किया था, जिससे एनपीएस के तहत आने वाले केंद्र सरकार के कर्मचारियों को यूपीएस के तहत शामिल होने का वन-टाइम ऑप्शन मिल गया।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाएगा मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर: अजय टम्टा

नई दिल्ली (आईएएनएस)

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा ने शुक्रवार को आईआईटी दिल्ली, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, दिल्ली और उद्योग भागीदारों के विशेषज्ञों के साथ बैठक में कहा कि भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर का भविष्य इनोवेशन आधारित, सुरक्षित और संवेदनशील सड़क योजना में निहित है। उन्होंने रिएक्टिव कंस्ट्रक्शन से हटकर सक्रिय, इनोवेशन-आधारित नियोजन की ओर बदलाव पर चर्चा की। केंद्रीय टम्टा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' विजन के तहत, इन्फ्रास्ट्रक्चर भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा, "मंत्रालय सिर्फ सड़कें ही नहीं बना रहा है, बल्कि ऐसे गलियारे भी तैयार कर रहा है जो औद्योगिक विकास, शहरी विस्तार, डिजिटल कनेक्टिविटी और नागरिक कल्याण के इंजन के रूप में काम करेंगे। केंद्रीय राज्य मंत्री टम्टा ने आईआईटी दिल्ली और एसपीए दिल्ली के संकाय और नवप्रवर्तकों के साथ बातचीत की और कहा कि इनोवेशन न केवल सुरक्षा में सुधार करते हैं, बल्कि सड़क परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण चुनौतियों, शहरी यातायात भीड़, अंतिम मील की खराब कनेक्टिविटी और लागत में वृद्धि जैसी पुरानी समस्याओं से भी निपटते हैं। केंद्रीय मंत्री ने पश्चिमी देशों से नकल करने के बजाय स्वदेशी डिजाइन मॉडल अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।